सीएम मान बोले- आवारा कुत्तों पर.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

अपने पिता कमल हासन की हॉलीवुड.... 11

वर्ष - 02, अंक - 50 | गाजियाबाद / रविवार 24 मई 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए

प्रधानमंत्री ने 51 हजार युवाओं को बांटे नियुक्ति पत्र

देश की विकास यात्रा में युवा निभाएंगे अहम भूमिका, विकसित भारत के संकल्प को करेंगे साकार : मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में चयनित 51 हजार से अधिक युवाओं को वर्चुअल माध्यम से नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस अवसर पर उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि सरकारी सेवा में शामिल होने वाले ये युवा देश की विकास यात्रा के महत्वपूर्ण और जिम्मेदार भागीदार बनने जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि रेलवे, बैंकिंग, रक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा समेत कई अहम क्षेत्रों में नई जिम्मेदारियां संभालने वाले युवा आने वाले वर्षों में विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में बड़ी भूमिका निभाएंगे। उन्होंने युवाओं से ईमानदारी, समर्पण और सेवा भाव के साथ कार्य करने का आह्वान किया।

पीएम मोदी ने कहा कि आज पूरी दुनिया भारत की युवा शक्ति को आशा और विश्वास के साथ देख रही है। उन्होंने कहा कि जहां भी वह विदेश दौरे पर जाते हैं, वहां भारत के युवाओं की प्रतिभा, मेहनत और नवाचार क्षमता की चर्चा अवश्य होती है।

उन्होंने कहा कि दुनिया उन देशों का सम्मान करती है जो बड़े स्तर पर इनोवेशन करते हैं, निर्माण करते हैं और बेहतर डिलीवरी देते हैं। भारत तेजी से इन तीनों क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा है और इसके पीछे देश के युवाओं की ऊर्जा सबसे बड़ी ताकत है।

क्लीन एनर्जी और ग्रीन टेक्नोलॉजी में बढ़ रहा सहयोग

भविष्य की अर्थव्यवस्था और रोजगार के अवसरों पर चर्चा करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि क्लीन एनर्जी, ग्रीन हाइड्रोजन, क्रिटिकल मिनरल्स और सस्टेनेबल मैन्युफैक्चरिंग जैसे क्षेत्र तेजी से विकसित हो रहे हैं। इन क्षेत्रों में भारत की भागीदारी युवाओं के लिए नए रोजगार और नवाचार के अवसर पैदा करेगी।

उन्होंने बताया कि स्वीडन, नॉर्वे और इटली जैसे देशों के साथ ग्रीन ट्रांजिशन और सस्टेनेबल टेक्नोलॉजी को लेकर सहयोग बढ़ रहा है। वहीं यूएई और नॉर्वे के साथ साझेदारी भारत के शिपबिल्डिंग इकोसिस्टम को मजबूत बनाने में मदद करेगी।

स्टार्टअप और शोध के क्षेत्र में मिलेंगे नए अवसर

प्रधानमंत्री ने भारत की बढ़ती वैश्विक साझेदारियों का उल्लेख करते हुए कहा कि हर नई अंतरराष्ट्रीय भागीदारी भारतीय स्टार्टअप्स, शोधकताओं और युवा पेशेवरों के लिए नए अवसर लेकर आ रही है। इससे भारतीय युवाओं को वैश्विक बाजारों, आधुनिक तकनीक और एडवांस्ड एक्सपर्टीज तक पहुंच मिल रही है। उन्होंने कहा कि सरकार लगातार ऐसा माहौल तैयार कर रही है, जिससे देश के युवा रोजगार पाने के साथ-साथ रोजगार देने वाले भी बनें।

युवाओं से राष्ट्र निर्माण में योगदान देने की अपील

प्रधानमंत्री ने नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले युवाओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह केवल नौकरी नहीं, बल्कि देश सेवा का अवसर है। उन्होंने युवाओं से पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करते हुए राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया।

ट्विशा शर्मा मौत मामले में फरार पति समर्थ सिंह गिरफ्तार

जबलपुर कोर्ट में सरेंडर की कोशिश नाकाम, कोर्ट रूम में छुपा मिला आरोपी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बहुचर्चित ट्विशा शर्मा मौत मामले में फरार चल रहे आरोपी पति समर्थ सिंह को आखिरकार पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। शुक्रवार शाम जबलपुर जिला कोर्ट परिसर से उसे भोपाल और जबलपुर पुलिस की संयुक्त टीम ने हिरासत में लिया। आरोपी पर लंबे समय से पुलिस की नजर थी और उसकी गिरफ्तारी पर 30 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया गया था।

जानकारी के अनुसार, भोपाल कोर्ट से अग्रिम जमानत याचिका खारिज होने के बाद समर्थ सिंह ने गिरफ्तारी से बचने के लिए जबलपुर हाई कोर्ट का रुख किया था। शुक्रवार को सुनवाई के दौरान उसने अपनी अग्रिम जमानत याचिका वापस ले ली। इसके बाद हाई कोर्ट ने उसे कटाराहिल्स थाना प्रभारी या जांच

अधिकारी के समक्ष आत्मसमर्पण करने के निर्देश दिए थे।

कोर्ट के आदेश के कुछ देर बाद ही समर्थ सिंह शाम करीब चार बजे जबलपुर जिला कोर्ट पहुंच गया और सीजेएम अभिषेक सोनी की अदालत में समर्पण का प्रयास किया। हालांकि अदालत ने यह कहते हुए उसका समर्पण स्वीकार करने से इनकार कर दिया कि उसे भोपाल की सक्षम अदालत में पेश होना चाहिए।

चीन की कोयला खदान में भीषण विस्फोट, 90 मजदूरों की मौत

कई श्रमिक लापता, राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने दिए जांच के आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन के उत्तरी शांक्सी प्रांत में स्थित लियुशेन्यु कोयला खदान में शुक्रवार देर रात हुए भीषण गैस विस्फोट में कम से कम 90 मजदूरों की मौत हो गई, जबकि कई श्रमिक अब भी लापता बताए जा रहे हैं। हादसे के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई और बड़े स्तर पर राहत एवं बचाव अभियान चलाया जा रहा है।

चीनी सरकारी मीडिया शिन्हुआ के मुताबिक, यह दुर्घटना किनयुआन काउंटी की लियुशेन्यु कोयला खदान में हुई। हादसे के समय खदान के भीतर 247 मजदूर काम कर रहे थे। विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि खदान के कई हिस्से क्षतिग्रस्त हो गए। बचाव दल ने 200 से अधिक मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, लेकिन कई लोग

अंदर फंसे होने की आशंका है।

चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने हादसे पर गहरा दुख जताते हुए अधिकारियों को घायलों के बेहतर इलाज और राहत कार्य में कोई कमी न छोड़ने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने दुर्घटना के कारणों की गहन जांच कराने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने को कहा है। वहीं प्रधानमंत्री ली कियांग ने भी समय पर जानकारी जारी करने और जवाबदेही तय करने पर जोर दिया।

हादसे के बाद खदान संचालित करने वाली कंपनी के कई अधिकारियों को हिरासत में लिया गया है। शुरूआती रिपोर्ट में केवल आठ लोगों की मौत की पुष्टि हुई थी, लेकिन बाद में मृतकों की संख्या बढ़कर 90 पहुंच गई। प्रशासन ने संख्या बढ़ने के कारणों पर फिलहाल कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

बताया जा रहा है कि चीन ने पिछले वर्षों में खदान सुरक्षा को लेकर नियम सख्त किए हैं, जिससे खदान हादसों में कमी आई है। इसके बावजूद यह दुर्घटना पिछले एक दशक की सबसे भीषण खदान त्रासदियों में से एक मानी जा रही है। फिलहाल मौके पर बचाव दल युद्धस्तर पर अभियान चलाए हुए हैं।

अमेरिकी विदेश मंत्री रूबियो ने प्रधानमंत्री से की मुलाकात

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ओर से उन्हें निकट भविष्य में व्हाइट हाउस आने का निमंत्रण दिया।

बैठक के दौरान दोनों नेताओं के बीच भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी की प्रगति और क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर चर्चा हुई। रूबियो ने रक्षा, रणनीतिक प्रौद्योगिकी, व्यापार एवं निवेश, ऊर्जा सुरक्षा, कनेक्टिविटी, शिक्षा और लोगों के बीच संबंधों सहित विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग की प्रगति की जानकारी प्रधानमंत्री को दी। रूबियो ने पश्चिम एशिया की स्थिति समेत विभिन्न क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर अमेरिकी दृष्टिकोण भी साझा किया।

मोदी ने शांति प्रयासों के प्रति भारत के लगातार समर्थन को दोहराते हुए कहा कि सभी संघर्षों का समाधान

संवाद और कूटनीति के माध्यम से होना चाहिए। उन्होंने रूबियो से राष्ट्रपति ट्रंप को अपनी शुभकामनाएं पहुंचाने का आग्रह किया और कहा कि वह उनके साथ आगे भी निरंतर संवाद की अपेक्षा रखते हैं।

मुलाकात के बाद प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि अमेरिकी विदेश मंत्री रूबियो का स्वागत करके खुशी हुई। भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी में हो रही निरंतर प्रगति और क्षेत्रीय तथा वैश्विक शांति एवं सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर सार्थक चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका वैश्विक हित के लिए मिलकर काम करना जारी रखेंगे।

वहीं, भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने एक्स पर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के साथ बैठक में मार्को रूबियो के साथ शामिल होकर बहुत अच्छा लगा। हमने सुरक्षा, व्यापार और महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने पर सार्थक चर्चा की। ये ऐसे क्षेत्र हैं जो दोनों राष्ट्रों को मजबूत करते हैं और एक स्वतंत्र एवं खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र को आगे बढ़ाते हैं। भारत, अमेरिका का एक महत्वपूर्ण साझेदार बना हुआ है।

सर्जियो गोर ने एक अन्य पोस्ट में बताया कि विदेश मंत्री रूबियो ने राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से प्रधानमंत्री मोदी को निकट भविष्य में व्हाइट हाउस आने का निमंत्रण दिया है।

3000 करोड़ के हीरा ग्रुप घोटाले में मुख्य आरोपी नोहेरा शेख गुरुग्राम से गिरफ्तार

गुरुग्राम (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने देश के चर्चित हीरा ग्रुप निवेश घोटाले में बड़ी कार्रवाई करते हुए हीरा ग्रुप की प्रमुख नोहेरा शेख को हरियाणा के गुरुग्राम से गिरफ्तार कर लिया। ईडी के अनुसार, नोहेरा शेख को 21 मई की देर रात गुरुग्राम के सेक्टर-45 स्थित एक एयरबीएनबी प्रॉपर्टी से संयुक्त अभियान के दौरान पकड़ा गया। गिरफ्तारी के बाद उसे हैदराबाद ले जाया गया। ईडी की जांच तेलंगाना और आंध्र प्रदेश पुलिस द्वारा दर्ज कई एफआईआर के आधार पर शुरू हुई थी। इन मामलों में नोहेरा शेख, मोली थामस, बीजू थामस और हीरा ग्रुप ऑफ कंपनीज पर देशभर के निवेशकों से धोखाधड़ी करने के आरोप लगाए गए हैं। जांच एजेंसी का दावा है कि हीरा समूह ने निवेश योजनाओं के जरिए एक लाख से अधिक लोगों से 3000 करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम जुटाई।

अधिकारियों के मुताबिक, निवेशकों को सालाना 35 से 36 प्रतिशत तक रिटर्न देने का लालच दिया गया था। लेकिन बाद में न तो तय मुनाफा दिया गया और न ही मूलधन लौटाया गया। ईडी का आरोप है कि निवेशकों से जुटाई गई रकम को व्यक्तिगत खातों में ट्रांसफर कर चल और अचल संपत्तियां खरीदने में इस्तेमाल किया गया।

ईडी के अनुसार मामले में करीब 122 करोड़ रुपये की संपत्तियों की नीलामी पहले ही की जा चुकी है। सुप्रीम कोर्ट ने 8 अप्रैल 2026 को नोहेरा शेख को एक सप्ताह के भीतर आत्मसमर्पण करने और दो महीने के अंदर नीलाम की गई 16 संपत्तियों के विक्रय विलेख निष्पादित करने का निर्देश दिया था। हालांकि एजेंसी का आरोप है कि नोहेरा शेख ने नीलामी प्रक्रिया में सहयोग नहीं किया और कार्रवाई में लगातार बाधा डालती रही।

अफ्रीका : इबोला हुआ और खतरनाक, डब्ल्यूएचओ ने जोखिम स्तर 'उच्चतम' श्रेणी में रखा

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (डीआरसी) में इबोला वायरस को बेहद खतरनाक बताया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने आकलन स्तर को 'हाई' से 'वेरी हाई' (उच्चतम) श्रेणी में कर दिया है। हालांकि, संगठन का कहना है कि वैश्विक स्तर इसका खतरा कम है। डब्ल्यूएचओ ने इस प्रकोप और पड़ोसी देश युगांडा में मामलों की पुष्टि के बाद अंतरराष्ट्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया है। संगठन के महानिदेशक टेड्रोस अधानोम घेब्रेयेसस ने शुक्रवार को बताया कि अब तक डीआरसी में 82 मामलों और 7 मौतों की पुष्टि हो चुकी है। इसके अलावा लगभग 750 संदिग्ध मामले और 177 संदिग्ध मौत भी दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि युगांडा की स्थिति स्थिर है और वहां व्यापक कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग जैसी कार्रवाई प्रभावी साबित हो रही है।

हमारी मांगें मानने के अलावा मोदी सरकार बनाएगी 100 विश्वस्तरीय इंडस्ट्रियल पार्क

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने देशभर में विश्वस्तरीय औद्योगिक पार्क विकसित करने के लिए शुरू की गई 'भव्य' योजना के क्रियान्वयन के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। यह महत्वाकांक्षी योजना भारत को वैश्विक स्तर पर मजबूत मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने की दिशा में बड़ा कदम मानी जा रही है। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, 'भव्य' योजना का उद्देश्य निवेश के लिए पूरी तरह तैयार आधुनिक औद्योगिक पार्क विकसित करना है, जिससे देश के विनिर्माण क्षेत्र को मजबूती मिले। सरकार ने इस योजना के तहत वर्ष 2026-27 से 2031-32 तक छह वर्षों में देशभर में 100 औद्योगिक पार्क विकसित करने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए करीब 33,660 करोड़ रुपए का वित्तीय प्रावधान किया गया है।

लावारिस कुत्तों के मुद्दे पर रवीना टंडन की अपील

मुंबई। देश के कई राज्यों में इन दिनों लावारिस कुत्तों का मुद्दा लगातार चर्चा में बना हुआ है। इसी बीच पंजाब सरकार की उस प्लान ने बहस को और तेज कर दिया, जिसमें सड़कों पर घूमने वाले कुत्तों को हटाकर शेल्टर में भेजने और खतरनाक माने जाने वाले कुत्तों को दर्दरहित मृत्यु दी जाने की बात कही गई है। इस पूरे मामले पर अब बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। रवीना टंडन ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, "सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले को लेकर पूरे देश में चर्चा हो रही है। लोगों की सुरक्षा बेहद जरूरी है, लेकिन इस फैसले को लागू करते समय दया और संतुलन बनाए रखना भी उतना ही जरूरी है। जानवरों के साथ ऐसा व्यवहार होना चाहिए, जिसमें इंसानियत नजर आए।"

वायु सेना ने मणिपुर में फंसे 132 कैडेट्स को असम पहुंचाया

इंफाल। मणिपुर में मौजूदा हालात को देखते हुए भारतीय वायु सेना (आईएएफ) ने शनिवार को 132 एनसीसी कैडेट्स को असम के गुवाहाटी और जोरहाट पहुंचाया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि युवाओं की सुरक्षा को देखते हुए 132 एनसीसी कैडेट्स, जिन्होंने 11 मई से 20 मई, 2026 तक इम्फाल में एनसीसी नॉर्थ ईस्टर्न रीजन (एनईआर) फ्लाइंग कैंप में हिस्सा लिया था। उन सभी को मणिपुर में मौजूदा सुरक्षा हालात और सड़क पर आवाजाही पर लगी पाबंदियों के बीच गुवाहाटी और जोरहाट के लिए इमरजेंसी में एयरलिफ्ट किया जा रहा है। अधिकारी ने कहा कि यह एयरलिफ्ट एनसीसी एनईआर डायरेक्टरेट ने एनसीसी हेडक्वार्टर के डायरेक्टर जनरल से सलाह-मशविरा करके और ईस्टर्न एयर कमांड के हेडक्वार्टर के साथ तालमेल बैठाकर प्लान किया है।

दिल्ली : पासपोर्ट सेवा केंद्र जैसे होंगे रजिस्ट्रार ऑफिस

बढ़ेगा एआइ का इस्तेमाल, दूर रहेंगे दलाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के रजिस्ट्रार ऑफिस अब पासपोर्ट सेवा केंद्रों जैसे हाईटेक बनेंगे। यहां लंबी लाइनें, फाइलों के ढेर और दलालों के दबदबे खत्म हो जाएंगे। इसके लिए दिल्ली सरकार ऐसा सिस्टम तैयार कर रही है, जहां ऑनलाइन अपॉइंटमेंट से लेकर एआई आधारित फेस ऑथेंटिकेशन और लाइव ट्रैकिंग तक हर कदम डिजिटल निगरानी में होगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा है कि रजिस्ट्री के नाम पर अब तक होने वाली भागदौड़ को खत्म करने, भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने और आम आदमी को सम्मानजनक, तेज और पारदर्शी सेवा देने के लिए ये बदलाव जरूरी हैं।

दिल्ली में अब प्रॉपर्टी रजिस्ट्री सिर्फ सरकारी प्रक्रिया नहीं, बल्कि टेक्नोलॉजी से संचालित एक स्मार्ट सर्विस एक्सपीरियंस बनेगी। सरकार की योजना राजधानी के सभी

रजिस्ट्रार कार्यालयों की कार्य संस्कृति बदलने की है। अभी प्रॉपर्टी रजिस्ट्री से जुड़े कामों में लोगों को घंटों इंतजार, तकनीकी दिक्कतों और बिचौलियों पर निर्भरता जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। कई जगहों पर गलत मूल्यांकन, दस्तावेजों की ट्रैकिंग में मुश्किलें और फर्जी कागजात के मामलों की शिकायतें भी सामने आती रही हैं। सरकार का मानना है कि नई डिजिटल व्यवस्था इन समस्याओं को काफी हद तक खत्म कर सकती है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इसके लिए संबंधित विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विशेष बैठक कर इस पूरे मॉडल पर चर्चा की है।

सुरक्षा-सत्यापन सबकुछ डिजिटल

नई व्यवस्था में सुरक्षा और सत्यापन तंत्र को भी पूरी तरह आधुनिक बनाने की तैयारी है। मुख्यमंत्री के मुताबिक एआई आधारित फेस रिकग्निशन तकनीक के जरिए आवेदकों की पहचान सुनिश्चित की जाएगी। इसके अलावा बैकग्राउंड वेरिफिकेशन, डिजिटल रिकॉर्ड प्रबंधन और ब्लॉकचेन आधारित रिकॉर्ड सुरक्षा जैसे सिस्टम लागू करने की योजना है। इससे संपत्ति दस्तावेजों के साथ छेड़छाड़, फजीर्वाड़ा और विवादों को कम करने में मदद मिलेगी। जियो-फेंसिंग और सुरक्षित डेटा इंटीग्रेशन जैसी तकनीकों का इस्तेमाल भी प्रस्तावित है ताकि रिकॉर्ड पूरी तरह सुरक्षित और ट्रैकेबल बने रहें।

निजी भागीदारों की भी ली जाएगी मदद

सरकार का कहना है कि इन केंद्रों के संचालन में निजी भागीदारों की मदद ली जा सकती है, लेकिन वैधानिक अधिकार और अंतिम निर्णय लेने की शक्तियां पूरी तरह सरकारी अधिकारियों के पास ही रहेंगी। इसके लिए अनुभवी कंपनियों का चयन पारदर्शी प्रक्रिया के जरिए किया जाएगा। नई व्यवस्था का असर सब-रजिस्ट्रार कार्यालयों पर पड़ेगा। भीड़ कम होने से सरकारी कर्मचारी प्रशासनिक और सत्यापन संबंधी कामों पर अधिक ध्यान दे पाएंगे। वहीं आम लोगों को दलालों और बिचौलियों से राहत मिलने की उम्मीद है।

सोशल मीडिया पर छाया 'कॉकरोच जनता पार्टी' ट्रेंड

- मेरठ में नेताओं, अधिवक्ताओं और किसान नेताओं का मिला समर्थन
- सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के बाद शुरू हुई मुहिम

मेरठ। इन दिनों सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) नाम का अनोखा ट्रेंड तेजी से वायरल हो रहा है। युवाओं के बीच शुरू हुआ यह डिजिटल अभियान अब देशभर में चर्चा का विषय बन चुका है। मेरठ में भी इस ट्रेंड को लेकर खासा उत्साह देखने को मिल रहा है, जहां कई राजनेताओं, अधिवक्ताओं और किसान संगठनों से जुड़े लोगों ने इसका समर्थन किया है।

सोशल मीडिया पर लोग खुद को इस प्रतीकात्मक पार्टी का राष्ट्रीय संयोजक, जिलाध्यक्ष और विभिन्न पदों का जिम्मेदार बताते हुए पोस्ट साझा कर रहे हैं। मेरठ में तो कॉकरोच अधिवक्ता जनता पार्टी तक का गठन कर दिया गया है। युवाओं के बीच यह ट्रेंड मौजूदा व्यवस्था और बेरोजगारी को लेकर

बढ़ते असंतोष का प्रतीक माना जा रहा है।

बताया जा रहा है कि इस डिजिटल आंदोलन की शुरूआत सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की बेरोजगारी को लेकर की गई एक टिप्पणी के बाद हुई। इस टिप्पणी से नाराज होकर सोशल मीडिया कंटेंट क्रिएटर अभिजीत दिपके ने कॉकरोच जनता पार्टी नाम से ऑनलाइन अभियान शुरू किया।

देखते ही देखते यह मुहिम सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। इंस्टाग्राम पर सीजेपी से जुड़े पेजों और कंटेंट को लाखों-करोड़ों लोग देखने लगे। दावा किया जा रहा है कि इस अभियान से जुड़े फॉलोअर्स की संख्या कई स्थापित राजनीतिक दलों के सोशल मीडिया आधार से भी अधिक पहुंच गई है।

मेरठ में बने कई सोशल मीडिया पेज

मेरठ में भी इस ट्रेंड के नाम पर कई सोशल मीडिया पेज बनाए गए हैं। युवा खुद को संगठन के पदाधिकारी बताते हुए पोस्ट और वीडियो साझा कर रहे हैं। इसी क्रम में अधिवक्ता राम कुमार शर्मा ने कॉकरोच अधिवक्ता जनता पार्टी नाम से अलग विंग बनाने की घोषणा की है। राम कुमार शर्मा का कहना है कि यह मंच युवाओं, अधिवक्ताओं और आम लोगों की आवाज उठाने का माध्यम बनेगा। उन्होंने बताया कि शुरूआत के कुछ ही घंटों में उनके सोशल मीडिया पोस्ट पर हजारों व्यूज आ चुके हैं।

किसान नेताओं और राजनीतिक चेहरों का समर्थन

कॉकरोच जनता पार्टी ट्रेंड को किसान नेताओं और विपक्षी दलों के कुछ नेताओं का भी समर्थन मिल रहा है। भारतीय किसान संघ के नेता गुरनाम सिंह चढूनी को सीजेपी का राष्ट्रीय संयोजक बनाए जाने वाली पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। वहीं किसान संयुक्त मोर्चा के नेता योगेंद्र यादव ने भी इस ट्रेंड के समर्थन में टिप्पणी करते हुए केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जो सरकार एक चुटकुला भी बर्दाश्त नहीं कर पा रही, वह खुद एक चुटकुला बनकर रह गई है। समाजवादी पार्टी के नेता मुकेश सिद्धार्थ ने भी सोशल मीडिया पोस्ट साझा कर इसे मौजूदा व्यवस्था के खिलाफ युवाओं की जरूरी सामाजिक मुहिम बताया है।

कॉकरोच पार्टी के संस्थापक का इंस्टाग्राम अकाउंट हैक

-दावाः प्रयास करने के बाद भी रिकवरी नहीं हुई

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने दावा किया है कि उनका पर्सनल इंस्टाग्राम अकाउंट हैक कर लिया गया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट साझा कर बताया कि वे अपने निजी अकाउंट को एक्सेस नहीं कर पा रहे हैं। दीपके के मुताबिक, उन्होंने मेटा की रिकवरी प्रक्रिया के जरिए कई बार अपना अकाउंट वापस पाने की कोशिश की, लेकिन हर बार असफल रहे। इसके साथ ही उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पार्टी के बढ़ते प्रभाव के बीच उनके बैकअप इंस्टाग्राम अकाउंट को भी कुछ समय के लिए हटा दिया गया था, जिसे हालांकि बाद में दोबारा शुरू कर दिया गया। गौरतलब है कि कॉकरोच जनता पार्टी का इंस्टाग्राम अकाउंट इन दिनों सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। शुरुआत के महज कुछ ही दिनों के भीतर इस अकाउंट ने करोड़ों की संख्या में फॉलोअर्स हासिल कर लिए हैं। अकाउंट शुरू होने के छठे दिन यानी शनिवार तक इस पर फॉलोअर्स की संख्या 2.17 करोड़ के पार पहुंच चुकी है। इस अकाउंट ने अपनी शुरुआत के चौथे दिन ही फॉलोअर्स के मामले में भाजपा और कांग्रेस जैसी बड़ी राजनीतिक पार्टियों के आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट्स को भी पीछे छोड़ दिया था। हैरानी की बात यह है कि कॉकरोच जनता पार्टी के अकाउंट से अब तक सिर्फ 75 पोस्ट किए गए हैं, फिर भी इसके फॉलोअर्स का आंकड़ा 2 करोड़ के पार है। अभिजीत दीपके के कई वीडियो और उनके द्वारा रिपोस्ट किए गए कंटेंट पर इस समय लाखों की संख्या में व्यूज आ रहे हैं। इस अभूतपूर्व लोकप्रियता के बीच ही अब उनके पर्सनल अकाउंट के हैक होने की बात सामने आई है।

ऋषिकेश में भीषण लिफ्ट हादसा : पांचवीं मंजिल से गिरी लिफ्ट, 22 पत्रकार गंभीर रूप से घायल

ऋषिकेश (एजेंसी)। उत्तराखंड के ऋषिकेश में शुक्रवार रात एक बड़ा और दर्दनाक हादसा हो गया, जहां वीरभद्र रोड स्थित एक निजी होटल में लिफ्ट के पांचवीं मंजिल से अचानक नीचे गिरने से 22 पत्रकार गंभीर रूप से घायल हो गए। इस घटना के बाद होटल में अफरा-तफरी मच गई। सभी घायल पत्रकारों को तत्काल अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश में भर्ती कराया गया है, जहां कई लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, फरीदाबाद से ऋषिकेश घूमने आए पत्रकारों का एक दल इसी होटल में ठहरा हुआ था। शुक्रवार रात खाना खाने के बाद सभी पत्रकार लिफ्ट से भूतल (ग्राउंड फ्लोर) की ओर उतर रहे थे, तभी अचानक लिफ्ट का तार टूट गया और वह सीधे नीचे आ गिरी। इस भयावह दुर्घटना में वरुण कुमार, मनोज सूर्यवंशी, रुपेश कुमार, चेतन सिंह और जय प्रकाश सहित कई पत्रकार घायल हो गए। बताया जा रहा है कि कुछ लोगों को गंभीर चोटें आई हैं, जिनमें से एक पत्रकार के दोनों पैरों में फ्रैक्चर की सूचना है। मौके पर मौजूद अन्य लोगों और घायल पत्रकारों ने होटल प्रबंधन पर लिफ्ट के रखरखाव में घोर लापरवाही का आरोप लगाया है, उनका कहना है कि लिफ्ट की स्थिति संतोषजनक नहीं थी। सूचना मिलते ही पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंचे और घायलों को एंबुलेंस की सहायता से एम्स ऋषिकेश पहुंचाया। एम्स चौकी प्रभारी देवेंद्र पंवार ने बताया कि घटना की जांच शुरू कर दी गई है और होटल प्रबंधन से लिफ्ट के रखरखाव से संबंधित सभी दस्तावेज मांगे गए हैं। फिलहाल किसी भी पक्ष से कोई लिखित शिकायत नहीं मिली है, शिकायत मिलने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस हादसे ने पर्यटन स्थलों पर स्थित होटलों में सुरक्षा व्यवस्था और लिफ्ट के नियमित रखरखाव की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं, जिससे भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सख्त निगरानी की आवश्यकता पर बल मिलता है।

पेयजल संकट ने ली 3 आदिवासी छात्राओं की जान

-कुएं से पानी भरने गई थीं; एक-दूसरे को बचाने में डूब गईं

रायसेन (एजेंसी)। मप्र में भीषण गर्मी और जल संकट अब जानलेवा साबित होने लगा है। एक तरफ रायसेन जिले में पानी भरने गई तीन आदिवासी छात्राओं की कुएं में डूबने से मौत हो गई, तो दूसरी ओर छिंदवाड़ा में उभरती कराटे और ताइक्वांडो खिलाड़ी केशिका चौरे की भी कुएं में गिरने से जान चली गई। रायसेन जिले के गैरतगंज तहसील स्थित सगौर गांव में लंबे समय से पेयजल संकट बना हुआ है। गांव के लोगों को करीब एक किलोमीटर दूर कुएं से पानी लाना पड़ता है। शनिवार सुबह चार छात्राएं पानी भरने के लिए कुएं पर पहुंची थीं। इसी दौरान वे नहाने लगीं और अचानक एक छात्रा का पैर फिसल गया। अपनी सहेली को बचाने के लिए दूसरी और फिर तीसरी छात्रा भी कुएं में कूद गई, लेकिन गहरे पानी में तीनों की डूबने से मौत हो गई।

पानी भरने गईं छात्राएं नहीं लौटीं घर

रायसेन हादसे में मृत छात्राओं की पहचान राधा पिता हलके राम (12), अमृता पिता रामगोपाल (12) और तनु पिता हलके राम (13) के रूप में हुई है। राधा और अमृता पांचवीं कक्षा में पढ़ती थीं, जबकि तनु आठवीं की छात्रा थी। तनु और राधा सगी बहनें थीं। घटना के समय चौथी छात्रा अमीना भी मौके पर मौजूद थी। उसने गांव पहुंचकर परिजनों और ग्रामीणों को हादसे की जानकारी दी। इसके बाद गांववाले बच्चियों को कुएं से निकालकर अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया।

पेड़ से टकराई कार, 3 बारातियों की मौत

श्रीगंगानगर (एजेंसी)। श्रीगंगानगर जिले के रायसिंहनगर थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार स्विफ्ट डिजायर कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। हादसे में 3 युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 2 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को श्रीगंगानगर के सरकारी हॉस्पिटल रेफर किया गया है, जहां उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है। टक्कर इतनी भीषण थी कि गाड़ी के परखच्चे उड़ गए और शव सडक़ और खेत में बिखर गए। प्रारंभिक जांच के अनुसार, युवक नशे में गाड़ी चला रहा था। मोड़ पर कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। हादसा खिचिया गांव के पास दोपहर करीब 1:30 बजे हुआ।

बांग्लादेश डिपोर्ट किए गए कुछ लोगों को भारत वापस लाएगी केंद्र सरकार

स्थिति की जांच कर भारतीय नागरिकता के दावे की पुष्टि करेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि उसने निर्वासित करके बांग्लादेश भेजे गए कुछ लोगों को भारत वापस लाने का फैसला किया है और उसके बाद उनकी भारतीय नागरिकता के दावे की पुष्टि की जाएगी। केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ को बताया कि मामले के विशिष्ट तथ्यों और परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए और इसे अन्य मामलों में अनुकरणीय मिसाल न मानते हुए, सरकार ने उन्हें वापस लाने का फैसला लिया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मेहता ने न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की सदस्यता वाली पीठ से कहा कि सरकार उन्हें वापस लाएगी और उसके बाद उनकी स्थिति की जांच करेगी। परिणाम के आधार पर कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इन व्यक्तियों को भारत वापस लाने में 8-10 दिन लग सकते हैं। पीठ ने मामले की अगली सुनवाई की तारीख जुलाई में तय की है। सुप्रीम कोर्ट केंद्र सरकार की उस याचिका पर सुनवाई कर रहा था जिसमें कलकत्ता हाईकोर्ट के 26 सितंबर, 2025 के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें हाईकोर्ट ने सुनाली खातून और अन्य को बांग्लादेश निर्वासित करने के केंद्र सरकार के फैसले को रद्द कर दिया था और इसे 'अवैध' करार दिया था।

पिछले साल 3 दिसंबर को सुप्रीम कोर्ट ने 'मानवीय आधार' पर सुनाली खातून और उनके आठ साल के बच्चे को बांग्लादेश भेजे जाने के महीनों बाद भारत में प्रवेश की अनुमति दी थी। कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार को बच्चे की देखभाल करने का निर्देश दिया था और बीरभूम जिले के मुख्य चिकित्सा अधिकारी को गर्भवती खातून को मुफ्त प्रसव की सुविधा समेत हर संभव चिकित्सा सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने 24 अप्रैल को केंद्र सरकार को अंतिम अवसर दिया और उसके वकील को इस मामले में निर्देश लेकर कोर्ट को अवगत कराने को कहा।

सुनाली खातून के पिता की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल और संजय हेगड़े ने कहा कि केंद्र सरकार का यह रवैया 'कुछ हद तक अनुचित' है, जिसने इस मामले में कोर्ट को अपने विचार नहीं बताए हैं। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने मेहता की इस दलील पर गौर किया था कि सक्षम प्राधिकारी ने महिला और उसके बच्चे को विशुद्ध मानवीय आधार पर, अधिकारों और आपत्तियों पर बिना किसी पूर्वाग्रह के, देश में प्रवेश की अनुमति देने पर सहमति जताई थी और उन्हें निगरानी में रखा जाएगा।

सुनाली खातून के पिता ने आरोप लगाया कि दिल्ली के रोहिणी क्षेत्र के सेक्टर 26 में दो दशकों से ज्यादा समय से दिहाड़ी मजदूर के रूप में काम कर रहे इन परिवारों को पिछले साल 18 जून को बांग्लादेशी होने के संदेह में पुलिस ने हिरासत में लिया गया और बाद में 27 जून को सीमा पार धकेल दिया। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले की निवासी सुनाली खातून और स्वीटी बीबी को उनके परिवारों समेत 'अवैध प्रवासी करार देकर निर्वासित करके बांग्लादेश भेजने के केंद्र के फैसले को पिछले साल 26 सितंबर को हाईकोर्ट ने रद्द कर दिया था। हाईकोर्ट ने केंद्र को निर्देश दिया था कि निर्वासित किए गए छह नागरिकों को एक महीने के अंदर भारत वापस लाया जाए और आदेश पर अस्थायी रोक लगाने की सरकार की अपील को खारिज कर दिया था।

बीरभूम के उसी इलाके से दायर एक अन्य

याचिका में आमिर खान ने भी इसी तरह का दावा किया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि उसकी बहन स्वीटी बीबी और उसके दो बच्चों को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिया और पड़ोसी देश भेज दिया। इसके बाद इन लोगों को बांग्लादेश पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। हाईकोर्ट ने इस बात पर गौर किया था कि केंद्र ने अपने हलफनामे में कहा है कि दिल्ली स्थित विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय एक नागरिक प्राधिकरण होने के नाते, केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा 2 मई, 2025 को जारी ज्ञापन के निर्देशानुसार बांग्लादेश के अवैध प्रवासियों को वापस भेज रहा है।

संसद सुरक्षा चूक मामले में यूएपीए के तहत 13 हजार पन्नों की चौथी चार्जशीट दाखिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने दिसंबर 2023 के संसद सुरक्षा चूक मामले में बड़ी कार्रवाई कर अदालत में 13 हजार पन्नों की चौथी सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल कर दी है। यह चार्जशीट गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत दाखिल की गई है, जो मामले की गंभीरता को रेखांकित करती है। इस विस्तृत चार्जशीट में आरोपियों पर गंभीर आरोप लगे हैं, जिसमें आतंकी गतिविधियों में शामिल होना, दंगा भड़काने की साजिश रचना और देश की सुरक्षा को खतरे में डालना प्रमुख हैं। पुलिस ने आरोप लगाया है कि आरोपियों ने जानबूझकर संसद की सुरक्षा व्यवस्था में सेंध लगाने की साजिश रची थी, जिसका उद्देश्य देशभर में भय और अशांति का माहौल बनाना था। स्पेशल सेल ने अपनी जांच के दौरान जुटाए गए ठोस सबूतों, डिजिटल डेटा, कॉल रिकॉर्ड्स, सोशल मीडिया चैट और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर चार्जशीट तैयार की है। आरोपियों पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के साथ-साथ यूएपीए की कई गंभीर धाराएं भी लगी हैं, जिसमें सरकारी कामकाज में बाधा डालना, ड्यूटी पर तैनात लोकसेवकों को रोकना, दंगा भड़काने के लिए उकसाना, सबूत मिटाना और आपराधिक साजिश रचना जैसे अपराध शामिल हैं। दिल्ली पुलिस ने साफ किया है कि संसद जैसी संवेदनशील जगह पर हुई यह घटना महज एक प्रदर्शन नहीं थी, बल्कि इसके पीछे एक संगठित साजिश और व्यापक तैयारी के प्रमाण मिले हैं। जांच एजेंसियां अब इस मामले से जुड़े संभावित अन्य नेटवर्क, फंडिंग के स्रोतों और किसी भी विदेशी संपर्क की गहन जांच कर रही हैं। गौरतलब है कि दिसंबर 2023 में संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान, कुछ युवकों ने विजिटर्स गैलरी से लोकसभा सदन के अंदर कूदकर स्मोक कैनिस्टर छोड़े थे, जिससे देश भर में संसद की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए थे। इस घटना के तुरंत बाद दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने मामले की जांच अपने हाथ में ले ली थी।

भारत में भी नेपाल-श्रीलंका जैसी युवा क्रांति आएगी, यह कब आएगी नहीं पता

-सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज मार्कंडेय काटजू ने किया दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) बेहद कम समय में देश के अंदर चर्चा का विषय बन गई। इस बीच अब सोशल मीडिया पर इस बात को लेकर चर्चा शुरू हो गई है कि क्या भारत में नेपाल और श्रीलंका जैसी युवा क्रांति आएगी। इस चर्चा के बीच अब सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज मार्कंडेय काटजू ने दावा किया है कि भारत में भी इंग्लैंड, फ्रांस, रूस और चीन की तरह ही क्रांति जरूर आएगी, हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि इसका नेतृत्व कौन करेगा और यह कब आएगी। ये किसी को भी नहीं पता।

मार्कंडेय काटजू ने कहा कि भारत में जनता की क्रांति जरूर आएगी और आनी ही चाहिए। इंग्लैंड, फ्रांस, रूस और चीन की तरह ही होगी क्रांति। क्रांति के बाद ही विशाल सामाजिक-आर्थिक समस्याओं का समाधान होगा। यह क्रांति कब आएगी? कैसे आएगी? इसकी भविष्यवाणी कोई नहीं कर सकता। क्रांति में कितना समय लगेगा? इसका नेतृत्व कौन करेगा? ये भी कोई नहीं जानता है। ऐतिहासिक स्वरूपों के बारे में कोई भी व्यक्ति हठधर्मी नहीं हो सकता।

बता दें हाल ही में नीट जैसी परीक्षा में हुए पेपर लीक का विवाद सामने आने के बाद छात्रों और युवाओं में काफी गुस्सा है। सोशल मीडिया से लेकर सड़कों तक स्टूडेंट्स और विपक्षी पार्टियां इसके खिलाफ प्रदर्शन कर रही हैं। ऐसे में विपक्ष के बड़े नेता युवाओं से नेपाल, बांग्लादेश और श्रीलंका की तरह सड़कों पर उतरकर आंदोलन करने की मांग कर रहे हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से लेकर समाजवादी पार्टी के चीफ अखिलेश यादव तक जेन जी आंदोलन को लेकर कई बार बयान दे चुके हैं।

बता दें नेपाल में युवाओं के आंदोलन के चलते ही पिछले साल पूर्व पीएम केपी शर्मा ओली की कम्युनिस्ट सरकार गिर गई थी। आंदोलन की शुरुआत तब हुई, जब नेपाल में नेताओं के बच्चों की ऐश करती तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की जाने लगी। युवा इन तस्वीरों को शेयर कर कहने लगे कि एक तरफ नेपाल में इतनी गरीबी है और नेताओं के बच्चे महंगी लाइफस्टाइल जी रहे हैं। इस पर लगाम लगाने के लिए केपी शर्मा ओली ने फेसबुक, ट्वीटर, यूट्यूब, इंस्टाग्राम और वाट्सऐप समेत 26 सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को देश में बैन कर दिया। इसके बाद ही युवा सड़कों पर उतर आए और केपी शर्मा ओली की सरकार गिर गई।

चिलचिलाती गर्मी के बीच मॉनसून ने पकड़ी रफ्तार

बिहार से केरल तक बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के कई हिस्सों में जहाँ भीषण गर्मी और लू का कहर जारी है, वहीं दूसरी ओर मॉनसून की रफ्तार बढ़ने से कई राज्यों में मौसम बदलने वाला है। मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के दक्षिण-पूर्वी अरब सागर, अंडमान सागर और दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी जैसे क्षेत्रों में आगे बढ़ने के लिए अनुकूल परिस्थितियां बन गई हैं। इसकी वजह से देश के कम से कम 15 राज्यों में झमाझम बारिश का अलर्ट जारी किया गया है, जिसमें 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का भी अनुमान है।

मौसम विभाग के मुताबिक, मॉनसून की सक्रियता के कारण केरल, लक्षद्वीप, तमिलनाडु, असम, मेघालय और पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों में भारी बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा बिहार और झारखंड में भी बारिश का अलर्ट है। बिहार में 23 मई को कई स्थानों पर हल्की बारिश हो सकती है, जबकि 24 और 25 मई को दरभंगा,

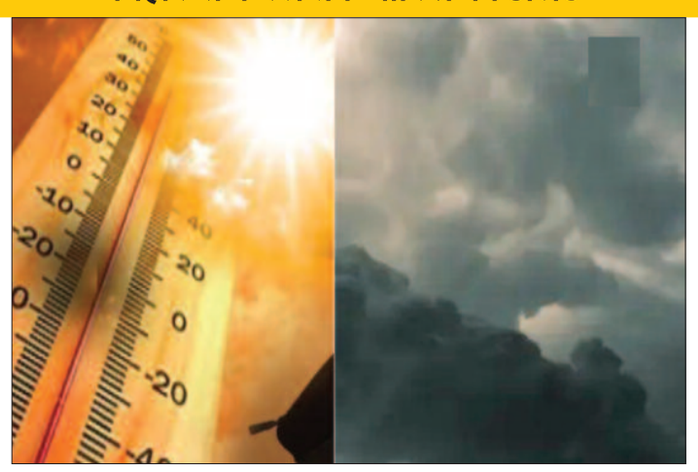

गया, मधुबनी, पूर्णिया और भागलपुर जैसे जिलों में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश का अनुमान लगाया गया है। पहाड़ी इलाकों की बात करें तो उत्तराखंड के हरिद्वार, चमोली, उत्तरकाशी और हिमाचल प्रदेश के शिमला, मनाली व कुल्लू में भी हल्की बारिश की उम्मीद है। दूसरी तरफ, उत्तर और मध्य भारत के मैदानी इलाकों को फिलहाल चिलचिलाती गर्मी से राहत मिलती नहीं दिख रही है। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और मध्य प्रदेश में भीषण हीटवेव (लू) का अलर्ट जारी है। इन राज्यों में शनिवार और रविवार को पारा 46 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की आशंका है। दिल्ली में 25 मई तक के लिए लू की चेतावनी दी गई है, जहां 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गर्म हवाएं चल सकती हैं। उत्तर प्रदेश में 28 मई तक भयंकर लू चलने का अनुमान है। राज्य के कानपुर, इटावा, फतेहपुर, कन्नौज, मिर्जापुर और बांदा जैसे क्षेत्रों में तापमान 46 डिग्री के आसपास बना रहेगा। वहीं ओडिशा में भी गर्मी और उमस का प्रकोप जारी है, जहां इस महीने लू के कारण तीन लोगों की मौत हो चुकी है। ओडिशा के 30 में से 26 जिलों में लू की स्थिति बनी हुई है, जिसके तहत झारसुगुड़ा, संबलपुर और बोलांगीर के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। पंजाब के अमृतसर और पठानकोट में 23 मई को मामूली राहत मिल सकती है, लेकिन लुधियाना, पटियाला और हरियाणा के अधिकांश हिस्सों में गर्म हवाओं का दौर जारी रहेगा।

ईद पर गाजियाबाद प्रशासन सतर्क- भड़काऊ पोस्ट पर होगी सख्त कार्रवाई

गाजियाबाद (एजेंसी)। गाजियाबाद में ईद के त्यौहार से पहले लोकल प्रशासन और पुलिस ने शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए कमर कसी है। सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने, भड़काऊ संदेशों और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली सामग्री के प्रसार को रोकने के लिए विशेष सतर्कता जारी है। पुलिस अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि इसतरह के किसी भी कृत्य में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी। इसी क्रम में जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में पीस कमेटी की बैठकें आयोजित की गईं ताकि समुदाय के सदस्यों को जागरूक कर सके और उनसे सहयोग मांगा जा सके। पुलिस का मानना है कि ईद भाईचारे और सौहार्द का प्रतीक है, लेकिन कुछ असामाजिक तत्व ऑनलाइन माध्यमों का उपयोग करके माहौल बिगाड़ने की कोशिश कर सकते हैं। सहायक पुलिस आयुक्त ने आयोजित बैठक में लोगों से ऐसी किसी भी अपुष्ट या विवादित जानकारी को आगे साझा न करने और तुरंत पुलिस को सूचित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि पुलिस की इन गतिविधियों पर पैनी नजर है।

देश का युवा बेरोजगारी और व्यवस्था से परेशान, ध्यान नहीं दिया तो उठेगा तूफान

कॉकरोच जनता पार्टी को लेकर राकेश टिकैत के बयान से राजनीतिक हलचल तेज

मुजफ्फरनगर (एजेंसी)। मुजफ्फरनगर में इन दिनों कॉकरोच जनता पार्टी को लेकर राजनीतिक गलियारों में खूब चर्चा है। सोशल मीडिया से शुरू हुई यह बहस अब गांव-देहात से लेकर नेताओं के मंचों तक पहुंच गई है। खास बात यह है कि बड़ी संख्या में बेरोजगार युवा और व्यवस्था से नाराज लोग इस पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। इसी मुद्दे पर भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने बड़ा बयान देकर राजनीतिक हलचल और तेज कर दी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राकेश टिकैत ने कहा कि जिस तेजी से कॉकरोच जनता पार्टी चर्चा में आ रही है, उससे साफ है कि देश का युवा बेरोजगारी और व्यवस्था से नाराज और परेशान है। उन्होंने कहा कि इस पार्टी को बनाने वाला व्यक्ति अमेरिका में बैठा है, लेकिन इसके बावजूद लोग बड़ी संख्या में इससे जुड़ रहे हैं। टिकैत ने कहा कि अगर यही रफ्तार रही तो आने वाले दिनों में कई नेता और विधायक भी समर्थन देना शुरू कर सकते हैं। किसान नेता ने कहा कि जनता के अंदर लंबे समय से गुस्सा दबा हुआ है और जैसे ही लोगों को बोलने का मौका मिलता है, वह खुलकर अपनी नाराजगी सामने रखते हैं।

उन्होंने कहा कि युवाओं में रोजगार को लेकर भारी निराशा है और यही वजह है कि वे नए विकल्पों की तरफ आकर्षित हो रहे हैं। टिकैत ने सरकार और नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर किसी से गलती हुई है तो उसे स्वीकार करना चाहिए और लोगों से माफी मांगनी चाहिए। ऐसा करने से युवाओं का गुस्सा कुछ हद तक शांत हो सकता है। उन्होंने बेरोजगारी को सबसे बड़ा मुद्दा बताते हुए कहा कि हालात इतने खराब हैं कि जो युवा पहले बड़ी नौकरियों की तैयारी करते थे, अब वही छोटे पदों की भर्तियों में भी आवेदन करने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि रोजगार नहीं मिलने से युवाओं में हताशा बढ़ रही है और यही नाराजगी अलग-अलग रूपों में सामने आ रही है।

टिकैत ने कहा कि एक तरफ लोगों से पेट्रोल-डीजल की खपत कम करने की बात कही जाती है, दूसरी तरफ पुराने वाहनों से जुड़े कानूनों में राहत नहीं दी जा रही। उन्होंने अस्पतालों, रेल सेवाओं और बढ़ती महंगाई का जिक्र करते हुए कहा कि आम आदमी खुद को दबाव में महसूस कर रहा है। टिकैत ने कहा कि जनता की आवाज को ज्यादा समय तक दबाया नहीं जा सकता। लोगों के अंदर गुस्सा लगातार बढ़ रहा है और यदि रोजगार और मूलभूत समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले समय में यह नाराजगी बड़ा आंदोलन बन सकती है।

सीएम मान बोले- आवारा कुत्तों पर सुप्रीम कोर्ट का आदेश मानेंगे

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने आवारा कुत्तों के मुद्दे पर अपने पुराने रुख को बदलते हुए यूटर्न ले लिया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि आवारा कुत्तों को लेकर सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पंजाब सरकार अक्षरशः पालन करेगी। इससे पहले मुख्यमंत्री ने राज्य में आवारा कुत्तों के सफाई का अभियान शुरू करने की बात कही थी, जिसकी काफी आलोचना हो रही थी। अब सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद सरकार ने अदालती निर्देशों के अनुरूप कदम उठाने का फैसला किया है।

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट के जरिए अपनी सरकार की नीति साफ की। उन्होंने लिखा कि अदालत के निर्देशों के अनुसार, सभी भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक स्थानों से आवारा कुत्तों को हटाया जाएगा ताकि बच्चे, बुजुर्ग और आम परिवार बिना किसी डर के घूम सकें। इसके साथ ही सरकार कुत्तों के लिए पर्याप्त संख्या में आश्रय स्थल (शेल्टर होम) बनाएगी और उनका सही तरीके से रखरखाव करेगी ताकि वहां उनकी उचित देखभाल की जा सके। मुख्यमंत्री ने आक्रामक कुत्तों से निपटने की योजना पर भी बात की। उन्होंने कहा कि जो कुत्ते पागल हैं, लाइलाज बीमारी से ग्रस्त हैं या अत्यधिक आक्रामक और खतरनाक हो चुके हैं और इंसानों के लिए खतरा पैदा कर रहे हैं, उनके मामले में कानून के दायरे में रहते हुए दया-मृत्यु जैसे कड़े कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह पूरी कार्रवाई पशु क्रूरता निवारण अधिनियम और एबीसी (पशु जन्म नियंत्रण) नियमों के प्रावधानों के तहत ही की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक फैसले में मानव जीवन के खतरे को कम करने के लिए पागल, लाइलाज बीमार और आक्रामक कुत्तों को दया-मृत्यु देने की अनुमति दी है। शीर्ष अदालत ने अपनी व्यवस्था में साफ कहा कि जब इंसानों की सुरक्षा और जान की तुलना जानवरों के कल्याण से की जाती है, तो संवैधानिक संतुलन निश्चित रूप से मानव जीवन के संरक्षण और सुरक्षा के पक्ष में ही झुकेगा। जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एनवी अंजारिया की पीठ ने इस संबंध में पूर्व में दिए गए आदेश को वापस लेने या बदलने के अनुरोध वाली सभी याचिकाओं को भी खारिज कर दिया।

सिलीगुड़ी कॉरिडोर बना अभेद्य किला, चीन-पाकिस्तान की बढ़ी चिंता

-पूरे गलियारे को अत्याधुनिक सुरक्षा ढांचे से लैस करने में जुटी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत अपने रणनीतिक रूप से अत्यंत संवेदनशील सिलीगुड़ी कॉरिडोर को अभेद्य सैन्य गढ़ में बदलने की दिशा में तेजी से काम कर रहा है। चिकन नेक के नाम से पहचाने जाने वाले संकरे इलाके में व्यापक निर्माण और सैन्य विस्तार से भारत की सुरक्षा क्षमता में अभूतपूर्व वृद्धि होने का अनुमान है, जिसने चीन और पाकिस्तान की चिंताएं बढ़ा दी हैं। भारत सरकार और रक्षा प्रतिष्ठान पूरे गलियारे को अत्याधुनिक सुरक्षा ढांचे से लैस करने में जुटे हैं। हाल ही में, पश्चिम बंगाल सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा के मद्देनजर सिलीगुड़ी कॉरिडोर के पास करीब 120 एकड़ जमीन केंद्र सरकार को सौंपने की मंजूरी दी है, जिसके बाद रणनीतिक क्षेत्र में बुनियादी ढांचे और सैन्य सुविधाओं के विकास का कार्य तेज गति से शुरू हो गया है। माना जा रहा है कि आने वाले समय में यह इलाका भारत की पूर्वोत्तर सुरक्षा का सबसे मजबूत केंद्र बन जाएगा।

सिलीगुड़ी कॉरिडोर, पश्चिम बंगाल में स्थित करीब 20 से 22 किलोमीटर चौड़ी एक महत्त्वपूर्ण पट्टी है, जो मुख्य भारत को पूर्वोत्तर के आठ राज्यों असम, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड और त्रिपुरा से जोड़ती है। भौगोलिक रूप से, इसके एक ओर नेपाल, दूसरी ओर बांग्लादेश और उत्तर में भूटान के पास चीन की सामरिक चुम्बी घाटी स्थित है, जो युद्ध या तनाव की स्थिति में बेहद संवेदनशील बनाती है। अब इस गलियारे को एक मजबूत सैन्य ढांचे में बदलने के लिए कई बड़े कदम उठाए जा रहे हैं। केंद्र सरकार ने यहां के सात प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्गों का नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया है, जिससे सेना की तेज आवाजाही और भारी हथियारों की तैनाती काफी आसान हुई है। इसके अतिरिक्त, अंडरग्राउंड रेलवे नेटवर्क और सुरंगों के निर्माण की योजना पर भी काम चल रहा है, ताकि युद्ध जैसी परिस्थितियों में भी रसद आपूर्ति निर्बाध रूप से जारी रह सके। भारतीय सेना ने इलाके की सुरक्षा और मजबूत करने के उद्देश्य से असम के ढूबरी, बिहार के किशनगंज और पश्चिम बंगाल के चोपड़ा में नए सैन्य ठिकाने तैयार किए हैं। इसके साथ ही, अत्याधुनिक राफेल लड़ाकू विमानों, ब्रह्मोस मिसाइल रेजिमेंट और शक्तिशाली त्रिशक्ति कोर की उपस्थिति ने इस क्षेत्र की सामरिक ताकत को कई गुना बढ़ा दिया है। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि इन सुनियोजित कदमों से चीन और पाकिस्तान की संभावित रणनीतियों को बड़ा झटका लगा है और पूर्वोत्तर भारत की सुरक्षा पहले की तुलना में कहीं अधिक अभेद्य व मजबूत हो गई है, जिससे भारत की क्षेत्रीय शक्ति और प्रभुत्व स्थापित हो रहा है।

2027 की विजय सुनिश्चित करने हेतु भाजपा के महानगर प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ, कार्यकताओं ने लिया विजय संकल्प

गाजियाबाद (शिखर समाचार)
भारतीय जनता पार्टी महानगर गाजियाबाद द्वारा पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026 के अंतर्गत आयोजित जिला प्रशिक्षण वर्ग का शनिवार को आईटीएस कॉलेज में विधिवत शुभारंभ हुआ। प्रशिक्षण वर्ग में उपस्थित कार्यकताओं ने वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक विजय सुनिश्चित करने का संकल्प लिया। प्रशिक्षण वर्ग के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में मुख्तार अब्बास नकवी उपस्थित रहे। उन्होंने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का संकल्प लेकर चलने वाला वैचारिक संगठन है, जिसकी शक्ति उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं। प्रशिक्षण वर्ग के

चौथे सत्र में पंकज चौधरी तथा सत्येंद्र सिसोदिया उपस्थित रहे। इस दौरान पंकज चौधरी ने अंत्योदय से संतृप्ति विषय पर विस्तृत मार्गदर्शन देते हुए कहा कि प्रशिक्षण अभियान संगठन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारतीय जनता पार्टी की आत्मा उसकी वैचारिक प्रतिबद्धता तथा कार्यकर्ता निर्माण की साधना में निहित है। उन्होंने कहा कि पार्टी का उद्देश्य केवल राजनीतिक सत्ता प्राप्त करना नहीं, बल्कि सेवा को माध्यम बनाकर राष्ट्रहित में कार्य करना है। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण आधुनिक तकनीक, संगठनात्मक कार्यशैली तथा अंत्योदय के सिद्धांत को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की क्षमता विकसित करता है। संगठन और राष्ट्रसेवा के कार्यों को अधिक प्रभावी, सशक्त एवं व्यापक स्वरूप प्रदान करना ही इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी व्यक्ति आधारित नहीं, बल्कि नीति एवं सिद्धांत आधारित राजनीति में विश्वास करती है। जनसंघ के समय से ही पार्टी ने राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए अपनी विचारधारा और नीतियों में निरंतर एकरूपता बनाए रखी है। वर्तमान समय में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा राजनीति को सेवा और सुशासन के माध्यम के रूप में स्थापित करने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में सेवा कार्य, स्वच्छ भारत अभियान, स्वस्थ भारत अभियान, नारी सम्मान एवं महिला सशक्तिकरण की दिशा में किए गए प्रयास अंत्योदय के सिद्धांत को साकार करने वाले उदाहरण हैं। भाजपा बिना किसी भेदभाव के समाज के अंतिम पायदान पर खड़े प्रत्येक व्यक्ति के उत्थान और कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है।
प्रशिक्षण वर्ग के प्रभारी श्रीचंद शर्मा ने बताया कि इस प्रशिक्षण वर्ग में 11 सत्रों के माध्यम से कार्यकताओं को संगठनात्मक कार्यप्रणाली, बूथ सशक्तिकरण, वैचारिक स्पष्टता, राष्ट्रवाद, डिजिटल कार्यप्रणाली, जनसंपर्क एवं कार्यकर्ता विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षित किया जाएगा। इस अवसर पर सुनील शर्मा, अतुल गर्ग, अजीत पाल त्यागी, संजीव शर्मा, दिनेश गोयल, कार्यक्रम संयोजक एस.पी. सिंह, पूर्व राज्यसभा सांसद अनिल अग्रवाल, पृथ्वी सिंह कसाना, मानसिंह गोस्वामी, महेश अग्रवाल, विजय गोयल, अजय शर्मा, अशोक मोगा, अमरदत्त शर्मा, रूप चौधरी, वीरेश्वर त्यागी, संजीव सिंघल, सुशील गौतम एवं अशोक नागर विशेष रूप से उपस्थित रहे।

पर्यावरण और ईंधन संरक्षण के लिए जनपद न्यायाधीश की अनोखी पहल, पैदल पहुंचे कार्यालय

बिजनौर (शिखर समाचार)। पर्यावरण संरक्षण और ईंधन बचत को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जनपद न्यायाधीश संजय कुमार सप्तम ने शनिवार को एक प्रेरणादायक पहल करते हुए अपने आवास से पैदल चलकर न्यायालय कार्यालय पहुंचकर समाज को सकारात्मक संदेश दिया। प्रधानमंत्री के आह्वान से प्रेरित होकर उन्होंने यह कदम उठाया और लोगों से भी पर्यावरण संरक्षण में भागीदारी निभाने की अपील की।
जनपद न्यायाधीश संजय कुमार सप्तम ने बताया कि वे नियमित रूप से पैदल कार्यालय आते हैं। उनका कहना है कि छोटी-छोटी दैनिक आदतों में बदलाव कर ईंधन की बचत की जा सकती है तथा प्रदूषण को कम करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है। उन्होंने लोगों से स्वच्छ और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया।
जनपद न्यायाधीश की इस पहल से

प्रेरित होकर अन्य न्यायिक अधिकारी भी शनिवार को साइकिल से न्यायालय पहुंचे। इस अभियान का उद्देश्य न्यायालय परिसर में ईंधन की अनावश्यक खपत को रोकना और समाज में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना रहा।
इस अवसर पर न्यायालय के कर्मचारियों को भी पर्यावरण और राष्ट्रहित में योगदान देने के लिए प्रेरित किया गया। उन्हें अधिक से अधिक पैदल चलने, साइकिल का उपयोग करने और सार्वजनिक परिवहन अपनाने की सलाह दी गई, ताकि प्रदूषण कम हो और ईंधन की बचत सुनिश्चित की जा सके।

इलेक्ट्रॉनिक व्हीकल को बढ़ावा दे रहा गाजियाबाद नगर निगम, ई-विकल पार्किंग के साथ 50 नए इलेक्ट्रॉनिक व्हीकल से होगा कूड़ा कलेक्शन

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। पेट्रोल और डीजल की खपत को बचाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों से इलेक्ट्रॉनिक व्हीकल और शेयरिंग करने का आग्रह किया था। प्रधानमंत्री की अपील के बाद गाजियाबाद नगर निगम ने भी इलेक्ट्रॉनिक व्हीकल का ज्यादा से ज्यादा प्रयोग करना शुरू कर दिया है। कूड़ा कलेक्शन के लिए नगर निगम ई-रिक्शा का प्रयोग कर रहा है। वहीं अब नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के आदेश पर नए 50 इलेक्ट्रॉनिक व्हीकल डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन के कार्य में प्रयोग किए जाएंगे। इलेक्ट्रॉनिक चार्जिंग स्टेशन का नगर आयुक्त ने जायजा लिया और उनके साथ अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर मिथिलेश, जे एस एनवायरो सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि पर्यावरण हित में लगातार

गाजियाबाद नगर निगम बेहतर कदम उठा रहा है। प्रदूषण को कम करने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहे हैं। डीजल और पेट्रोल की खपत पर लगाम लगाने के लिए ई-रिक्शा भी निगम द्वारा चलाई जा रही है। इलेक्ट्रिक व्हीकल को अधिक बढ़ावा देते हुए डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन के लिए जोड़ा गया है। प्रथम चरण में कूड़ा कलेक्शन के लिए 50 इलेक्ट्रिक व्हीकल का इस्तेमाल किया जा रहा है। आगे संख्या बढ़ाने के लिए भी योजना बनाई जा रही है। नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश ने बताया कि विजयनगर में स्थापित इलेक्ट्रिक व्हीकल पार्किंग में एक बारी में 20 कूड़ा कलेक्शन वाहन चार्ज किए जाते है। लगभग डेढ़ सौ किलोमीटर का एरिया कूड़ा कलेक्शन में कवर किया जा रहा है प्रदूषण को कम करने के लिए गाजियाबाद नगर निगम इलेक्ट्रिक व्हीकल की बढ़ावा दे रहा है। गाजियाबाद नगर निगम शहर की स्वच्छता और सुंदरता को बनाए रखने के लिए शहर हित में कार्य कर रहा है।

ब्रह्मज्ञान से ही होगी रामराज्य की परिकल्पना साकार : डॉ. सर्वेश्वर

हापुड़ (शिखर समाचार)। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा अर्जुन नगर के सामने वाले ग्राउंड, स्वर्ग आश्रम रोड, हापुड़ में आयोजित श्री राम कथा ज्ञान यज्ञ के अंतिम दिवस पर कथा पंडाल में दीपावली पर्व अत्यंत हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने भक्ति गीतों पर नृत्य कर आनंद उत्सव मनाया।
गुरुदेव आशुतोष महाराज के शिष्य कथाव्यास डॉ. सर्वेश्वर ने रावण वध प्रसंग का वर्णन करते हुए कहा कि जब रावण ने विभीषण को भरी सभा में अपमानित कर लात मारी, तब विभीषण श्रीराम की शरण में पहुंच गए। उन्होंने कहा कि राजनीति भले ही शत्रु के भाई पर विश्वास न करने की सीख देती हो, लेकिन भगवान श्रीराम ने करुणा, प्रेम और निष्काम भाव का परिचय देते हुए विभीषण को न केवल अपनाया, बल्कि युद्ध से पहले ही उन्हें लंका का राजा घोषित कर दिया।
उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम ने केवल विभीषण ही नहीं, बल्कि उस

छोटी गिलहरी के भावों को भी स्वीकार किया, जो समुद्र पर सेतु निर्माण में रेत डालकर अपनी सेवा दे रही थी। यह प्रसंग प्रेम, सौहार्द, भाईचारे और सद्भावना की अद्भुत मिसाल प्रस्तुत करता है, जो रामराज्य की नींव हैं। डॉ. सर्वेश्वर ने कहा कि रामभक्त होने के नाते प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है कि वह प्राणीमात्र से निस्वार्थ प्रेम करना सीखे और निजी स्वार्थों से ऊपर उठकर ह्यमैह्ल से ह्यहमह्ल तक का सफर तय करे। उन्होंने कहा कि सच्चा भक्त दूसरों के दुख को देखकर अपने छोटे-छोटे स्वार्थों का त्याग करने में देर नहीं लगाता। उसके लिए सबसे श्रेष्ठ आसन आश्वासन, सबसे उत्तम योग सहयोग और सबसे लंबी श्वास विश्वास है, जो वह पीड़ित और निराश लोगों को प्रदान करता है।
उन्होंने कहा कि यदि रामराज्य की स्थापना करनी है तो प्रत्येक व्यक्ति को अपने भीतर दया, प्रेम, त्याग और करुणा जैसे गुण विकसित करने होंगे। यह तभी संभव है जब ब्रह्मज्ञान के माध्यम से व्यक्ति अपने भीतर भगवान का साक्षात्कार करे। जब मनुष्य अपने अंतर्मन में ईश्वर को अनुभव करता है तो वह मन और बुद्धि के सभी भेदभावों से ऊपर उठकर समाज निर्माण में सकारात्मक भूमिका निभाता है।
उन्होंने कहा कि अंतर्मन में ब्रह्मज्ञान का दीप जलते ही ईर्ष्या, द्वेष और स्वार्थ का अंधकार स्वतः समाप्त होने लगता है और पूरी सृष्टि प्रेम व आनंद के दीपोत्सव में बदल जाती है।
कार्यक्रम में संस्थान की ओर से स्वामी गोपालानंद, साध्वी श्वेता भारती, साध्वी वसुधा भारती, दीपक अग्रवाल, नीरू अग्रवाल, सुधांशु महेश्वरी, प्रीति महेश्वरी, अरुण अग्रवाल, रचना अग्रवाल, अशोक छारिया और साधना छारिया सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।
संस्थान की ओर से बताया गया कि गुरुदेव आशुतोष महाराज समाज में ब्रह्मज्ञान के माध्यम से शांति, प्रेम, एकता और सद्भावना का संदेश दे रहे हैं। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान समाज के प्रत्येक वर्ग से ब्रह्मज्ञान को अपनाने का आह्वान कर रहा है, ताकि धरती पर पुनः रामराज्य की स्थापना हो सके, जहां हर दिन और हर पल आनंद का उत्सव हो। कार्यक्रम का समापन प्रभु की आरती और प्रसाद वितरण के साथ हुआ।

अवैध कॉलोनियों पर होगी सख्त कार्रवाई, विकास कार्यों को मिलेगी गति

मोदीनगर (शिखर समाचार)। तहसील मुख्यालय स्थित उप जिलाधिकारी कार्यालय में शनिवार को क्षेत्रीय विधायक, पालिका अध्यक्ष और नगर पालिका अधिकारियों के बीच जनहित एवं विकास कार्यों को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं और विकास योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की स्वीकृति के बिना विकसित की जा रही अवैध कॉलोनियों के खिलाफ प्रभावी और सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही नगर क्षेत्र की कॉलोनियों में सड़क, नाली, पार्क समेत सभी मूलभूत सुविधाओं को और बेहतर तरीके से उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया। बैठक में एलएमसी और तालाब की सरकारी भूमि को सरकारी अभिलेखों के अनुसार सुरक्षित कर पुनः शासन के अधीन लेने का भी निर्णय लिया गया। इसके अलावा क्षेत्र के प्रसिद्ध एवं पौराणिक सीकरी महामाया देवी मंदिर की साफ-सफाई और देखरेख व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाए जाने पर सहमति बनी। नगर पालिका परिषद के माध्यम से पार्कों के सौंदर्यीकरण और उनके नियमित रखरखाव को भी प्राथमिकता देने की बात कही गई। अधिकारियों ने कहा कि नगर क्षेत्र में विकास कार्यों को योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जाएगा ताकि लोगों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। बैठक में विधायक डॉ. मंजू सिवाच, उप जिलाधिकारी अजीत कुमार सिंह, पालिका अध्यक्ष विनोद वैशाली, राजस्व निरीक्षक अंकित चौधरी, अंकित गोयल सहित अन्य अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

ऑपरेशन प्रहार: अवैध मादक पदार्थ के साथ नंदग्राम पुलिस ने 1 अभियुक्ता को किया गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। अवैध मादक पदार्थ की तस्करी और बिक्री पर रोक लगाने के लिए गाजियाबाद में पुलिस ने ऑपरेशन प्रहार चलाया हुआ है। इस अभियान के तहत पुलिस लगातार मादक पदार्थ की तस्करी और बिक्री करने वालों को गिरफ्तार कर रही है। थाना नंदग्राम पुलिस ने चेकिंग के दौरान महिला अभियुक्ता गीता को गिरफ्तार किया। पुलिस ने इसकी निशानदेही पर 900 ग्राम अवैध गांजा, 172 ग्राम समैक और लगभग 6 लाख रुपए नगद बरामद किए। संवाददाता सम्मेलन में डीसीपी धवल जायसवाल ने बताया कि पुलिस आयुक्त के आदेश पर गाजियाबाद के प्रत्येक जोन में ऑपरेशन प्रहार चलाया जा रहा है। ऑपरेशन प्रहार

के तहत पुलिस लगातार कार्यवाही करते हुए अवैध मादक पदार्थ की तस्करी और बिक्री करने वालों को गिरफ्तार करते हुए कानूनी कार्यवाही कर रही है। चेकिंग के दौरान नंदग्राम पुलिस ने महिला अभियुक्ता गीता को गिरफ्तार किया है। गीता थाना नंदग्राम क्षेत्र में घूमते फिरते राहगिरों को मादक पदार्थ बेचने का काम किया करती है। इस महिला का अन्य अपराधी इतिहास खंगाला जा रहा है।

टप्पेबाजी कर सोना चोरी करने वाले गैंग का विजयनगर पुलिस ने किया खुलासा, 6 अभियुक्त गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। स्वॉट टीम नगर जोन और थाना विजयनगर पुलिस ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए टप्पेबाजी करके सोना चोरी करने वाले गैंग का खुलासा कर दिया है। पुलिस ने इस संबंध में गैंग के 6 अभियुक्त अभिषेक, पुष्पेंद्र, विशाल, अमन, यश और राहुल को गिरफ्तार किया। पुलिस ने इनके पास से सोने के आभूषण और 5 मोबाइल बरामद किए। संवाददाता सम्मेलन में डीसीपी धवल जायसवाल ने बताया कि सिद्धार्थ विहार क्षेत्र में विनित गुप्ता के साथ टप्पेबाजी की गई थी। टप्पेबाजी करते हुए उनके द्वारा लाये गए आभूषण अभियुक्तों ने चोरी कर दिए गए थे। घटना का खुलासा करने के लिए टीमों का गठन किया गया था। पुलिस ने हिंडन बैरज के रास्ते पर चेकिंग के दौरान इन लोगों को गिरफ्तार किया। इनके पास से लगभग 18 लख रुपए के सोने के आभूषण बरामद किए गए है। पुलिस इनका अपराधिक इतिहास पता कर रही है। पुलिस पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि यह उनकी पहली वारदात थी, जिसके लिए उन्होंने एक अज्ञात एड्रेस पर टाटा प्रोडक्ट लिमिटेड से सोना मंगाया था। जैसे ही सोना उनके पास आया तो उन्होंने व्यक्ति को अपनी बातों में लगाकर सोना चोरी कर लिया था और मौके से फरार हो गए थे।

जनगणना को लेकर हुए मामूली विवाद में चली गोली, व्यक्ति घायल

मुरादनगर (शिखर समाचार)। जलालपुर रोड स्थित आदर्श कॉलोनी में शनिवार सुबह जनगणना को लेकर हुए मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। पड़ोसी द्वारा गोली चलाने की घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। गोली लगने से एक व्यक्ति घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार आदर्श कॉलोनी निवासी वीरेंद्र त्यागी (55) को उनके पड़ोसी रामपाल चौधरी ने गोली मार दी। बताया गया है कि शनिवार सुबह जनगणना टीम कॉलोनी में लोगों का विवरण एकत्र करने पहुंची थी। इसी दौरान वीरेंद्र त्यागी ने जनगणना कर्मियों को पड़ोसी का पता बता दिया। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि रामपाल चौधरी ने गुस्से में आकर वीरेंद्र त्यागी पर गोली चला दी। गोली चलने की आवाज सुनते ही आसपास के लोग मौके पर एकत्र हो गए और पुलिस को सूचना दी गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायल को तत्काल निजी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। चिकित्सकों के अनुसार घायल की स्थिति फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी रामपाल चौधरी को हिरासत में ले लिया। एसीपी ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने जनगणना कर्मियों को घर तक लाने की बात को लेकर नाराजगी जताई है। पुलिस द्वारा मामले की गहन जांच की जा रही है तथा घटना में प्रयुक्त हथियार को भी कब्जे में लेने की कार्रवाई की जा रही है। दिनदहाड़े हुई फायरिंग की घटना से कॉलोनी के लोगों में दहशत का माहौल है। पुलिस क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सतर्कता बरत रही है।

गोली लगने से घायल वीरेंद्र त्यागी

प्रसव के बाद महिला की मौत, अस्पताल पर लापरवाही का आरोप

मुरादनगर (शिखर समाचार)। न्यू डिफेंस कॉलोनी निवासी एक महिला की प्रसव के बाद हालत बिगड़ने पर मौत हो गई। परिजनों ने निजी अस्पताल पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा किया और पुलिस से कार्रवाई की मांग की। रामरतन ने बताया कि शुक्रवार देर रात प्रसव पीड़ा होने पर पत्नी उषा (27) को दिल्ली-मेरठ मार्ग स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। शनिवार सुबह सामान्य प्रसव के दौरान महिला ने पुत्र को जन्म दिया, लेकिन इसके कुछ देर बाद ही उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। अस्पताल प्रशासन ने अधिक रक्तस्राव होने की बात कहते हुए महिला को गाजियाबाद रेफर कर दिया। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल में समय पर उचित उपचार नहीं दिया गया। उनका कहना है कि महिला की हालत लगातार बिगड़ती रही और उन्हें कई अस्पतालों के चक्कर लगाने पड़े। बाद में एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान उषा की मौत हो गई। महिला की मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में आक्रोश फैल गया। गुस्साए परिजनों ने अस्पताल पहुंचकर हंगामा किया और चिकित्सकों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाकर मामला शांत कराया। अस्पताल संचालक पवन शर्मा ने लापरवाही के आरोपों को निराधार बताया। उनका कहना है कि महिला की गंभीर स्थिति को देखते हुए समय रहते उसे उच्च चिकित्सा केंद्र के लिए रेफर कर दिया गया था। एसीपी भास्कर वर्मा ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

उषा का फाइल फोटो

स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम में बच्चों को दिए स्वच्छता और संतुलित आहार के टिप्स

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। श्री बांके बिहारी सेवा संस्थान के तत्वावधान में बापूधाम स्थित गीतांजली प्ले स्कूल में बच्चों के लिए स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बच्चों को स्वच्छता, संतुलित आहार और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को फास्ट फूड के अधिक सेवन से होने वाली बीमारियों और उसके दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही दांतों की नियमित सफाई, भोजन से पहले और बाद में हाथों को स्वच्छ रखने तथा पौष्टिक भोजन अपनाने के महत्व पर विस्तार से बताया गया। बच्चों को दैनिक जीवन में अच्छी आदतें अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। संस्थान की संस्थापक गीता गर्ग ने कहा कि स्वस्थ शरीर और स्वच्छ आदतें ही बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव हैं। उन्होंने कहा कि बचपन से ही बच्चों में अच्छी आदतों का विकास करना आवश्यक है, ताकि वे शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रह सकें। विद्यालय की प्रबंधक विभा मलिक ने संस्था का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम में अध्यापिका राखी, तरुणा और दीपशिखा का विशेष सहयोग रहा।

मोदी मंदिर परिसर में महिलाओं से छेड़छाड़, महिलाओं ने युवक को पकड़कर पुलिस को सौंपा

मोदीनगर (शिखर समाचार)। नगर के प्रसिद्ध श्री लक्ष्मी नारायण मोदी मंदिर परिसर में मॉर्निंग वॉक के दौरान महिलाओं के साथ छेड़छाड़ करने वाले एक युवक को महिलाओं ने पकड़ लिया और उसकी जमकर धुनाई करने के बाद पुलिस के हवाले कर दिया। घटना को लेकर क्षेत्र में काफी चर्चा रही। बताया गया है कि मोदी मंदिर का परिसर काफी बड़ा है, जहां प्रतिदिन सुबह लोग पूजा-अर्चना के साथ मॉर्निंग वॉक के लिए भी पहुंचते हैं। शनिवार सुबह कुछ महिलाएं मंदिर परिसर में टहल रही थीं। इसी दौरान एक युवक वहां पहुंचा और महिलाओं के साथ अभद्रता व अश्लील हरकतें करने लगा। महिलाओं ने पहले युवक को समझाने का प्रयास किया, लेकिन उसके नहीं मानने पर महिलाओं का गुस्सा भड़क गया। महिलाओं ने युवक को पकड़कर उसकी जमकर पिटाई कर दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को हिरासत में लेकर कोतवाली ले गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है। हालांकि शिखर समाचार वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। इस संबंध में भास्कर वर्मा ने बताया कि पकड़े गए युवक से पूछताछ की जा रही है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

नाबालिग किशोरी की शादी रुकवाई, मेडिकल जांच शुरू

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना पिलखुवा क्षेत्र के मोहल्ला सद्दीकपुरा में नाबालिग किशोरी का विवाह कराए जाने की सूचना पर जिला प्रशासन, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, पुलिस विभाग और संबंधित अधिकारियों की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर शादी रुकवा दी। मामले में जांच शुरू कर दी गई है। किशोरी को फिलहाल वन स्टॉप सेंटर में रखा गया है।

आवश्यकता है
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि चौधरी महेन्द्र सिंह गर्ल्स कालेज लांक शामली में BBA, BCA, BSc, Bio / Math कॉर्स हेतु अनुभवी प्रवक्ताओं की आवश्यकता है, योग्यता UGC NET/PHD वेतन UGC के नियमानुसार। अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें।
मोबाइल नंबर 7248489696

संक्षिप्त समाचार

मेडिकल कॉलेज में देर रात हंगामा, गेट पर धरने पर बैठे छात्र, बोले- सिर्फ चार घंटे मिल रही बिजली

कानपुर, एजेंसी। कानपुर देहात के मेडिकल कॉलेज कुंभी में लगातार हो रही बिजली कटौती को लेकर गुरुवार देर रात छात्र-छात्राओं का गुस्सा फूट पड़ा। रात करीब 12 बजे छात्र हॉस्टल से बाहर निकल आए और कॉलेज गेट पर जमकर हंगामा किया। छात्रों ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कहा कि 24 घंटे में मुश्किल से चार से पांच घंटे ही बिजली मिल पा रही है।

इससे पढ़ाई, परीक्षा की तैयारी और दैनिक कार्य बुरी तरह

प्रभावित हो रहे हैं। छात्रों का आरोप है कि पिछले कई दिनों से मेडिकल कॉलेज और छात्रावासों में बिजली व्यवस्था चरमराई हुई है। रात में लंबे समय तक बिजली गायब रहने से भीषण गर्मी में छात्र परेशान हैं। एमबीबीएस छात्रों ने बताया कि परीक्षा नजदीक है, लेकिन लगातार कटौती के कारण पढ़ाई नहीं हो पा रही।

पुलिस ने छात्रों को समझाने का प्रयास किया- मोबाइल चार्जिंग, इंटरनेट और पानी की समस्या भी बढ़ गई है। हंगामे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और छात्रों को समझाने का प्रयास किया। इस दौरान छात्रों ने कहा कि कई बार कॉलेज प्रशासन को समस्या बताई गई, लेकिन स्थिति जस की तस बनी हुई है। छात्रों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द स्थायी समाधान नहीं हुआ, तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

आधी रात को चोरों का तांडव, घर में घुसकर लाखों का सामान किया पार, छत के रास्ते भागे शातिर

कानपुर, एजेंसी। औरैया जिले में कुदरकोट थाना क्षेत्र के गांव चन्हैया गंगाराम निवासी रामोतार सिंह के घर में अज्ञात चोरों ने रात के समय चोरी की घटना को अंजाम दे दिया। घर के बाहर बरामदे में लेटी सरिता देवी ने रात करीब दो बजे घर के अंदर खटपट की आवाज सुनी। शक

होने पर जब उन्होंने उठकर देखा, तो घर का सामान अस्त-व्यस्त पड़ा मिला। घटना देख सरिता देवी ने शोर मचाना शुरू कर दिया, जिस पर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। घर के अंदर के गेट बंद मिले। किसी तरह गेट खोलकर अंदर देखा गया तो छत पर सामान बिखरा पड़ा था। घटना के बाद परिवार में दहशत का माहौल है। सूचना मिलने पर पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है।

ढाबे पर परोसा जा रहा बासी खाना और झूठी नमकीन, इसलिए महिला परिचालक को पीटा

आगरा, एजेंसी। दिल्ली और बाह के बीच चलने वाली भदावर डिपो की रोडवेज बसों के अनुबंधित ढाबों पर रुकने पर चालक परिचालक को बासी खाना दिए जाने और झूठी नमकीन दिए जाने के विरोध पर हाथापाई किए जाने का मामला सामने आया है। हाथापाई के बाद घायल हुई परिचालक रीता का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें परिचालक अपने हाथ से बहते खून को दिखा रही है। बस के यात्री खाने को लेकर विवाद और हाथापाई की बातें कहते हुए सुने जा रहे हैं। बाह के एआरएम को संबोधित ज्ञापन चालक परिचालकों ने वरिष्ठ लेखाप्रबंधक मोहम्मद आरिफ को सौंपते हुए बाह दिल्ली रूट पर आए दिन अनुबंधित ढाबों पर बासी खाना दिए जाने एवं झूठी नमकीन दिए जाने के विरोध पर स्टाफ द्वारा हाथापाई और मारपीट की घटनाएं की जा रही हैं।

एमजी रोड पर रहेगा डायवर्जन

आगरा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (यूपीएमआरसी) ने दूसरे कॉरिडोर में हरीपर्वत और रावली पर पुल बनाने की डिजाइन तैयार कर ली है। इसे स्टील गर्डर से बनाया जाएगा। इससे ट्रैक बनाने का कार्य तेज होगा और मेट्रो का कार्य दिसंबर तक पूरा हो जाएगा, साथ ही यातायात की सुविधा भी बेहतर हो जाएगी। यूपीएमआरसी के उप महाप्रबंधक पंचानन मिश्रा ने बताया कि दूसरा कॉरिडोर आगरा कैंट से कालिंदी विहार तक बन रहा है। इसकी दूरी 16 किमी है और 14 स्टेशन हैं। इसमें रावली और हरीपर्वत चौराहे के पास से रेलवे लाइन गुजर रही है।

ट्रकों का चक्का जाम

उद्योगों को होगा 340 करोड़ का घाटा

मेरठ, एजेंसी। ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस के आह्वान पर दिल्ली-एनसीआर मेरठ में बृहस्पतिवार को तीन दिवसीय सांकेतिक चक्का जाम शुरू कर दिया गया। सुबह छह बजे से हरियाणा, जम्मू सहित उत्तराखंड जाने वाले ट्रकों को मेरठ में रोक दिया गया। ट्रांसपोर्टरों ने सीएक्यूएम और दिल्ली सरकार पर ट्रांसपोर्टर्स के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाते हुए परतापुर फ्लाईओवर के नीचे प्रदर्शन किया। इस दौरान ट्रांसपोर्ट नगर में पार्सल बुकिंग भी बंद रही।

ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन की मेरठ टीम के नेतृत्व में परतापुर टोल प्लाजा पर ट्रकों को रोककर सांकेतिक चक्का जाम किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में ट्रांसपोर्ट कारोबारी और वाहन चालक मौजूद रहे। प्रदर्शन का नेतृत्व अंकुर, दीपक गांधी, रोहित कपूर, अनीश चौधरी, अतुल शर्मा, मनीष प्रधान ने किया। संगठन अध्यक्ष अध्यक्ष गौरव शर्मा ने कहा कि दिल्ली सरकार की ओर से देश के विभिन्न राज्यों से दिल्ली आने वाले ट्रकों पर ईसीसी (एनजीटी कर) में बढ़ोतरी की गई है। इससे ट्रांसपोर्ट

कारोबार पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा।

अध्यक्ष गौरव शर्मा ने बताया कि बुधवार अर्धरात्रि तक लगातार पुलिस के फोन आते रहे कि हमें घर में नजरबंद किया जाएगा। ऐसे में हमने शहर से बाहर होने की बात कही। उन्होंने बताया कि ट्रांसपोर्टरों ने एक नवंबर 2026 से बीएस 4 कमर्शियल वाहनों के दिल्ली प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के फैसले का भी विरोध किया है। पहले से आर्थिक संकट झेल रहे ट्रांसपोर्ट कारोबारियों को सुविधा प्रदान की जाए। जाम के दौरान अंबे गोयल, मनीष प्रधान, देवेंद्र, धीरज, सोनू नगर, सुभाष शर्मा, पिंकू, गोविंद, संतोक सिंह और प्रेम सिंह आदि अलग-अलग स्थानों पर रहे।

तीन दिन में 340 करोड़ की

ट्रांसपोर्टरों की बंदी के कारण शहर में तीन दिन में 340 करोड़ की सप्लाई प्रभावित होने का अनुमान है। ऐसे में शहर में 114 करोड़ की सप्लाई पहले दिन प्रभावित हुई। इसमें सर्वाधिक कच्चे माल की बढ़ी कीमतों से उद्योग प्रभावित है। पांच लाख में बनने वाला माल अब 10 लाख रुपये में बन रहा है।

शहर में सर्वाधिक खेल, जिम उपकरण, गार्मेंट, फिटनेस, ऑटोमोबाइल, ट्रांसफार्मर पार्ट्स, केमिकल उद्योग प्रभावित हैं। ध्यानचंद नगर इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल पुंडीर ने बताया कि यहां 120 उद्योग संचालित हैं। दोगुना कीमतों के साथ आर्डर सप्लाई करने में मुश्किल हो रही है। ऐसे में ट्रांसपोर्टर हड़ताल पर हैं। महामंत्री विक्रांत गोयल ने बताया कि शहर के प्रमुख छह उद्योग में प्रयोग होने वाले कच्चे माल की कीमत दोगुनी हो गई है।

गंगा में डूबने से युवक की मौत

कुटी घाट पर दर्दनाक हादसा; लोग बोले- सुरक्षा की कमी है यहां

वाराणसी, एजेंसी। चौबेपुर थाना क्षेत्र स्थित कैथी के प्रसिद्ध मार्कण्डेय महादेव मंदिर के कुटी घाट पर शुक्रवार सुबह गंगा स्नान के दौरान एक युवक की डूबने से मौत हो गई। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया, वहीं स्थानीय लोगों ने घाट पर सुरक्षा व्यवस्था की कमी को लेकर प्रशासन पर सवाल उठाए हैं।

मृतक की पहचान गणपत प्रजापति (35) पुत्र स्वर्गीय तिलकू प्रजापति निवासी जहांपुर सैदपुर भीतरी के रूप में हुई है। बताया गया कि गणपत अपने दो दोस्तों सतीश प्रजापति और चंदन प्रजापति के साथ सुबह करीब पांच बजे मार्कण्डेय महादेव मंदिर में दर्शन-पूजन के लिए पहुंचे थे। पूजा के बाद तीनों गंगा स्नान करने कुटी घाट पर गए। इसी दौरान स्नान करते समय गणपत का पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में चले गए। साथियों ने उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली।

घटना की सूचना मिलते ही कैथी चौकी प्रभारी पवन राय मौके पर पहुंचे। स्थानीय गोताखोरों की मदद से करीब दो घंटे तक चले रेस्क्यू अभियान के बाद युवक का शव गंगा से बाहर निकाला गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी।

परिजनों में मचा कोहराम- गणपत मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करते थे। वह दो भाइयों में एक था। परिवार में पत्नी रेखा प्रजापति, पुत्र सत्यम और पांच वर्षीय पुत्री शिवांगी हैं। हादसे की सूचना मिलते ही परिवार में मातम छा गया। पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल है।

सात दिनों तक झुलसाएगी लू, रातें भी रहेंगी गर्म

अलीगढ़, एजेंसी। सूरज के तेवर बृहस्पतिवार को इतने तल्ख थे कि सुबह 11 बजे से ही सड़कों पर सन्नाटा पसर गया। मौसम विभाग ने आगामी सात दिनों तक जिले में भीषण लू का अलर्ट जारी किया है। हालात ऐसे रहेंगे कि दिन में लू के थपेड़े लोगों को झुलसाएंगे, जबकि रात में भी गर्म हवाएं चैन नहीं लेने देंगी।

सूरज की तपन से तापमान 45 डिग्री पर पहुंचा, लू का अलर्ट जारी- बृहस्पतिवार को अधिकतम तापमान 43.4 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि न्यूनतम तापमान 28.8 डिग्री रहा। 22 से 25 मई तक पारा लगातार 44 डिग्री के आसपास बना रहेगा। इस दौरान तेज सतही गर्म हवाएं चलेंगी। रात में भी तापमान सामान्य से काफी ऊपर रहेगा। एएमयू के भूगोल विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अहमद मुज्तबा सिद्दीकी ने बताया कि 26 और 27 मई को तापमान में हल्की गिरावट के बावजूद गर्मी से राहत मिलने की संभावना नहीं है। अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना रहेगा। भीषण गर्मी का असर जनजीवन पर साफ दिखाई देने लगा है।

लू के प्रकोप पर प्रशासन अलर्ट- लगातार बढ़ते तापमान व लू के प्रकोप को देखते हुए जिला प्रशासन ने आमजन से विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है।

गहरे पानी में न जाएं, वहां हैं मगरमच्छ और घड़ियाल

गंगा दशहरा से पहले पुलिस ने घाट पर लगाए चेतावनी बोर्ड

आगरा, एजेंसी। गंगा दशहरा पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन पहले से ही अलर्ट मोड में नजर आ रहा है। आगरा में हुए हादसे के बाद पिनाहट पुलिस ने चंबल घाटों पर सुरक्षा को लेकर सक्रियता बढ़ा दी है। बृहस्पतिवार को कस्बा स्थित चंबल घाट पर पुलिस ने चेतावनी बोर्ड लगवाए, जिनके माध्यम से लोगों को गहरे पानी में न उतरने और नदी में स्नान से बचने की हिदायत दी गई। हादसों और हिदायतों के बाद भी चंबल नदी में लोग रोजाना बेखौफ नहा रहे थे। इन्हें नहाने से बचने के लिए जागरूकता पर भी किसी ने कोई ध्यान नहीं दिया। जबकि चंबल में मगरमच्छ और घड़ियाल काफी संख्या में हैं। लोग मगरमच्छ के हमले से बेखौफ रोजाना नहा रहे है। जबकि चंबल नदी में मगरमच्छ के कई बार हमले भी हो चुके हैं। इधर, बृहस्पतिवार को नदी किनारे चेतावनी बोर्ड लगाए गए। इसमें लोगों को बताया गया कि चंबल नदी में कई स्थानों पर पानी अत्यधिक गहरा है। साथ ही यहां घड़ियाल और मगरमच्छ जैसे जलीय जीवों की संख्या अधिक है। नेस्टिंग (प्रजनन) के दौरान ये जीव अधिक आक्रामक हो जाते हैं, जिससे खतरा बढ़ सकता है। पुलिस ने लोगों से चंबल किनारों से दूरी बनाए रखने और सतर्क रहने की अपील की है। वहीं दूसरी ओर चंबल ब क्षेत्र में वन विभाग की कार्यशैली पर सवाल खड़े होने लगे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि जहां पुलिस चेतावनी बोर्ड लगाकर लोगों को जागरूक कर रही है, वहीं चंबल सेंक्चुअरी क्षेत्र में वन विभाग की ओर से सुरक्षा के कोई खास इंतजाम दिखाई नहीं दे रहे। क्षेत्र में घड़ियाल और मगरमच्छों की मौजूदगी के बावजूद नदी किनारे चेतावनी बोर्ड नहीं लगाए गए हैं और न ही वन कर्मियों की तैनाती दिखाई दे रही है।

माल क्लीयर पानी अमीर कोडवर्ड

घर बैठे मंगाया जा रहा पेट्रोल-डीजल, कई राज्यों में नेटवर्क

शामली, एजेंसी। वेस्ट यूपी में नकली डीजल और पेट्रोल की तस्करी का नेटवर्क बेखौफ होकर संचालित किया जा रहा है। गिरोह के सदस्य सिर्फ एक फोन कॉल पर कोर्ड वर्ड के माध्यक से ड्रमों में डीजल-पेट्रोल की होम डिलीवरी देने का दावा कर रहे हैं।

पड़ताल में सामने आया कि 1500 रुपये भाड़ा और प्रति लीटर एक रुपया अतिरिक्त लेकर किसी भी जिले और प्रदेश में तेल पहुंचाया जा रहा है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि पूरा नेटवर्क कोड वर्ड के जरिए संचालित किया जा रहा है और बिना पहचान के किसी अनजान व्यक्ति से बातचीत तक नहीं की जाती। पड़ताल में सामने आया कि कैराना, मेरठ और सोनीपत के बहालगढ़ क्षेत्र के तस्करों का गठजोड़ इस अवैध कारोबार को चला रहा है। गिरोह के सदस्य हरियाणा, उत्तराखंड और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई जिलों में लगातार सप्लाई देने का दावा कर रहे हैं।

फोन नंबर जारी कर चला रहे नेटवर्क

पड़ताल में यह भी सामने आया कि गिरोह के सदस्यों ने अलग-अलग मोबाइल नंबर जारी कर रखे हैं। इन नंबरों पर संपर्क करते ही बताए गए स्थान पर डीजल और पेट्रोल पहुंचाने की बात की जाती है। फोन पर ही ट्रक-टैंकरों की आवाजाही और डिलीवरी प्वाइंट की जानकारी दी जाती है। सूचना मिलते ही सप्लाई लेने वाले लोग मौके पर पहुंच जाते हैं।

मुजफ्फरनगर से रोहतक और मुरादाबाद तक ऑर्डर- गुर्गों ने दावा किया कि तेल के दाम बढ़ रहे हैं और आगे भी बढ़ोतरी की आशंका है। उन्होंने बताया कि हाल ही में मुजफ्फरनगर, रोहतक, करनाल, पानीपत, मुरादाबाद, मेरठ, बागपत, सहारनपुर, हरिद्वार और गाजियाबाद से बड़े

स्तर पर ऑर्डर मिले हैं। जल्द ही सभी स्थानों पर माल पहुंचा दिया जाएगा।

ड्रमों में तैयार हो रहा मिलावटी तेल

पड़ताल में यह भी सामने आया कि कुछ गोदामों में पेट्रोल में साल्वेंट मिलाया जा रहा है, जबकि डीजल में केरोसिन ऑयल और अन्य केमिकल मिलाकर नकली तेल तैयार किया जा रहा है। इसके बाद ड्रमों के जरिए विभिन्न जिलों में सप्लाई की जा रही है।

ये बोले अधिकारी- डीजल और पेट्रोल माफिया पर सत कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में आपूर्ति विभाग को दिशा-निर्देश दिए गए हैं। साथ ही पेट्रोल पंप संचालकों की भी मदद ली जाएगी।

व्हीलर्स क्लब और रेस क्लब पर एक्शन की तैयारी

जीटीबी स्कूल को भी दिया जा चुका नोटिस

मेरठ, एजेंसी। मेरठ छावनी (कैंट) क्षेत्र में स्थित बहुमूल्य रक्षा भूमि को अवैध अनाधिकृत कब्जों से मुक्त कराने के लिए रक्षा संपदा अधिकारी (डीईओ) कार्यालय ने अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। इलाहाबाद हाईकोर्ट से याचिका खारिज होने के बाद रक्षा संपदा अधिकारी विनीत कुमार ने गुरु तेग बहादुर (जीटीबी) पब्लिक स्कूल को एक सप्ताह के भीतर परिसर खाली करने की सार्वजनिक सूचना (पब्लिक नोटिस) जारी कर दी है। इसके साथ ही कैंट के प्रतिष्ठित व्हीलर्स क्लब और रेस क्लब समेत कई अन्य स्कूलों पर भी डीईओ कार्यालय का कानूनी शिकंजा कस गया है।

डीईओ कार्यालय द्वारा जारी सार्वजनिक सूचना के अनुसार बंगला संख्या 227 (जीएलआर सर्वे नंबर 375) स्थित रक्षा भूमि

पर अवैध निर्माण और अनाधिकृत उपयोग का यह मामला काफी पुराना है। इस संबंध में लोक परिसर (अनाधिकृत अधिभोगियों की बेदखली) अधिनियम 1971 की धारा 5-बी(1) के तहत सर्वप्रथम 7 अक्तूबर 1994 को वैधानिक नोटिस जारी किया गया था।

इस नोटिस के खिलाफ जिला न्यायालय मेरठ में वाद दायर किया गया था, जिसे अदालत ने 18 जुलाई 1995 को खारिज कर दिया था। इसके बाद मामले ने इलाहाबाद हाईकोर्ट का रुख किया, जहां से 26 मई 2010 को याचिका को पूरी तरह निरस्त कर दिया गया था। अब डीईओ ने पुनः वैधानिक प्रक्रिया अपनाते हुए सार्वजनिक सूचना जारी की है। यदि तय समय-सीमा के भीतर जीटीबी पब्लिक स्कूल प्रबंधन द्वारा परिसर खाली नहीं किया गया तो डीईओ कार्यालय स्कूल को सील करने की बड़ी तैयारी में जुटा है।

व्हीलर्स क्लब और रेस क्लब भी डीईओ के निशाने पर

रक्षा संपदा अधिकारी विनीत कुमार द्वारा रक्षा भूमि से अवैध कब्जे हटाने के अभियान के तहत कई अन्य बड़े संस्थान भी रडार पर हैं। डीईओ कार्यालय के सूत्रों के मुताबिक लगभग एक वर्ष पहले व्हीलर्स क्लब को भी अवैध निर्माण के मामले में नोटिस जारी किया गया था, जिसकी कानूनी प्रक्रिया वर्तमान में गतिमान है। वहीं बी-3 श्रेणी की भूमि पर संचालित हो रहे रेस क्लब को भी पीपी एक्ट के तहत नोटिस थमाया जा चुका है।

नगीना में कताई मिल की जमीन पर कृषि विश्वविद्यालय बनाने की मांग, कृषि मंत्री को भेजा ज्ञापन

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। नगर की विभिन्न राजनीतिक पार्टियों एवं सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने कताई मिल परिसर की खाली पड़ी भूमि पर कृषि विश्वविद्यालय स्थापित किए जाने की मांग उठाई है। इस संबंध में शनिवार को उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री को संबोधित 10 सूत्रीय ज्ञापन एसडीएम की अनुपस्थिति में उनके पेशकार रमेश सिंह को सौंपा गया।

ज्ञापन में कहा गया कि नगीना ब्रिटिश काल से ही महत्वपूर्ण क्षेत्र रहा है, लेकिन विकास के मामले में लगातार उपेक्षित रहा। वर्तमान समय में यहां के अधिकांश लोगों की आजीविका कृषि पर आधारित है। कताई मिल

बंद होने के बाद बड़ी संख्या में लोग बेरोजगार हो गए हैं। साथ ही मिल की लगभग 280 बीघा भूमि पर बनी इमारतें खंडहर में तब्दील होती जा रही हैं।

प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि उन्हें जानकारी मिली है कि कताई मिल की भूमि को हस्तशिल्प कार्य के लिए औद्योगिक क्षेत्र घोषित करने की तैयारी की जा रही है। इस प्रस्ताव का विरोध करते हुए सामाजिक संस्थाओं और जनप्रतिनिधियों ने नगीना-कोतवाली मार्ग स्थित इस भूमि पर कृषि विश्वविद्यालय स्थापित करने की मांग की। उनका कहना है कि कृषि विश्वविद्यालय बनने से क्षेत्र के युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर मिलेंगे और किसानों को आधुनिक कृषि शिक्षा एवं तकनीक का लाभ प्राप्त होगा।

ज्ञापन सौंपने वालों में पूर्व विधायक सतीश कुमार, डॉ. संदीप शर्मा, विशाल गुप्ता, प्रदीप गर्ग, संजीव दत्त शर्मा, मनोज वाल्मीकि, प्रदीप शर्मा, गर्वित प्रताप सिंह, अफसर सिद्दीकी, आफताब अंसारी, सुगम चंद, अनंत जैन, नौबहार प्रजापति, मोहित यादव, राजकुमार, रेवेन्यू बार अध्यक्ष, रामेश्वरी, मीरा देवी, बबीता, भारती, उमा देवी, चत्रो देवी और सुनीता देवी सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

बधेव बाईपास पर स्कूली वैन पलटी, तीन बच्चे और शिक्षिका घायल

शामली (शिखर समाचार)। बधेव बाईपास पर शनिवार सुबह बच्चों को स्कूल लेकर जा रही एक स्कूली वैन को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि वैन कई पलटे खाकर हाईवे पर पलट गई। दुर्घटना में एक ही परिवार के तीन बच्चे और एक शिक्षिका घायल हो गए। ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना के बाद अभिभावकों ने स्कूल प्रबंधन और वैन चालक की लापरवाही को लेकर हंगामा किया। जानकारी के अनुसार शनिवार सुबह करीब 7 बजे शहर के सेंट आरसी कॉन्वेंट स्कूल की वैन गांव लपराना से पीटीआई शिक्षिका पूजा को लेकर गांव बधेव पहुंची। वहां से कक्षा 6 के छात्र विराट देशवाल,

उसकी बहन कक्षा 4 की छात्रा सानवी देशवाल तथा कक्षा 12 की उनकी चचेरी बहन दीशा देशवाल को लेकर वैन स्कूल के लिए रवाना हुई। बताया गया कि जैसे ही वैन चालक अक्षय निवासी भैंसवाल बधेव बाईपास पर पहुंचा, उसने बिना पर्याप्त सावधानी बरते वैन को बाईपास पार कराने का प्रयास किया। उसी दौरान हरियाणा की ओर से तेज गति से आ रही कार ने वैन में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही वैन कई पलटे खाते हुए सड़क पर पलट गई।

हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और वैन में फंसे बच्चों व शिक्षिका को बाहर निकालकर जिला अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों के अनुसार बच्चों को गंभीर चोटें आई हैं, जिनका उपचार चल रहा है।

घटना की जानकारी मिलने पर स्कूल प्रबंधक मीनू संगल भी अस्पताल पहुंचीं और घायल बच्चों का हालचाल जाना। इस दौरान अभिभावकों ने स्कूल वैन चालकों पर लापरवाही से वाहन चलाने का आरोप लगाते हुए विरोध जताया। उनका कहना था कि संबंधित चालक को चार-पांच दिन पहले ही इस रूट पर लगाया गया था, जबकि पहले कोई दूसरा चालक बच्चों को लेकर आता था। अभिभावकों ने आशंका जताई कि चालक के खिलाफ पहले भी शिकायतें रही होंगी। उन्होंने स्कूल प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

दादरी विधानसभा के ग्राम बिसाहड़ा में प्रस्तावित 100 शैय्यायुक्त चिकित्सालय निर्माण को लेकर समीक्षा बैठक संपन्न

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। जनपद गौतमबुद्धनगर की दादरी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम बिसाहड़ा में प्रस्तावित 100 शैय्यायुक्त चिकित्सालय के निर्माण को लेकर शनिवार को एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में दादरी विधायक तेजपाल नागर की उपस्थिति में जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों के साथ परियोजना की प्रगति और आवश्यक औपचारिकताओं की समीक्षा की।

बैठक के दौरान चिकित्सालय निर्माण के लिए भूमि चिन्हांकन, राजस्व अभिलेखों की स्थिति तथा निर्माण प्रक्रिया से जुड़े विभिन्न प्रशासनिक एवं तकनीकी बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। विधायक तेजपाल नागर ने दादरी विधानसभा क्षेत्र से संबंधित अन्य विकास कार्यों एवं जनसमस्याओं को लेकर भी कई प्रस्ताव अधिकारियों के समक्ष रखे।

जिलाधिकारी ने प्रस्तावित भूमि की उपलब्धता और उससे जुड़ी आवश्यक प्रक्रियाओं की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को कार्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में अनुपस्थित अधिकारियों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए जिलाधिकारी ने उनके खिलाफ स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश भी दिए।

उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि चिकित्सालय निर्माण हेतु प्रस्तावित भूमि के चिन्हांकन सहित अन्य आवश्यक कार्रवाई जल्द पूरी कर शासन को नियमानुसार आख्या भेजी जाए, ताकि जनहित से जुड़ी इस महत्वपूर्ण परियोजना का निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ कराया जा सके।

बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन मंगलेश दुबे, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नरेंद्र कुमार, उप जिलाधिकारी दादरी अनुज नेहरा, अधिशासी अभियंता नगर पालिका परिषद शालिनी गुप्ता, तहसीलदार दादरी प्रतीक चौहान, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी चंदन सोनी तथा लोक निर्माण विभाग सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

दो दिन पहले लापता हुए नाबालिग किशोर का शव मिला, कुकर्म के बाद हत्या का आरोप

जेवर (शिखर समाचार)। जेवर क्षेत्र के एक गांव से दो दिन पहले लापता हुए कक्षा छह के छात्र 14 वर्षीय किशोर का शव शुक्रवार देर रात गांव के पास बने एक कमरे में मिलने से सनसनी फैल गई। परिजनों ने किशोर के साथ कुकर्म करने के बाद उसकी निर्मम हत्या किए जाने का आरोप लगाया है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार किशोर गुरुवार को अचानक लापता हो गया था। पीड़ित पिता ने उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी। परिवार लगातार उसकी तलाश में जुटा था। शुक्रवार रात गांव से कुछ दूरी पर बनी एक बस्ती में तलाश के दौरान परिजनों को एक कमरे से दुर्गंध आती महसूस हुई। कमरे के अंदर देखने पर किशोर का शव पड़ा मिला। परिवार ने तुरंत पुलिस को सूचना दी।

परिजनों का आरोप है कि कुछ युवक किशोर को हुक्का पिलाने के बहाने वहां ले गए थे। आरोप है कि उसके साथ कुकर्म किया गया और बाद में हत्या कर दी गई। परिवार ने यह भी आरोप लगाया कि शव के साथ अमानवीय व्यवहार किया गया तथा तेजाब डालकर साक्ष्य मिटाने का प्रयास किया गया। जिस स्थान पर शव मिला, वहां अवैध गतिविधियां होने की बात भी परिजनों ने कही है। शनिवार दोपहर पोस्टमार्टम के बाद जब एम्बुलेंस शव लेकर यमुना एक्सप्रेसवे के जेवर इंटरचेंज से नीचे उतरी तो सैकड़ों ग्रामीणों ने जाम लगा दिया। ग्रामीणों ने आरोपियों को फांसी देने, एनकाउंटर करने और अवैध कॉलोनी पर बुलडोजर चलाने की मांग की। सूचना पर डीसीपी, एडीसीपी और पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों के आश्वासन के बाद करीब तीन घंटे बाद जाम खोला गया।

संजय सिंह ने बताया कि कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है और जल्द गिरफ्तारी की जाएगी।

वेलेंसिया होम्स सोसाइटी में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 को लेकर जागरूकता अभियान आयोजित

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। स्वास्थ्य विभाग के निर्देशन में फीडबैक फाउंडेशन द्वारा तथा समाज स्वास्थ्य एवं विकास संगठन (एसएचडीओ) के सहयोग से सेक्टर-1 स्थित वेलेंसिया होम्स सोसाइटी में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (एसडब्ल्यूएम) नियम-2026 एवं उचित कूड़ा निस्तारण व्यवस्था को लेकर जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को वैज्ञानिक तरीके से कचरा प्रबंधन के प्रति जागरूक करना तथा स्वच्छ और सतत वातावरण बनाए रखने के लिए सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देना था।

अभियान के दौरान सोसाइटी के निवासियों को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 के प्रमुख प्रावधानों, कूड़ा निस्तारण की सही प्रक्रियाओं तथा अपशिष्ट प्रबंधन में व्यक्तिगत जिम्मेदारियों के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में विशेष रूप से घरों से निकलने वाले सूखे और गीले कचरे के पृथक्करण, सोसाइटी परिसर में साफ-सफाई बनाए रखने तथा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन दिशा-निदेर्शों के पालन पर जोर दिया गया।

विशेषज्ञों ने बताया कि स्त्रोत स्तर पर कचरे का पृथक्करण करने से कूड़ा निस्तारण की प्रक्रिया आसान होती है और पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिलती है। लोगों को दैनिक जीवन में जिम्मेदारीपूर्वक कचरा प्रबंधन अपनाने तथा स्वच्छ समुदाय निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम के अंत में निवासियों को स्वच्छता एवं अपशिष्ट प्रबंधन की शपथ दिलाई गई। सभी ने कचरे का पृथक्करण करने, स्वच्छता बनाए रखने और निर्धारित दिशा-निदेर्शों का पालन करने की प्रतिबद्धता जताई। आयोजकों ने कहा कि इस प्रकार के जागरूकता अभियान स्वच्छ और स्वस्थ समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

किसान एकता संघ की बैठक में आंदोलन की चेतावनी, संगठन का विस्तार

रबूपुरा (शिखर समाचार)। क्षेत्र के गांव जहानाबाद में शनिवार को किसान एकता संघ की बैठक संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सोरन प्रधान के नेतृत्व में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मुमताज अली ने की, जबकि संचालन प्रदेश अध्यक्ष प्रमोद शर्मा ने किया।

बैठक के दौरान सोरन प्रधान ने कहा कि यमुना प्राधिकरण द्वारा किसानों की आबादी, बेकलीज समेत अन्य समस्याओं का अब तक समाधान नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि किसान एकता संघ जल्द ही क्षेत्रीय लोगों के साथ मिलकर यमुना प्राधिकरण के खिलाफ बड़ा आंदोलन करेगा। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि इस बार आंदोलन आर-पार का होगा और जब तक किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं होगा, तब तक किसान वापस घर नहीं लौटेंगे। बैठक में संगठन का विस्तार करते हुए इलियास अब्बासी को जहानाबाद ग्राम अध्यक्ष नियुक्त किया गया तथा कई अन्य लोगों को संगठन की सदस्यता दिलाई गई। सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को संगठन हित में पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ कार्य करने की शपथ दिलाई गई। इस मौके पर उम्मेद एडवोकेट, मेहरबान अली, हेमराज बीडीसी, जेपी नागर, गोलू प्रधान, परवेज खां, जोरा भाटी, नाजिम त्यागी, फरमान त्यागी, वकील, शाहरुख खान, गौरव गौतम, इमलाक सहित संगठन के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रसूलपुर गुजरान में विधायक निधि से बनी सीसी सड़क का लोकार्पण

शामली (शिखर समाचार)। शामली विधानसभा क्षेत्र के गांव रसूलपुर गुजरान में विधायक विकास निधि से निर्मित सीसी सड़क का लोकार्पण सदर विधायक प्रसन्न चौधरी ने किया। ग्रामीणों की मांग और जनहित को ध्यान में रखते हुए गांव में सड़क निर्माण कराया गया।

इस अवसर पर पूर्व प्रधान राजपाल सिंह के आवास पर स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मास्टर राजपाल सिंह बलवा ने की, जबकि संचालन विश्वास चौहान मीमला ने किया। गांव एवं आसपास के क्षेत्रों से पहुंचे लोगों ने विधायक का स्वागत करते हुए विकास कार्यों के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक प्रसन्न चौधरी ने कहा कि क्षेत्र में विकास कार्यों को और अधिक गति दी जाएगी तथा जनता की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान कराया जाएगा। इस दौरान चौधरी मैनपाल चौहान, नाथी प्रधान, हरबीर प्रधान, रणवीर सिंह, आदेश, सुभाष, अक्षय कुमार, ओमपाल सिंह, शिव कुमार कश्यप, कर्मवीर सिंह, जसवीर सिंह, जोगिंदर सिंह, सत्य प्रकाश प्रधान सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।

थाना समाधान दिवस में डीएम एसपी ने सुनीं जनसमस्याएं, समयबद्ध निस्तारण के दिए निर्देश

शामली (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी आलोक यादव एवं पुलिस अधीक्षक नरेंद्र प्रताप सिंह ने शनिवार को कोतवाली कांधला में आयोजित थाना समाधान दिवस में पहुंचकर फरियादियों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान अधिकारियों को शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश दिए गए। थाना समाधान दिवस में पहुंचे फरियादियों ने भूमि विवाद, राजस्व एवं अन्य स्थानीय समस्याओं से संबंधित शिकायतें अधिकारियों के समक्ष रखीं। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा मौके पर जाकर जांच करते हुए समस्याओं का समाधान कराया जाए। डीएम और एसपी ने भूमि संबंधी मामलों में राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम बनाकर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि थाना समाधान दिवस का उद्देश्य आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान करना है, इसलिए शिकायतों का निष्पक्ष एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक सुमित शुक्ला एवं उपजिलाधिकारी कैराना शिवाजी यादव सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

होटलों में चेकिंग के नाम पर रंगदारी वसूलने वाले गिरोह का भंडाफोड़, पति पत्नी समेत चार गिरफ्तार

बिजनौर (शिखर समाचार)। होटलों में फर्जी चेकिंग के नाम पर वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर अवैध वसूली करने वाले एक शातिर गिरोह का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने पति-पत्नी समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से नकदी, मोबाइल फोन और एक स्विफ्ट कार बरामद की है। पुलिस के अनुसार 22 मई को नजीबाबाद के सुभाष नगर निवासी सत्येंद्र कुमार ने शिकायत दर्ज कराई कि उनके राजन होटल में चार लोग जबरन घुस आए और वीडियोग्राफी करने लगे। आरोपियों ने होटल संचालक से 22 हजार रुपये की मांग की। पैसे न देने पर गाली-गलौज करते हुए मारपीट और धमकी दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चारों आरोपियों को हिरासत में ले लिया। पूछताछ में आरोपियों की पहचान जगजीत सिंह और उसकी पत्नी प्रियंका निवासी भरत विहार कॉलोनी थाना शहर कोतवाली, विवेक निवासी गांव तिमरपुर तथा अक्षय ठाकुर निवासी जेके कॉलोनी के रूप में हुई। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे पहले भी कई होटल संचालकों को अपना शिकार बना चुके हैं। 19 मई को उन्होंने नजीबाबाद के महेश गुप्ता के होटल की वीडियोग्राफी कर 10 हजार रुपये वसूले थे। वहीं 17 मई को होटल लिंक रेजीडेंसी के मालिक शारिक से 17 हजार रुपये की रंगदारी लेने की बात भी कबूली।

आरोपियों ने बताया कि वे वर्ष 2025 से राष्ट्रीय हिंदू एकता संगठन से जुड़े हुए हैं। संगठन की आड़ में वे होटल में चेकिंग के बहाने प्रवेश करते थे और वहां वीडियो बनाकर उसे अखबारों तथा सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर मोटी रकम वसूलते थे।

पुलिस ने चारों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है। मामले में गिरोह की अन्य गतिविधियों और संभावित पीड़ितों के संबंध में भी जांच की जा रही है।

अवैध संबंधों के शक में पत्नी की हत्या, पांच मासूम हुए बेसहारा

कांधला/शामली (शिखर समाचार)। थाना कांधला क्षेत्र के गांव खेड़ा कुरतान में अवैध संबंधों के शक में एक पति ने अपनी पत्नी की बेरहमी से हत्या कर दी। 16 साल पुराने प्रेम विवाह का दर्दनाक अंत करते हुए आरोपी ने पत्नी को लाठी-डंडों से पीटकर मौत के घाट उतार दिया। घटना के बाद गांव में सनसनी फैल गई। मृतका इशरत के भाई इंतजार निवासी मोहल्ला खेल कला, काजीवाला बाग, कैराना ने बताया कि इशरत का विवाह आस मोहम्मद उर्फ आसू के साथ प्रेम विवाह के रूप में हुआ था। आरोप है कि शराब की लत लगने के बाद आरोपी अपनी पत्नी पर शक करने लगा था और आए दिन उसके साथ मारपीट करता था। बताया गया कि कुछ दिन पहले आरोपी पत्नी को बागपत क्षेत्र के सरूरपुर स्थित ईंट भट्ठे पर ले गया, जहां उसकी पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। इसके बाद आरोपी शव को बीमारी से मौत का रूप देने की कोशिश करते हुए गांव लेकर पहुंचा और घर पर छोड़कर फरार हो गया। शरीर पर चोटों के निशान देखकर मायके पक्ष को शक हुआ, जिसके बाद उन्होंने हत्या का आरोप लगाते हुए हंगामा कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

थाना प्रभारी सतीश कुमार ने बताया कि आरोपी पति को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस अधीक्षक शामली ने भी अवैध संबंधों के शक में हत्या किए जाने की पुष्टि की है। घटना के बाद परिवार के पांच मासूम बच्चे मुस्तफा, मुर्तजा, आयन, सिहान और आइना बेसहारा हो गए हैं। गांव में बच्चों के भविष्य को लेकर चिंता का माहौल बना हुआ है।

शिक्षक का अपहरण कर लूटपाट करने वाले बदमाशों का अभी तक नहीं लगा सुराग, हालत गंभीर

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना हापुड़ क्षेत्र में एटीएम से रुपये निकालकर घर लौट रहे एक शिक्षक का कथित रूप से अपहरण कर बदमाशों द्वारा मारपीट और लूटपाट किए जाने का मामला सामने आया है। घटना के बाद घायल शिक्षक को गंभीर अवस्था में जंगल में फेंक दिया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है, लेकिन अभी तक आरोपियों का कोई सुराग नहीं लग सका है। मोहल्ला आदर्शनगर कॉलोनी निवासी प्रमोद कुमार ने बताया कि शुक्रवार को सूचना मिली कि उनके भतीजे ओमपाल को कुछ युवकों ने बेरहमी से पीटने के बाद दस्तोई-जोगीपुरा मार्ग स्थित जंगल में फेंक दिया है। सूचना मिलते ही परिजन और मोहल्ले के लोग मौके पर पहुंचे, जहां ओमपाल गंभीर रूप से घायल अवस्था में पड़े मिले। परिजनों के अनुसार वह नशे की हालत में थे और उनके शरीर पर चोटों के निशान थे। पीड़ित ओमपाल दिल्ली के एक निजी कॉलेज में शिक्षक हैं और साथ ही कला क्षेत्र से भी जुड़े हुए हैं। ओमपाल ने बताया कि बृहस्पतिवार देर रात वह मेरठ रोड स्थित साइलो द्वितीय चौकी के पास एटीएम से 10 हजार रुपये निकालने गए थे। रुपये निकालकर घर लौटते समय बाइक सवार दो युवकों ने उन्हें रोक लिया और कथित रूप से नशीला पदार्थ सुंघाकर बेहोश कर दिया। आरोप है कि इसके बाद बदमाश उन्हें अपने साथ ले गए, मारपीट की और जेब में रखे 10 हजार रुपये लूट लिए। बाद में आरोपी उन्हें जंगल में फेंककर फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। क्षेत्र में इस घटना को लेकर लोगों में दहशत और आक्रोश का माहौल है। स्थानीय लोगों ने पुलिस से जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है। सीओ वरुण मिश्रा ने बताया कि मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है।

पंचायत एक अलार्म है, बेटियों की सुरक्षा के प्रति सजग होना जरूरी : डॉ. मीनाक्षी भराला

दादरी (शिखर समाचार)। राज्य महिला आयोग की सदस्य डॉ. मीनाक्षी भराला ने कहा कि समाज में दहेज प्रथा पूरी तरह बंद होनी चाहिए। दहेज के कारण विवाहित महिलाओं को प्रताड़ना और मानसिक उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है, जो कई बार उनकी मौत का कारण बन जाता है। उन्होंने कहा कि पंचायत एक अलार्म की तरह काम करती है और ऐसे संकेत मिलने पर परिवारों को बेटियों की सुरक्षा के प्रति तुरंत सजग हो जाना चाहिए। वे गांव कूड़ी खेड़ा में दीपिका नागर की कथित दहेज हत्या के बाद पीड़ित परिवार को सांत्वना देने पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने कहा कि जब ससुराल पक्ष द्वारा किसी महिला पर अत्याचार शुरू होता है, तब पंचायत चेतावनी देने का कार्य करती है। ऐसे समय में परिजनों को स्थिति की गंभीरता समझते हुए अपनी बेटियों को सुरक्षित घर ले आना चाहिए, ताकि किसी अनहोनी से बचाया जा सके। डॉ. मीनाक्षी भराला ने कहा कि लगातार बढ़ रही दहेज हत्याएं समाज को गर्त की ओर ले जा रही हैं। ऐसे मामलों की सुनवाई फास्ट ट्रैक अदालतों में तेजी और निष्पक्षता के साथ होनी चाहिए, ताकि पीड़ित परिवार को जल्द न्याय मिल सके। उन्होंने कहा कि दहेज या अन्य कारणों से प्रताड़ना झेल रही बेटियों के मामलों में बार-बार पंचायत करने की परंपरा बंद होनी चाहिए, क्योंकि कई बार यही पंचायतें मौत का कारण बन जाती हैं। उन्होंने कहा कि बेटी से बड़ा कोई दहेज नहीं होता और समाज को बेटियों का सम्मान करना चाहिए। दहेज प्रथा के खिलाफ व्यापक जनजागरूकता अभियान और सम्मेलन आयोजित किए जाने चाहिए। साथ ही दहेज हत्या के आरोपियों का सामाजिक बहिष्कार होना चाहिए, ताकि कोई भी इस तरह का घिनौना अपराध करने की हिम्मत न कर सके। परिजनों ने आरोप लगाया कि दीपिका नागर की हत्या कर शव को छत से फेंका गया। उनका कहना है कि मौके के फोटोग्राफ और अन्य साक्ष्य निर्मम हत्या की ओर इशारा कर रहे हैं। परिवार ने मामले में निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

कृषि भूमि दिलाने के नाम पर प्रॉपर्टी डीलर से ढाई करोड़ की ठगी, मुकदमा दर्ज

मोदीनगर (शिखर समाचार)। कृषि भूमि दिलाने के नाम पर एक प्रॉपर्टी डीलर से ढाई करोड़ रुपये की ठगी किए जाने का मामला सामने आया है। डीसीपी ग्रामीण के निर्देश पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। सीकरी खुर्द गांव निवासी नीटू चौधरी प्रॉपर्टी डीलिंग का कार्य करते हैं। बताया गया है कि उन्होंने खरीद के लिए जमीन तलाश की थी। इसी दौरान उन्हें फरीदनगर क्षेत्र में 14 बीघा कृषि भूमि दिखाई गई। उक्त जमीन का सौदा 20 करोड़ रुपये में तय हुआ। सौदे के तहत नीटू चौधरी ने पेशगी के रूप में ढाई करोड़ रुपये भी दे दिए। दोनों पक्षों के बीच तहसील में विधिवत एग्रीमेंट भी साइन किया गया था। आरोप है कि एग्रीमेंट के बाद नीटू चौधरी बीमार हो गए और लंबे समय तक उपचार कराते रहे। जब उनकी तबीयत ठीक हुई तो उन्हें जानकारी मिली कि जिस जमीन का सौदा उनके साथ हुआ था, उसका बैनामा किसी अन्य व्यक्ति के नाम कर दिया गया है। इसके बाद उन्होंने मामले की शिकायत डीसीपी ग्रामीण से की। शिकायत के आधार पर पुलिस अधिकारियों ने जांच कराई और फिर अरुण शर्मा निवासी सीकरी कला के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कर लिया गया। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

रिश्ते में भाई बहन ने की लव मैरिज, ऑनर किलिंग की आशंका जताकर पुलिस से मांगी सुरक्षा

हापुड़ (शिखर समाचार)। बाबूगढ़ थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी युवक और युवती ने प्रेम विवाह करने के बाद अपनी जान को खतरा बताते हुए पुलिस से सुरक्षा की गुहार लगाई है। दोनों ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर ऑनर किलिंग की आशंका जताई, जिसके बाद पुलिस ने सुरक्षा के बीच दोनों के अदालत में बयान दर्ज कराए। बालिग होने के कारण दोनों अपनी मर्जी से साथ चले गए। जानकारी के अनुसार बाबूगढ़ क्षेत्र के एक ही खानदान से संबंध रखने वाले युवक और युवती के बीच लंबे समय से प्रेम संबंध थे। रिश्ते में भाई-बहन लगने के कारण दोनों ने अपने संबंध को परिवार और समाज से छिपाकर रखा। समय के साथ दोनों का प्रेम बढ़ता गया और उन्होंने 27 अप्रैल 2026 को गाजियाबाद स्थित आर्य समाज मंदिर में विवाह कर लिया। इसके बाद विवाह का पंजीकरण भी गाजियाबाद के पंजीकरण अधिकारी कार्यालय में करा लिया गया। बताया गया है कि विवाह की जानकारी मिलने के बाद परिवार और रिश्तेदारों में नाराजगी फैल गई। युवती का कहना है कि परिजन उसकी शादी कहीं और कराना चाहते थे, जबकि वह अपनी मर्जी से विवाह कर चुकी है। दोनों ने आरोप लगाया कि उन्हें अपने ही परिजनों से जान का खतरा है और किसी भी समय उनके साथ अनहोनी हो सकती है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने दोनों को सुरक्षा उपलब्ध कराते हुए अदालत में पेश किया। थाना प्रभारी प्रवीण कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

शादी समारोहों में भोजन व्यवस्था के लिए समय सीमा तय

शामली (शिखर समाचार) शहर के करनाल रोड स्थित एमएस फार्म के हॉल में बैंक्वेट, हलवाई एवं कैटरिंग संगठन के तत्वावधान में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में शहर एवं आसपास के गांवों से पहुंचे बैंक्वेट मालिकों, हलवाइयों और कैटरिंग संचालकों ने शादी-विवाह समारोहों में भोजन व्यवस्था के लिए समय सीमा निर्धारित करने पर सहमति जताई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि दिन में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में भोजन का समय दोपहर 3:30 बजे तक रहेगा, जबकि रात्रि कार्यक्रमों में भोजन वितरण की समय सीमा रात 12:30 बजे तक निर्धारित की गई है। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि इस निर्णय से कार्यक्रमों का संचालन व्यवस्थित ढंग से हो सकेगा तथा अनावश्यक अव्यवस्था से बचाव होगा। बैठक में उपस्थित सभी लोगों ने तय समय सीमा का पालन करने पर सहमति व्यक्त की। इस दौरान रमेश चंद सोनी, राजेंद्र, समय सिंह, रामभरोसे, राधेश्याम शास्त्री, पुष्पेंद्र, उत्तम नामदेव, अभिनव निर्वाल, अनुज सोनी, नीरज, रजनीश नामदेव, विकास, डॉ. गौरव एवं राजेश बजाज मौजूद रहे।

संपादकीय

दिल्ली जिमखाना क्लब पर सरकार की सख्ती : क्या खत्म होगा रसूखदारों का पुराना साम्राज्य

देश की राजधानी दिल्ली के सबसे प्रतिष्ठित और ऐतिहासिक संस्थानों में शामिल दिल्ली जिमखाना क्लब इन दिनों राष्ट्रीय बहस का केंद्र बना हुआ है। केंद्र सरकार द्वारा क्लब की लीज निलंबित कर 5 जून तक परिसर खाली करने का अल्टीमेटम दिए जाने के बाद सत्ता, विशेषाधिकार और सार्वजनिक संपत्तियों के उपयोग को लेकर एक नई चर्चा शुरू हो गई है। लुटियंस दिल्ली के अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्र में स्थित यह क्लब वर्षों से देश के प्रभावशाली नौकरशाहों, उद्योगपतियों, राजनेताओं और उच्च वर्ग के लोगों का सामाजिक केंद्र माना जाता रहा है। अब सरकार का यह कठोर कदम केवल एक प्रशासनिक कार्रवाई नहीं, बल्कि उस पुरानी व्यवस्था को चुनौती के रूप में देखा जा रहा है जिसमें सरकारी संसाधनों पर सीमित वर्ग का अप्रत्यक्ष नियंत्रण बना रहता था।

दिल्ली जिमखाना क्लब का इतिहास ब्रिटिश शासनकाल से जुड़ा हुआ है। वर्ष 1913 में स्थापित इस क्लब को अंग्रेजों के समय अभिजात वर्ग के सामाजिक और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में विकसित किया गया था। आजादी के बाद भले ही इसका नाम और स्वरूप बदला, लेकिन इसकी सदस्यता और कार्यशैली लंबे समय तक विशेष वर्ग तक सीमित रही। वर्षों से यह धारणा बनी रही कि यहां आम लोगों की पहुंच लगभग असंभव है और सदस्यता पाने के लिए प्रभाव, संपर्क और आर्थिक हैसियत की जरूरत पड़ती है। यही कारण है कि जब सरकार ने इस क्लब के खिलाफ कार्रवाई की तो बड़ी संख्या में लोगों ने इसे विशेषाधिकार संस्कृति पर प्रहार के रूप में देखा। केंद्र सरकार ने अपने आदेश में कहा है कि जिस भूमि पर क्लब स्थित है वह रणनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्र में आती है तथा रक्षा अवसंरचना और सरकारी परियोजनाओं के विस्तार के लिए उसकी आवश्यकता है। सरकार का यह भी कहना है कि सार्वजनिक हित सर्वोपरि है और यदि राष्ट्रीय जरूरतों के लिए भूमि की आवश्यकता हो तो लीज समाप्त कर कब्जा वापस लिया जा सकता है। कानूनी दृष्टि से देखा जाए तो सरकार के पास ऐसा करने का अधिकार मौजूद है। लेकिन इस कार्रवाई ने कई बड़े सवाल भी खड़े कर दिए हैं। क्या वास्तव में यह फैसला केवल राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक हित को ध्यान में रखकर लिया गया है, या इसके पीछे सत्ता और प्रभाव के पुराने प्रतीकों को समाप्त करने की राजनीतिक इच्छा भी काम कर रही है?

पिछले कुछ वर्षों में केंद्र सरकार ने कई ऐसे फैसले लिए हैं जिनमें पारंपरिक संस्थाओं और प्रभावशाली वर्गों की शक्तियों को सीमित करने की कोशिश दिखाई देती है। समर्थक इसे व्यवस्था सुधार और समानता की दिशा में उठाया गया कदम बताते हैं। उनका मानना है कि देश की राजधानी के सबसे महत्वपूर्ण इलाके में फैली इतनी बड़ी सरकारी जमीन केवल कुछ हजार रसूखदार लोगों के मनोरंजन और सामाजिक गतिविधियों के लिए उपयोग नहीं होनी चाहिए। जब देश में सरकारी दफ्तरों, सुरक्षा परियोजनाओं, सार्वजनिक सुविधाओं और शहरी विकास के लिए जमीन की कमी लगातार बढ़ रही हो, तब ऐसी संपत्तियों का पुनर्मूल्यांकन आवश्यक हो जाता है। हालांकि इस पूरे मामले को केवल अमीर बनाम सरकार के नजरिए से देखना भी सही नहीं होगा। लोकतंत्र में संस्थाओं की स्वतंत्रता और कानूनी प्रक्रियाओं का सम्मान भी उतना ही आवश्यक है। यदि कोई संस्था वर्षों से वैधानिक रूप से कार्य कर रही है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई पूरी पारदर्शिता और स्पष्टता के साथ होनी चाहिए।

~ मौलिक चिंतन ~

"संयोग" एक ऐसा बोनस है, जो परमात्मा हमारे अच्छे कर्मों से प्रसन्न होकर देता है।

~~~~~~~~~

© विनय संकोची

अलनीनो से प्रभावित होने के बाद भारत के पास क्या इंतजाम ?

सौरभ वार्ष्णेय

दुनिया भर में जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभावों के बीच अलनीनो एक बार फिर भारत के लिए चिंता का विषय बनता जा रहा है। प्रशांत महासागर के तापमान में असामान्य वृद्धि से उत्पन्न होने वाली यह मौसमी घटना भारतीय मानसून को सीधे प्रभावित करती है। भारत जैसे कृषि प्रधान देश में मानसून की थोड़ी-सी गड़बड़ी भी खेती, अर्थव्यवस्था, जल संकट और महंगाई पर व्यापक असर डालती है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि यदि अलनीनो का प्रभाव गहराता है, तो भारत के पास इससे निपटने के लिए क्या इंतजाम हैं?

भारत का लगभग आधा कृषि क्षेत्र आज भी वर्षा पर निर्भर है। अलनीनो के कारण मानसून कमजोर पड़ता है, वर्षा कम होती है और कई राज्यों में सूखे जैसी स्थिति पैदा हो जाती है। इसका सीधा असर किसानों की आय, खाद्यान्न उत्पादन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। यही नहीं, बिजली उत्पादन, पेयजल आपूर्ति और उद्योग भी प्रभावित होते हैं। इसलिए अलनीनो केवल मौसम की समस्या नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक चुनौती भी है।

हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में भारत ने इस दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। भारतीय मौसम विभाग अब पहले की तुलना में अधिक सटीक और समय रहते मौसम पूर्वानुमान जारी कर रहा है। उपग्रह तकनीक और आधुनिक वैज्ञानिक प्रणालियों के जरिए सरकार मानसून की स्थिति पर लगातार नजर रखती है। इससे राज्यों और किसानों को पहले से तैयारी करने में मदद मिलती है।

कृषि क्षेत्र में भी बदलाव की कोशिशें की जा रही हैं। सरकार सूखा-रोधी बीजों को बढ़ावा दे रही है तथा किसानों को कम पानी वाली फसलों की ओर प्रेरित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना जैसी योजनाएं किसानों को प्राकृतिक आपदा से होने वाले नुकसान की भरपाई में सहारा देती हैं। इसके अलावा प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत ड्रिप और स्प्रिंकलर जैसी आधुनिक सिंचाई तकनीकों को प्रोत्साहित किया जा रहा है, ताकि कम पानी में अधिक उत्पादन संभव हो सके।

जल संरक्षण की दिशा में भी कई प्रयास हो रहे हैं। जल शक्ति अभियान, तालाबों के पुनर्जीवन, वर्षा जल संचयन और भूजल संरक्षण जैसे कार्यक्रमों पर सरकार विशेष ध्यान दे रही है। कई राज्यों ने स्थानीय स्तर पर जल प्रबंधन को मजबूत करने के लिए सामुदायिक भागीदारी भी बढ़ाई है। यह समझना जरूरी है कि भविष्य में जल ही सबसे बड़ी चुनौती बनने वाला है।

ऊर्जा क्षेत्र में भी भारत अब केवल जलविद्युत पर निर्भर नहीं रहना चाहता। सौर और पवन ऊर्जा के विस्तार से ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है। यदि सूखे की स्थिति में जलाशयों का स्तर घटे, तब भी बिजली संकट को नियंत्रित किया जा सकेगा।

फिर भी यह कहना जल्दबाजी होगी कि भारत पूरी तरह तैयार है। आज भी कई ग्रामीण क्षेत्रों में सिंचाई की सुविधाएं सीमित हैं। जल संरक्षण योजनाएं कागजों से आगे नहीं बढ़ पातीं। किसानों तक समय पर सही जानकारी पहुंचाने में भी कई बार कमी दिखाई देती है। सबसे बड़ी चुनौती यह है कि जलवायु परिवर्तन अब पहले से अधिक अनिश्चित और गंभीर होता जा रहा है। अलनीनो जैसी प्राकृतिक घटनाएं हमें यह संदेश देती हैं कि विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाए बिना भविष्य सुरक्षित नहीं हो सकता। भारत को केवल राहत योजनाओं पर नहीं, बल्कि दीर्घकालिक रणनीति पर ध्यान देना होगा। जल संरक्षण, वैज्ञानिक खेती, हरित ऊर्जा और पर्यावरण सुरक्षा को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाना समय की मांग है।

यदि केंद्र और राज्य सरकारें, वैज्ञानिक संस्थान, किसान और आम नागरिक मिलकर जिम्मेदारी निभाएं, तो भारत अलनीनो जैसी चुनौतियों का मुकाबला मजबूती से कर सकता है। संकट बड़ा है, लेकिन तैयारी और सामूहिक प्रयास उससे भी बड़े हो सकते हैं।

अलनीनो से फसलों पर पड़ेगा प्रभाव ?

विश्व मौसम व्यवस्था में होने वाले बदलावों का सबसे अधिक असर कृषि पर पड़ता है। भारत जैसे कृषि प्रधान देश में मानसून केवल मौसम नहीं, बल्कि करोड़ों किसानों की आजीविका और देश की खाद्य सुरक्षा का आधार है। ऐसे में जब प्रशांत महासागर में समुद्री तापमान बढ? से अलनीनो की स्थिति बनती है, तब उसका सीधा प्रभाव भारतीय मानसून और फसलों पर दिखाई देता है। यही कारण है कि अलनीनो को भारतीय कृषि के लिए एक गंभीर चेतावनी माना जाता है।

अलनीनो के दौरान सामान्यतः भारत में वर्षा कम होती है। मानसून कमजोर पड? से खेतों में पानी की कमी हो जाती है और खरीफ फसलें सबसे अधिक प्रभावित होती हैं। धान, मक्का, सोयाबीन, दालें और गन्ना जैसी फसलें पर्याप्त वर्षा पर निर्भर रहती हैं। जब समय पर बारिश नहीं होती, तब बुआई में देरी होती है, उत्पादन घटता है और किसानों की लागत बढ़ जाती है। कई क्षेत्रों में सूखे जैसी स्थिति उत्पन्न हो जाती है। धान की खेती पर अलनीनो का प्रभाव विशेष रूप से गंभीर माना जाता है। धान को अधिक पानी की आवश्यकता होती है, लेकिन वर्षा कम होने पर खेत सूखने लगते हैं और उत्पादन में भारी गिरावट आती है। इसी प्रकार दालों और तिलहन की फसलें भी कमजोर मानसून से प्रभावित होती हैं। पशुपालन पर भी इसका असर पड़ता है क्योंकि चारे की उपलब्धता कम हो जाती है।अलनीनो केवल खेती तक सीमित समस्या नहीं है, बल्कि इसका असर देश की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ता है। जब कृषि उत्पादन घटता है तो खाद्यान्न की कीमतें बढ? लगती हैं। इससे महंगाई बढ़ती है और आम जनता पर आर्थिक बोझ पड़ता है। किसानों की आय घटने से ग्रामीण बाजारों की क्रय शक्ति भी कमजोर होती है।लांकि, वैज्ञानिक तकनीकों और सरकारी तैयारियों के माध्यम से इसके प्रभाव को कम किया जा सकता है। मौसम पूर्वानुमान प्रणाली को मजबूत बनाना, सूखा-रोधी बीजों का उपयोग, जल संरक्षण, ड्रिप सिंचाई और फसल विविधीकरण जैसे उपाय किसानों को राहत दे सकते हैं। सरकार को समय रहते बीमा योजनाओं और राहत पैकेजों को प्रभावी ढंग से लागू करना चाहिए ताकि किसानों को नुकसान की भरपाई मिल सके।भारत को अब पारंपरिक खेती के साथ-साथ जलवायु परिवर्तन के खतरों को ध्यान में रखकर कृषि नीति बनानी होगी। अलनीनो यह संकेत देता है कि प्रकृति के बदलते स्वरूप के सामने केवल मेहनत नहीं, बल्कि वैज्ञानिक सोच और बेहतर प्रबंधन भी आवश्यक है। यदि समय रहते तैयारी की जाए तो इस चुनौती को अवसर में बदला जा सकता है और देश की कृषि व्यवस्था को अधिक मजबूत बनाया जा सकता है।

युद्ध, अविश्वास और बयानबाजी के बीच भारत का बढ़ता सम्मान

डॉ राघवेंद्र शर्मा

हम में कब कहां क्या बोलना चाहिए या नहीं बोलना चाहिए, या फिर हमें कब कहां क्या करना चाहिए क्या नहीं करना चाहिए, यह सावधानी बड़े मायने रखती है। क्योंकि हमारे विद्वान कह गए हैं -

बिना बेचारे जो करे सो पांछे से पछताय।
काम बिगाड़े आपनो, जग में होत हंसाय।।

अर्थात बिना विचार किये जो भी व्यक्ति कुछ कहता या करता है, वह खुद का काम तो बिगाड़ता ही है, साथ में हंसी का पात्र भी बनता है। आज यही हालत खुद को दुनिया का ठेकेदार मानने वाले देशों और वहां के कतिपय नेताओं की हो गई है।

अमेरिका ने ईरान पर हमला क्यों बोला ? सब जानते हैं। इजरायली राष्ट्रपति बेंजामिन नेतन्याहू की दुश्मनी डोनाल्ड ट्रंप ने अपने ऊपर क्यों ली? यह भी सबको पता है। रूस यूक्रेन लंबे समय से क्यों एक दूसरे के दुश्मन बने हुए हैं, यह भी किसी से छुपा नहीं है। रह जाती है खाड़ी देशों की बात, तो वहां से भी अच्छे समाचार नहीं मिल रहे। आपस में एक दूसरे के ठिकानों पर बमबारी करने की मजबूरी देखने को मिल रही है। लेकिन वैश्विक और क्षेत्रीय कुछ नेताओं ने युद्ध से पहले और युद्ध के दौरान जो कहा और किया, उस कृत्य ने उनकी वैश्विक छवि को हास्यास्पद बना दिया है। मसलन - ईरान को बर्बाद कर देने के दावे करने के बावजूद ईरान का और ज्यादा आक्रामक होते चले जाना, यूरोपीय एकता की मिसाल कहे जाने वाले नाटो का हालातो से किनारा कर जाना, युद्ध में अपनी जमीन का दुरुपयोग ना होने देंगे संबंधी फ्रांस का दो टूक जवाब, सीज फायर की नौबत आन पड़ी तो एक ओर समझौते की बात करना फिर साथ में इस युद्ध में उलझे हुए देशों द्वारा एक दूसरे को खत्म करने की धमकी भी देते चले जाना, ऐसे मामले हैं जो उपरोक्त मामलों में विद्वता झाड़ रहे बड़बोले नेताओं की गंभीरता को कम करते हैं। नतीजा यह है कि विश्व समझ ही नहीं पा रहा, परस्पर एक दूसरे से जूझ रहे देश के नेताओं की कौन सी बात मानें और कौन सी नहीं। यानि असमय और हर वक्त मुंह चलाने की आदत ने शाब्दिक जुगाली करने के आदी नेताओं को अविश्वसनीय बना दिया है। हालत यह बन गए हैं कि एक देश का राष्ट्र अध्यक्ष दूसरे को गंभीरता से लेना ही नहीं चाहता। हालत ये हो गई कि कल जिन देशों को शत्रु राष्ट्र समझा जा रहा था अब उन का साथ बैठना दोनों की मजबूरी के रूप में देखा जा रहा है। लेकिन जग हंसाई इस पर भी हो रही है कि नेता आपस में मिल रहे है। कैसे भी जंग समाप्त हो, इसके सच्चे झूठे रास्ते भी तलाश रहे हैं। लेकिन इसे अविश्वास की पराकाष्ठा ही कहा जाएगा कि स्वयं को विश्व का ठेकेदार समझने वाले ऐसे वातार्कार साझा प्रेस कांफ्रेंस करने की हिम्मत तक नहीं कर पा रहे । उससे भी ज्यादा अपमानजनक हालत यह बने कि एक राष्ट्र अध्यक्ष दूसरे राष्ट्र की यात्रा पर जा रहा है तो यजमान राष्ट्राध्यक्ष द्वारा प्रोटोकॉल के तहत आगंतुक अति विशिष्ट जन की सम्मानजनक अगवानी तक नहीं की जा रही

कुल मिलाकर अमेरिका ईरान का सीज फायर संकट में है। हॉर्मुज स्ट्रेट का मामला सिर दर्द बना हुआ है। रूस यूक्रेन पहले की तरह ही मोर्चे पर डटे हुए हैं। किसी की ताइवान तो किसी की क्यूबा पर गंदी नजर है। जिन्हें खुद पर गुरुर था अब वो खुद चलकर उन देशों की यात्रा कर रहे हैं, जिन्हें कल तक शत्रु देश कहा जा रहा था। हद तो यह है कि शाब्दिक जुगलियों के लिए बदनाम हो चुके स्वयंभू विद्वानों को मध्यस्थता के लिए भी मिला तो पाकिस्तान। वह पाकिस्तान, जिसके बारे में कहा जाता है कि कल उसका अस्तित्व दुनिया के नक्शे पर रहेगा भी या नहीं, इसकी कोई गारंटी नहीं है। क्योंकि पाकिस्तान खुद आतंकवाद को पाल पोसकर अपनी मौत का बंदोबस्त कर चुका है।

बड़ा आश्चर्य होता है यह सोचकर कि हमारे देश के अनेक विपक्षी नेता काफी चिल्लपों इस बात पर मचा रहे थे कि इतना सब हो रहा है, पर हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी कुछ नहीं बोल रहे। इस बात पर भी आपत्ति जताई गई कि बोलते भी हैं तो बेहद कम और अपने मतलब की बात करते हैं। अब जब पूरा वैश्विक परिदृश्य सामने है, तब ऐसे स्वयंभू ज्ञानियों को समझाना थोड़ा आसान प्रतीत होता है कि इस अशांति पूर्ण माहौल में अकारण मुंह चलाने वालों की कैसी दुर्दशा हो रही है? लेकिन एक हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी हैं, जो चुपचाप अपना कार्य करते चले जा रहे हैं। बड़बोले नेताओं के देश ईंधन से मेहरूम होकर बबार्दी की कगार पर हैं। जहां थोड़ा बहुत ईंधन है भी तो दाम दुगने चौगुने करने की लाचारी है। लेकिन भारत एकमात्र ऐसा देश है जो भारी हिंसा और युद्ध कालीन विभीषिकाओं के बीच भी शांति का टापू बना हुआ है। हमारे यहां डीजल पेट्रोल और रसोई गैस का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है। कारण सिर्फ यही है कि हमारे नेता श्री नरेंद्र मोदी दूसरों के मामले में अपनी टांग फंसाने का शौक नहीं रखते। और ना ही उन्हें यह मंजूर है कि कोई हमारे मामलों में अपनी नाक घुसेड़े। वे अमेरिका और इजरायल से बात करते हैं तो ईरान सहित अन्य खाड़ी देश का भी सम्मान बनाए रखते हैं। जहां भी बात करते हैं तो नेशन फर्स्ट की सोच आगे रखकर ही बेहद सधे हुए कदम बढ़ाते हैं। इसी परिपक्वता का परिणाम है

कि प्रधानमंत्री श्री मोदी हाल ही में जब 5 देशों की यात्रा पर गए तो हमेशा की तरह इस बार भी वहां के राष्ट्राध्यक्षों ने उनका बढ़-चढ़कर सम्मान किया। यहां तक कि उन्हें सर्वोच्च सम्मान से अलंकृत किए जाने की श्रृंखला लंबी होती रही। यही नहीं, उक्त देशों ने भारत के साथ आर्थिक, ऊर्जा, सुरक्षा और तकनीकी सहयोग के मामलों में बेहद प्रसन्नता के साथ अनुबंध किये।

इससे स्पष्ट हो जाता है कि वैश्विक स्तर पर भारत का दबदबा अन्य देशों की अपेक्षा ज्यादा तेजी से बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में वर्तमान भारत की आवाज और उसकी अपेक्षाओं को गंभीरता से लिया जाता है। काश यह बात दुनिया भर के राष्ट्राध्यक्षों के साथ-साथ हमारे देश के विपक्षी नेताओं की समझ में भी आ जाती।

(- लेखक मध्यप्रदेश योग आयोग के अध्यक्ष हैं।)

नक्सलवाद के साथ नक्सलवादी मानसिकता का खात्मा भी जरूरी

मनोज कुमार अग्रवाल

सरकार का सही दिशा में सही कदम इन क्षेत्रों और आमजन में न केवल विकास की नयी बुनियाद रखेगा वरन आमजन के भरोसे और विश्वास पर भी खरा उतरना होगा क्योंकि भौतिक तौर पर नक्सलवाद का खात्मा अलग बात है लेकिन नक्सलवादी मानसिकता को समूल नष्ट करना एक दीर्घ प्रक्रिया है और इस के लिए विश्वास भरोसा और ईमानदारी पर खरा उतरना होगा।

नक्सलवाद के लगभग पूरी तरह खत्म होने का दावा काफी हद तक सही है, क्योंकि हाल के वर्षों में सुरक्षा बलों ने नक्सलियों के खिलाफ निर्णायक जीत हासिल की है। सरकार द्वारा निर्धारित 31 मार्च, 2026 की समय-सीमा तक वामपंथी उग्रवाद को अपने सबसे मजबूत गढ़ों (जैसे बस्तर) से काफी पीछे धकेल दिया गया है।नक्सलवाद की समाप्ति के दावों का विश्लेषण करने पर पता चलता है कि जमीनी कार्रवाई में बड़ी सफलतासुरक्षा बलों ने नक्सल विरोधी अभियानों में भारी सफलता हासिल की है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले दो वर्षों में सैकड़ों कुख्यात नक्सली कमांडरों को मुठभेड़ में मार गिराया गया है और हजारों नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। घटता दायरा (रेड कॉरिडोर)कभी देश के करीब 180 जिलों में फैला नक्सली प्रभाव अब सिमटकर बहुत ही कम क्षेत्रों (मुख्य रूप से दक्षिण छत्तीसगढ़ के अंदरूनी इलाकों) तक रह गया है। मध्य प्रदेश जैसे कई राज्यों को आधिकारिक तौर पर नक्सल मुक्त घोषित किया जा चुका है लेकिन अभी नक्सली मानसिकता का समूल नष्ट करना बाकी है।

आपको बता दें कि भारत के लिए नक्सलवाद केवल कानून-व्यवस्था की समस्या नहीं था, बल्कि यह देश की आंतरिक सुरक्षा, लोकतांत्रिक व्यवस्था और आदिवासी समाज के भविष्य से जुड़ा एक गहरा संकट था। दशकों तक नक्सल हिंसा ने देश के अनेक हिस्सों, विशेषकर छत्तीसगढ़ के बस्तर जैसे क्षेत्रों को भय, अविश्वास और पिछड़ेपन के अंधेरे में धकेले रखा। उससे मुक्ति निश्चित रूप से स्वागत योग्य है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बस्तर को नक्सलवाद से मुक्त बताते हुए यह भी कहा कि अब सरकार की जिम्मेदारी पिछले 50 वर्षों के नुकसान की भरपाई करना है और बस्तर को देश के सबसे विकसित आदिवासी क्षेत्रों में शामिल करना है। सरकारी बयान के अनुसार, 3,000 आत्मसमर्पण कर चुके नक्सलियों को सम्मानजनक जीवन देने और बस्तर को विकसित भारत की यात्रा से जोड़ने पर जोर दिया गया है। ऐसे में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा बस्तर से यह कहना कि भारत नक्सलवाद से मुक्का हो चुका है, निस्संदेह एक ऐतिहासिक क्षण है। यह घोषणा केवल सरकार की उपलब्धि नहीं, बल्कि उन हजारों जवानों, पुलिसकर्मियों, स्थानीय आदिवासियों और निदर्दोष नागरिकों के संघर्ष की परिणति है, जिन्होंने इस लंबी लड़ाई में अपनी जान, परिवार और भविष्य तक दांव पर लगा दिया। नक्सलवाद का इतिहास देश के लिए पीड़ा से भरा रहा है। 1970 के दशक से लेकर लंबे समय तक यह हिंसक विचारधारा गरीबों, आदिवासियों और वंचितों के नाम पर बंदूक की राजनीति करती रही। जिन लोगों के

अधिकारों की बात कर नक्सल आंदोलन खड़ा किया गया था, सबसे अधिक नुकसान भी उन्हीं गरीबों और आदिवासियों को उठाना पड़ा। स्कूल जलाए गए, सड़कें नहीं बनने दी गई, स्वास्थ्य केंद्रों का विरोध हुआ, सरकारी योजनाओं को गांवों तक पहुंचने से रोका गया और युवाओं को शिक्षा के बजाय हथियार थमा दिए गए।

आपको पता है कि यह विडंबना ही थी कि विकास के नाम पर शुरू हुआ आंदोलन विकास का सबसे बड़ा विरोधी बन गया। बस्तर इसका सबसे बड़ा उदाहरण रहा है। प्राकृतिक संपदा, आदिवासी संस्कृति और मानवीय संभावनाओं से भरपूर यह क्षेत्र लंबे समय तक भय का दूसरा नाम बना रहा। रात में आवाजाही चंद, गांवों में खामोशी, स्कूलों में ताले, सड़क निर्माण पर हमला और सुरक्षा बलों पर घात लगाकर वार, यह सब बस्तर की सामान्य पहचान बन चुका था। नक्सलियों के डर के कारण सरकारी योजनाएं कागजों में रह जाती थीं और आम आदिवासी नागरिक अपने ही देश की विकास यात्रा से कट जाता था। थान की खरीद, मुफ्त राशन, शिक्षा, नौकरी में आरक्षण, स्वास्थ्य रक्षण, स्वास्थ्य सुविधा और सड़क जैसी बुनियादी वीजें भी कई इलाकों में सपने जैसी थीं। इसलिए जब गृह मंत्री ने कहा कि बस्तर के लिए यह बड़ा दिन है और देश नक्सलवाद से मुक्त हो चुका है, तो यह बयान केवल राजनीतिक घोषणा नहीं माना जाना चाहिए। यह उन सुरक्षा बलों के परिश्रम की मान्यता है, जिन्होंने बेहद कठिन भौगोलिक परिस्थिति, जंगलों, पहाड़ियों और बारूदी सुरंगों के बीच संघर्ष किया। सीआरपीएफ, कोबरा कमांडो, डीआरजी, राज्य पुलिस और स्थानीय सुरक्षा बलों ने जिस साहस, धैर्य और रणनीति के साथ अभियान चलाए, यह भारत की आंतरिक सुरक्षा नीति का एक महत्वपूर्ण अध्याय है। इस सफलता में स्थानीय आदिवासी समाज की भूमिका भी कम नहीं है। जब स्थानीय जनता का भरोसा शासन और सुरक्षा बलों पर बढ़ता है, तभी किसी भी हिंसक आंदोलन की जमीन कमजोर होती है। नक्सलवाद के खिलाफ जीत केवल सैन्य या पुलिस कार्रवाई से संभव नहीं थी। इसकी असली सफलता सुरक्षा और विकास के संतुलित मॉडल में निहित है। यदि बंदूक के जवाब में केवल बंदूक होती, तो समस्या शायद कमजोर होती, लेकिन समास नहीं होती। नक्सलवाद को जड़ से खत्म करने के लिए जरूरी था कि गांवों तक सड़क पहुंचे, बच्चों तक स्कूल पहुंचे, बीमारों तक अस्पताल पहुंचे और युवाओं तक रोजगार पहुंचे। अब जब सरकार यह कह रही है कि बस्तर को देश का सबसे विकसित आदिवासी क्षेत्र बनाया जाएगा, तो मही इस सफलता की अगली कसौटी होगी। गृह मंत्री द्वारा केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के 70 कैंपों को विकास के यन-स्टॉप सेंटर के रूप में विकसित करने की बात अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसका अर्थ यह है कि जो कैप पहले केवल सुरक्षा के प्रतीक थे, वे अब सरकारी योजनाओं, जनसेवा और विश्वास निर्माण के केंद्र बनेंगे। यदि इन केंद्रों के माध्यम से आदिवासियों को 370 सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे मिले, तो यह बस्तर की दिशा बदल सकता है। लेकिन इसके लिए कागजी घोषणा से अधिक जमीन पर ईमानदार क्रियान्वयन की आवश्यकता होगी। अधिकारी गांवों तक जाएं, आदिासी भाषाओं और संस्कृति को समझें, स्थानीय जरूरतों के आधार पर योजनाएं बनें और भ्रष्टाचार को सख्ती से रोका जाए। इसके लिए जमीन अधिकार, चन अधिकार, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, इंटरनेट, सड़क, पेयजल और स्थानीय भागीदारी को प्राथमिकता देनी होगी। आदिवासी समाज को विकास का केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि भागीदार बनाना होगा। बस्तर का विकास दिल्ली या रायपुर के दफ्तरों से नहीं, बल्कि बस्तर के गांचों, युवाओं, महिलाओं और पारंपरिक नेतृत्व की सहभागिता से तय होना चाहिए। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने कभी माओवादी हिंसा को देश की सबसे बड़ी आंतरिक सुरक्षा चुनौती चताया था। यह स्वीकारोक्ति इस समस्या की गंभीरता को दशार्ती थी। यदि आज देश उस चुनौती से निर्णायक मुक्ति की ओर बढ़ा है, तो यह भारतीय राज्य की दीर्घकालिक क्षमता, सुरक्षा बलों के त्याग और लोकतांत्रिक शासन की मजबूती का प्रमाण है। मोदी सरकार के कार्यकाल में आंतरिक सुरक्षा, विकास और निर्णायक नीति निर्माण को लेकर कई बड़े कदम उठाए गए हैं। नक्सलवाद के विरुद्ध मिली सफलता उनमें अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाएगी, क्योंकि इसका सीधा संबंध आम नागरिक की सुरक्षा और राष्ट्र की अखंडता से है। बस्तर की देश का सबसे विकसित आदिवासी क्षेत्र बनाने का लक्ष्य केवल एक राजनीतिक बादा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय कर्तव्य है। जिन गांवों ने दशकों तक गोली की आवाज सुनी, यहां अब स्कूलों की घंटी बजनी चाहिए। जिन रास्तों पर बारूदी सुरंगें बिछाई जाती थीं, वहां अब एम्बुलेंस, बसें और बाजार पहुंचने चाहिए। जिन युवाओं को बंदूक दी गई थी, उनके हाथों में अब किताब, कंप्यूटर और रोजगार के अवसर होने चाहिए। यही नक्सलवाद पर अंतिम और वास्तविक विजय होगी। नक्सलमुक्त भारत की घोषणा ऐतिहासिक है, लेकिन विकसित चस्तर का निर्माण उससे भी बड़ा कार्य है। सुरक्षा बलों ने अपना कर्तव्य निभा दिया है। अब बारी शासन, प्रशासन और समाज की है। अगर बस्तर बदलेगा, तो भारत की विकास यात्रा और मजबूत होगी। सच यही है कि विकसित भारत का सपना तब तक अधूरा रहेगा, जब तक बस्तर और देश के हर आदिवासी क्षेत्र को न्यायपूर्ण विकास, सम्मान और सुरक्षा का पूरा अधिकार नहीं मिल जाता।

सरकार का सही दिशा में सही कदम इन क्षेत्रों और आमजन में न केवल विकास की नयी बुनियाद रखेगा वरन आमजन के भरोसे और विश्वास पर भी खरा उतरना होगा क्योंकि भौतिक तौर पर नक्सलवाद का खात्मा अलग बात है लेकिन नक्सलवादी मानसिकता को समूल नष्ट करना एक दीर्घ प्रक्रिया है और इस के लिए विश्वास भरोसा और ईमानदारी पर खरा उतरना होगा।
~~~~~~~~~

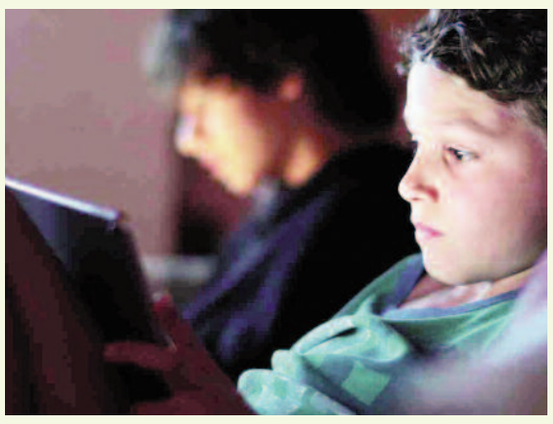

इस प्रकार बच्चों को मोबाइल की आदत से दूर करें

आजकल के बच्चों में मोबाइल फोन की आदत बहुत तेजी से बढ़ रही है। छोटा-सा बच्चा भी बार-बार फोन मांगता है, रोता है, जिद करता है और बिना फोन के चुप नहीं बैठता। यह आदत न सिर्फ पढ़ाई पर असर डालती है, बल्कि आंखों की रोशनी, नींद और व्यवहार पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है लेकिन अच्छी बात यह है कि थोड़ी समझदारी और लगातार कोशिश से इस आदत को छुड़ाया जा सकता है। इन तीन उपायों से बच्चा खुद फोन कम मांगेगा।

स्क्रीन टाइम तय करें

सबसे पहले घर में एक साफ नियम बनाएं कि फोन या टैबलेट सिर्फ तय समय पर ही इस्तेमाल होगा, जैसे दिन में 30-60 मिनट से ज्यादा नहीं. बच्चे को पहले से बता दें कि 'खेलने के बाद 30 मिनट फोन, फिर बंद!'

फोन की सेटिंग में जाकर स्क्रीन टाइम लिमिट लगा दें! एंड्रॉयड या आईफोन में पैरेंटल कंट्रोल ऑन करें, जहां आप ऐप्स को लॉक कर सकते हैं या समय खत्म होने पर ऑटोमैटिक बंद हो जाए। जब बच्चा बार-बार मांगे तो प्यार से कहें, 'देखो, टाइमर खत्म हो गया, अब हम साथ कुछ और खेलेंगे.' इससे बच्चे को लगेगा कि नियम सबके लिए हैं, न कि सिर्फ उस पर रोक लगी है. धीरे-धीरे वह आदत डाल लेगा और जिद कम होगी।

बच्चे को रोचक काम दें

ज्यादातर बच्चे फोन इसलिए मांगते हैं क्योंकि उन्हें कुछ और करने को नहीं मिलता. बोर होने पर फोन सबसे आसान लगता है। इसलिए घर में दूसरी एक्टिविटी बढ़ाएं। जैसे- बाहर पार्क में खेलना, साइकिल चलाना, घर में बोर्ड गेम खेलना, पेंटिंग करना, किताब पढ़ना या साथ मिलकर खाना बनाना. बच्चे को शामिल करें, जैसे 'आज हम सब मिलकर टेंट बनाएंगे!' या 'चलो, तुम्हारी फेवरेट स्टोरी सुनाऊं।'

जब बच्चा व्यस्त रहेगा तो फोन की याद ही नहीं आएगी. शुरुआत में मुश्किल लगेगा, लेकिन 7-10 दिन में फर्क दिखेगा. बच्चा खुद कहेगा, 'मम्मी, चलो खेलें!'

स्वयं परिवार साथ मिलकर कम फोन यूज करें

बच्चे वही सीखते हैं जो देखते हैं. अगर मम्मी-पापा खुद दिनभर फोन में लगे रहें तो बच्चा भी वैसा ही करेगा।

सबसे पहले खुद फोन कम यूज करें। खाना खाते वक्त, बात करते वक्त या बच्चे के साथ खेलते वक्त फोन साइड में रखें। परिवार में 'नो फोन जोन' बनाएं, जैसे डिनर टेबल या बेडरूम में फोन न लाएं। सब मिलकर गेम खेलें, बातें करें या घूमने जाएं.

जब बच्चा देखेगा कि घर में सब फोन कम यूज कर रहे हैं तो वह भी आसानी से मान जाएगा। ये तरीके सबसे ज्यादा असरदार है क्योंकि बच्चा कॉपी करता है। इससे न सिर्फ बच्चे की फोन मांगने की आदत कम होगी, बल्कि परिवार में प्यार, बातचीत और खुशी बढ़ेगी। शुरुआत में बच्चा रो सकता है या जिद कर सकता है, लेकिन प्यार और धैर्य से समझाएं।

इन विटामिन वाले आहारों से बच्चों की आंखें होंगी तेज

ज्यादातर मोबाइल और लैपटॉप इस्तेमाल करने के कारण आजकल बच्चों की आंखे कमजोर होने लगी हैं। इसके अलावा गलत खान-पान भी बच्चों की आंखे कमजोर होने के मुख्य कारण है। ऐसे में छोटी उम्र में ही उन्हें चश्मा लगने लगा है। इसके अलावा पोषण की कमी के कारण भी बच्चों की आंखे कम उम्र में ही कमजोर होने लगती हैं। ऐसे में बच्चों की आंखों को तेज बनाने इन विटामिनों से भरे फल उन्हें दें।

विटामिन-ई

विटामिन-ई से भरपूर आहार आप बच्चों की डाइट में शामिल कर सकते हैं। इसके लिए आप बच्चों को बादाम, मूंगफली, मक्के का तेल, सरसों के बीज जैसी चीजें खिला सकते हैं।

विटामिन-ए

यह शरीर की इम्यूनिटी मजबूत बनाने और आई साइट को मजबूत बनाने में मदद करता है। शरीर में यदि इस विटामिन की कमी हो जाए तो बच्चों की आंखे तेजी से कमजोर होने लगती है। ऐसे में आप उन्हें डाइट में अंडा, लीवर, दूध, हरी सब्जियां, स्वीट पोटैटो, रंग-बिरंगे फल आदि खाने के लिए दें।

जिंक की कमी भी आंखों में रोशनी कम होने की समस्या बढ़ सकती है। जिकं की कमी बच्चों के शरीर से पूरी करने के लिए आप उन्हें ओएस्टर, गेंहू और तरह के नट्स दे सकते हैं।

ओमेगा 3 फैटी एसिड

इसकी कमी होने के कारण भी बच्चों की आंखें कमजोर हो सकती हैं। ऐसे में बच्चों के शरीर में से ओमेगा-3 फैटी एसिड की कमी पूरी करने के लिए आप ड्राई फ्रूट्स, कोल्ड वॉटर फिश, ब्रोकली उन्हें दे सकते हैं।

गधे को हुआ राजा बनने का शौक

एक घना और हरा-भरा जंगल था, जिसका नाम था 'सुंदरवन'। इस जंगल में हर तरफ हरियाली थी और नदी की कल-कल करती आवाजें गूंजती रहती थीं।

जंगल के किनारे एक छोटा सा गांव था। उस गांव में रामू नाम का एक धोबी रहता था, जिसके पास एक गधा था - 'भोलू'। भोलू दिन भर कपड़े ढोता और रात को खूंटे से बंधा रहता। भोलू अपने इस जीवन से बहुत परेशान था। उसे लगता था कि वह किसी महान काम के लिए बना है। अक्सर रात के सन्नाटे में जब वह जंगल की तरफ देखता, तो उसे लगता कि काश! वह इस जंगल का राजा होता।

एक दिन रामू धोबी किसी काम से शहर गया और भोलू को खूंटे से बांधना भूल गया। भोलू ने मौका देखा और अपनी आजादी की ओर कदम बढ़ा दिए। वह भागता हुआ सीधे सुंदरवन के घने जंगल में जा पहुंचा।

जंगल में घुसते ही उसे एक अजीब सी आज़ादी का अहसास हुआ। तभी उसकी नज़र एक पुराने खंडहर पर पड़ी। वह किसी जमाने में एक राजा का शिकारगाह हुआ करता था। वहां भोलू को एक पुराना सा राजसी लबादा (कपड़ा) और एक पीतल का चमचमाता हुआ मुकुट मिला, जो शायद कोई इंसान वहां भूल गया था। भोलू ने तुरंत वह लबादा ओढ़ लिया और सिर पर मुकुट रख लिया। पानी में अपनी परछाई देखकर भोलू को लगा कि वह सचमुच कोई महान सम्राट लग रहा है।

अब भोलू ने अपनी चाल बदल ली। वह सीना तानकर और अकड़कर चलने लगा। सबसे पहले उसकी मुलाकात 'चंपक' नाम के एक सीधे-सादे खरगोश से हुई। खरगोश ने जब मुकुट पहने हुए इस अजीबोगरीब जानवर को देखा, तो वह डर गया।

भोलू ने अपनी आवाज़ को भारी बनाते हुए कहा, 'डरो मत छोटे जीव! मैं दूर देश के जंगलों का महाराजा हूँ। भगवान ने मुझे तुम लोगों की रक्षा के लिए इस जंगल में भेजा है। सुना है तुम्हारे जंगल का शेर अब बहुत बूढ़ा हो गया है?'

खरगोश तुरंत भागकर जंगल के बाकी जानवरों को यह खबर देने चला गया। यह बात जंगल में आग की तरह फैल गई।

कुछ ही देर में हाथी, हिरण, बंदर और जेब्रा भोलू के पास आ गए। भोलू एक ऊंचे पत्थर पर बैठ गया। उसने जानवरों को संबोधित करते हुए कहा, 'मेरे प्यारे वनवासियों! मैं देख रहा हूँ कि इस जंगल में कोई व्यवस्था नहीं है। शेर सिर्फ डराकर राज करता है। अगर तुम मुझे अपना राजा मान लो, तो मैं तुम्हें कभी शिकार नहीं बनाऊंगा। पूरे जंगल में लोकतंत्र होगा और हर रोज मीठी घास की दावत होगी!'

हिरण और बंदर भोलू की इन मीठी बातों में आ गए। उन्हें लगा कि शायद यही वो आदर्श राजा है जिसकी उन्हें तलाश थी। जानवरों ने जयकारे लगाने शुरू कर दिए - 'नए राजा की जय हो! महाराजा की जय हो!'

एक चतुर लोमड़ी भी थी, जिसका नाम था 'चलाकी'। लोमड़ी को भोलू की शक्ल और उसके लंबे कान देखकर कुछ शक हुआ। उसने सोचा कि यह जानवर शेर और हाथी से भी बड़ा राजा कैसे हो सकता है? इसके पैर तो बिल्कुल गधे जैसे दिख रहे हैं!

लोमड़ी ने धीरे से जाकर यह सारी बात जंगल के असली राजा, शेर सिंह को बता दी। शेर सिंह अपनी गुफा में आराम कर रहा था। यह सुनकर उसे भी अचरज हुआ कि उसके जीते-जी जंगल में कोई नया राजा कैसे आ गया? वह तुरंत अपने मंत्रियों (भालू और चीते) को लेकर उस जगह की ओर निकल पड़ा।

इधर भोलू का राज्याभिषेक चल रहा था। बंदर उसे फलों की माला पहना रहे थे और हाथी अपनी सूंड से उस पर पानी छिड़क कर 'शाही स्नान' करा रहे थे। भोलू खुशी से फूला नहीं समा रहा था। उसे लगा कि उसका 'गधे से राजा बनने का शौक' पूरा हो गया है।

तभी अचानक एक भयंकर दहाड़ से पूरा जंगल कांप उठा। 'ग्रर्रर्रर...!!'

शेर सिंह वहां पहुंच चुका था। उसकी लाल आंखें और रौद्र रूप देखकर सारे जानवर कांपने लगे और पीछे हट गए।

शेर सिंह ने भोलू की तरफ घूरते हुए कहा, 'कौन हो तुम? और मेरे जंगल में राजा बनने की तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई?'

भोलू शेर को देखकर अंदर तक कांप गया। उसकी सारी अकड़ हवा हो गई। लेकिन उसने सोचा कि अगर वह भी एक ज़ोरदार दहाड़ लगाएगा, तो शायद शेर डर जाएगा। भोलू ने पूरा ज़ोर लगाया, अपनी छाती फुलाई, आंखें बंद कीं और अपनी पूरी ताकत से आवाज़ निकाली।

लेकिन भोलू ठहरा एक गधा! उसके मुंह से शेर की दहाड़ की जगह एक ज़ोरदार आवाज़ निकली - 'ढेंचू! ढेंचू! ढेंचू!'

यह आवाज़ सुनकर जंगल के सारे जानवर सन्न रह गए। उसी समय भोलू के सिर से वह पीतल का मुकुट भी नीचे गिर गया और उसका लबादा खिसक गया। अब सबके सामने एक साधारण सा गधा खड़ा था जो डर के मारे थर-थर कांप रहा था।

शेर सिंह यह देखकर ज़ोर-ज़ोर से हंसने लगा। 'हाहाहा! तो तुम एक गधे हो! और चले थे जंगल के राजा बनने?'

चतुर लोमड़ी ने ताना मारते हुए कहा, 'देखा दोस्तों! मैंने कहा था ना कि कपड़े बदलने से किसी की असलियत नहीं बदलती।'

बंदर, खरगोश और हिरण को अपनी मूर्खता पर बहुत शर्म आई। भोलू शेर के पैरों में गिर पड़ा और रोते हुए बोला, 'मुझे माफ़ कर दीजिये महाराज! मुझे बस राजा बनने का शौक चढ़ गया था। मैं अब कभी ऐसी गलती नहीं करूंगा।'

शेर सिंह ने मुस्कुराते हुए कहा, 'मैं तुम्हें मारूंगा नहीं गधे, क्योंकि तुमने मुझे आज बहुत हंसाया है। लेकिन यह जंगल तुम्हारा घर नहीं है। वापस अपने मालिक के पास जाओ और वही काम करो जिसके लिए तुम बने हो।'

भोलू वहां से दुम दबाकर जो भागा, तो सीधे रामू धोबी के घर जाकर ही रुका। उस दिन के बाद से भोलू ने फिर कभी राजा बनने का सपना नहीं देखा और चुपचाप अपना काम करने लगा।

बच्चों और बड़ों के लिए लिखी गई यह प्रेरक कहानी हमें एक बहुत बड़ी सीख देती है कि - 'केवल बाहरी रूप और कपड़े बदल लेने से कोई महान नहीं बन जाता। इंसान (या जानवर) की असली पहचान उसके गुणों और उसकी असलियत से होती है। जो हम हैं, हमें वही रहना चाहिए और दिखावे से बचना चाहिए।'

बच्चों में कैल्शियम की कमी का इस प्रकार पता चलेगा

कैल्शियम बच्चों के लिए बेहद जरूरी है। इसकी कमी से हड्डियां कमजोर हो जाती है। ऐसे में बच्चों के लिए भी ये काफी जरुरी होता है। इसकी कमी से उनके शरीर पर विपरीत प्रभावि पड़ता है। । ये उनकी हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाने में मदद करता है। जैसे-जैसे बच्चे बड़े होते हैं, उनकी कैल्शियम की जरूरत भी बढ़ जाती है। अगर बच्चों को सही मात्रा में कैल्शियम नहीं मिलता, तो उनके शारीरिक और मानसिक विकास पर विपरी त प्रभाव पड़ता है।

कमी के हैं ये संकेत

कैल्शियम की कमी से बच्चों की हड्डियां कमजोर हो जाती हैं। इसके कारण बच्चों को चलने-फिरने में परेशानी हो सकती है और वे दर्द महसूस कर सकते हैं। इससे शिशु को उठने और बैठने में भी मुश्किल हो सकती है ।दांतों की समस्याएं : नवजात शिशुओं में दांतों का देर से आना, दांत कमजोर होना या दांतों में कैविटी की समस्या कैल्शियम की कमी के संकेत होत हैं। मांसपेशियों में दर्द : कैल्शियम की कमी से बच्चों की मांसपेशियों में ऐंठन और दर्द हो सकता है। यह एक सामान्य लक्षण है जिसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

शारीरिक विकास की धीमी गति : अगर बच्चे की लंबाई और वजन अपेक्षित दर से कम बढ़ रहे हैं, तो यह भी कैल्शियम की कमी का संकेत हो सकता है। ऐसे में डॉक्टर से बच्चों की शारीरिक विकास की ट्रैकिंग के लिए सलाह लें।

चिड़चिड़ापन : बच्चों का चिड़चिड़ा होना सामान्य हो सकता है, लेकिन अगर बच्चा हमेशा चिड़चिड़ा रहता है और छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा करता है, तो यह कैल्शियम की कमी का एक संकेत हो सकता है।

इस प्रकार कमी दूर करे

कैल्शियम युक्त आहार : बच्चों की डाइट में कैल्शियम से भरपूर खाद्य पदार्थों को शामिल करें। दूध, पनीर, दही और छाछ जैसे खाद्य पदार्थ बच्चों के शरीर में कैल्शियम की कमी को पूरा कर सकते हैं।

ड्राई फ्रूट्स का सेवन : बच्चों को रोजाना 4 बादाम और 1 अंजीर खिलाएं। इन दोनों में कैल्शियम और विटामिन्स की भरपूर मात्रा पाई जाती है। हमेशा बादाम और अंजीर को पानी में भिगोकर दें।

विटामिन डी की प्राप्ति : विटामिन डी कैल्शियम के अवशोषण में मदद करता है। बच्चों को सूरज की रोशनी में बैठने के लिए प्रेरित करें। रोजाना कम से कम आधे घंटे के लिए उन्हें धूप में खेलने का समय दें।

नियमित स्वास्थ्य जांच : कैल्शियम की कमी का पता लगाने के लिए बच्चों की नियमित मेडिकल जांच कराना बहुत जरूरी है। डॉक्टर से सलाह लेकर हर 3 महीने में बच्चे की जांच करवाएं।

सेबी ने कर्मचारियों को हफ्ते में एक दिन घर से काम की दी सलाह

बाजार नियामक ने सम्मेलनों और गैर-जरूरी यात्रा से बचने को भी कहा

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बचत की अपील के बाद बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने ऊर्जा संरक्षण और मौजूदा भू-राजनीतिक हालात के मद्देनजर बड़ा कदम उठाया है। सेबी ने अपने कर्मचारियों को अगले आठ हफ्तों के लिए हफ्ते में एक दिन घर से काम करने की सलाह दी है। यह कदम 25 मई से प्रभावी होगा। सेबी ने अपनी प्रशासनिक सलाह में कहा है कि ग्रेड ए से सी तक के अधिकारियों को रोटेशन के आधार पर यह सुविधा मिलेगी, जबकि ग्रेड डी और उससे ऊपर के अधिकारी, चेयरमैन/पूर्णकालिक सदस्यों के कार्यालयों में तैनात कर्मचारी तथा सेक्रेटेरियल कैडर के सभी कर्मचारी नियमित रूप से कार्यालय आएंगे। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि किसी भी समय ग्रेड ए से सी तक के कम से कम 50 प्रतिशत अधिकारी कार्यालय में मौजूद रहें। ऊर्जा बचाने के अन्य उपायों के तहत, सेबी ने विभागों को अगले आठ हफ्तों के लिए सम्मेलनों और विचार-मंथन कार्यक्रमों को टालने तथा गैर-जरूरी यात्रा से बचने का निर्देश दिया है। कर्मचारियों को सार्वजनिक परिवहन, कारपूलिंग और इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को प्रोत्साहित किया गया है, साथ ही हितधारकों के साथ वर्चुअल बैठकें करने की सलाह दी गई है। घर से काम करने वाले कर्मचारियों के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) भी जारी की गई है, जिसकी आठ हफ्ते बाद समीक्षा की जाएगी।

एलआईसी की रणनीति का दिख रहा असर, नॉन-पार पॉलिसियों ने बढ़ाया वीएनबी

मजबूत चौथी तिमाही के प्रदर्शन के बाद बीमा कंपनी के शेयर में उछाल

नई दिल्ली ।

भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) अपनी पॉलिसी रणनीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव कर रहा है, जिसके तहत कंपनी अब ज्यादा सम-एश्योर्ड और नॉन-पार्टिसिपेटिंग (नॉन-पार) पॉलिसियों पर ध्यान केंद्रित कर रही है। इस रणनीतिक बदलाव का सकारात्मक असर मार्च तिमाही के वित्तीय परिणामों में साफ दिखाई दिया है, जहाँ कंपनी के नए बिजनेस के मूल्य (वीएनबी) मार्जिन में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया। इस शानदार प्रदर्शन के बाद, प्रमुख ब्रोकरेज फर्मों ने एलआईसी के लिए अपने कमाई के अनुमान और कीमत लक्ष्य बढ़ा दिए हैं, जिससे निवेशकों में उत्साह बढ़ा है और कंपनी के शेयर में भी तेजी देखी गई।

एलआईसी के रणनीतिक बदलाव ने मार्च तिमाही में उसके वित्तीय स्वास्थ्य को काफी मजबूती दी है। एमके ग्लोबल के अनुसार, चौथी तिमाही में एलआईसी का वीएनबी मार्जिन 25.7 प्रतिशत रहा, जो उनके 20.5 प्रतिशत के अनुमान से काफी अधिक था। इस मजबूत प्रदर्शन के बाद, ब्रोकरेज फर्म ने वित्त वर्ष 2027 और 2028 के लिए वीएनबी मार्जिन अनुमानों को 200-240 आधार अंक तक बढ़ाया है, जिससे इन वर्षों के लिए वीएनबी अनुमानों में 15-16 प्रतिशत की वृद्धि की संभावना है।

जेएम फाइनैंशियल ने वित्त वर्ष 2026 में मार्जिन में 360 आधार अंक की बढ़ोतरी का मुख्य श्रेय अनुकूल पॉलिसी मिश्रण को दिया है। प्रबंधन ने इस बात पर जोर दिया कि नॉन-पार सेगमेंट एलआईसी का सबसे अधिक लाभदायक व्यवसाय बना हुआ है, जिसने वित्त वर्ष 2026 में कुल वीएनबी में 53 प्रतिशत का योगदान दिया। जेएम फाइनैंशियल का अनुमान है कि व्यक्तिगत नॉन-पार बिजनेस के लिए मार्जिन 49 प्रतिशत, पार बिजनेस के लिए 12 प्रतिशत और ग्रुप बिजनेस के लिए 11 प्रतिशत रहेगा, जो कंपनी के व्यावसायिक मिश्रण की लाभदायकता को दर्शाता है। हालांकि, इक्विटी बाजारों में लगभग 10 प्रतिशत की गिरावट के कारण चौथी तिमाही में एलआईसी की एम्बेडेड वैल्यू (ईवी) में 6.2 प्रतिशत की कमी आई, जो 7.89 लाख करोड़ रुपये रही। यह सालाना आधार पर सिर्फ 1.6 प्रतिशत ज्यादा थी। एमके ग्लोबल ने बताया कि ईवी पर नकारात्मक आर्थिक बदलावों और परसिस्टेंसी व खर्चों से जुड़ी परिचालन धारणाओं में बदलावों का असर पड़ा। इसके बावजूद, जेएम फाइनैंशियल को उम्मीद है कि एलआईसी एम्बेडेड वैल्यू पर 11-12 प्रतिशत का परिचालन प्रतिफल देगी और वित्त वर्ष 2026-2028 के दौरान ईवी 14 प्रतिशत सीएजीआर की दर से बढ़ेगी। शुक्रवार को एलआईसी का शेयर 1.58 प्रतिशत बढ़कर 813.35 रुपये पर बंद हुआ।

कच्चे कपास पर 11 फीसदी आयात शुल्क हटाएगी सरकार टेक्सटाइल सेक्टर को मिलेगी राहत

नई दिल्ली।

कच्चे कपास की सभी किस्मों पर लागू 11 प्रतिशत आयात शुल्क को अस्थायी रूप से हटाने की तैयारियां जोर पकड़ रही हैं। सूत्रों के अनुसार सरकार 1 जुलाई से 31 अक्टूबर 2026 तक चार महीने की अवधि के लिए यह शुल्क हटाने पर विचार कर रही है, जिसका उद्देश्य वस्त्र उद्योग को तत्काल राहत प्रदान करना है। हालांकि, इस कदम के संभावित प्रभावों को लेकर सरकारी मंत्रालयों और हितधारकों के बीच मंथन जारी है, जहाँ टेक्सटाइल क्षेत्र राहत की उम्मीद कर रहा है, वहीं किसानों के हितों की रक्षा को लेकर चिंताएं भी उठाई जा रही हैं। वस्त्र उद्योग लंबे समय से इस शुल्क को हटाने की वकालत कर रहा है। उनका कहना है कि घरेलू कपास की कम पैदावार और पश्चिम एशिया संकट के कारण बढ़ी कीमतों के मद्देनजर यह कदम क्षेत्र को तत्काल राहत देगा और वैश्विक बाजारों में भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाएगा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय जैसे नेताओं ने भी नौकरियों के नुकसान और घरेलू उद्योग की सुरक्षा के लिए प्रधानमंत्री से इसे रद्द करने का आग्रह किया है। उद्योग का मानना है कि मौजूदा शुल्क उत्पादन लागत बढ़ाता है और सिंथेटिक फाइबर की ओर अनावश्यक झुकाव पैदा करता है, क्योंकि उस पर शुल्क छूट मिलती है। वहीं सरकार के कुछ अधिकारियों और कपास व्यापार से जुड़े वर्गों का तर्क है कि सीमित समय के लिए शुल्क हटाने से किसानों पर कोई बड़ा नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा।

उनका यह भी कहना है कि निर्यातक एडवांस लाइसेंस स्कीम के तहत शून्य शुल्क पर आयात कर सकते हैं, इसलिए निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता बाधित होने का तर्क निराधार है। इन वर्गों को पिछली बार शुल्क हटाने के अनुभव से डॉलर के बहिर्वाह (1.1-1.2 अरब डॉलर) और खरीफ बुवाई से ठीक पहले किसानों के हितों को नुकसान पहुंचने का डर है, खासकर उन किसानों के लिए जिन्होंने बेहतर कीमतों की उम्मीद में लगभग 40 लाख गांठें रोक रखी हैं।

सुजलॉन एनर्जी को मिला एक और बड़ा ऑर्डर, रॉकेट बनेगा कंपनी का शेयर

मुंबई ।

विंड एनर्जी बनाने वाली भारत की प्रमुख कंपनी सुजलॉन एनर्जी को सनश्योर एनर्जी से 195 मेगावाट का एक नया और महत्वपूर्ण ऑर्डर मिला है। यह एक 'रिपीट ऑर्डर' है, जो सुजलॉन के पिछले काम से सनश्योर एनर्जी की संतुष्टि को दिखाता है। इस नए ऑर्डर के साथ, सुजलॉन के खास 3 मेगावाट प्लेटफॉर्म वाले विंड टर्बाइनों की कुल बिक्री अब करीब 9 गीगावाट (गीगावाट) तक पहुंच गई है, जो कंपनी के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। यह प्रोजेक्ट कर्नाटक के बीजापुर जिले में स्थापित होगा, जहां सुज़लॉन हवा से बिजली बनाने वाले 65 अत्याधुनिक टर्बाइन लगाएगी, जिसमें से प्रत्येक की क्षमता 3 मेगावाट है। कंपनी इन मशीनों की आपूर्ति के साथ-साथ उनके इंस्टॉलेशन, कमीशनिंग और उसके बाद के ऑपरेशन व मेंटेनेंस (ओक्यूएम) का पूरा जिम्मा भी संभालेगी। इस ऑर्डर के जुड़ने से अब कर्नाटक में सुज़लॉन के पास कुल मिलाकर 2 गीगावाट से भी ज्यादा के प्रोजेक्ट्स का काम आ चुका है, जो इस दक्षिणी राज्य में उसकी मजबूत उपस्थिति को दर्शाता है।

दवा और आभूषण क्षेत्र को मिली आईपीओ की सौगात, सेबी ने दी मंजूरी

कोटेक हेल्थकेयर 295 करोड़ और दीपा ज्वेलर्स 250 करोड़ रुपये का नया निर्गम लाएगी

नई दिल्ली ।

बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने दवा क्षेत्र की कोटेक हेल्थकेयर और आभूषण क्षेत्र की दीपा ज्वेलर्स को आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की मंजूरी दे दी है, जिससे दोनों कंपनियों के लिए पूंजी जुटाने का रास्ता साफ हो गया है। इन कंपनियों ने पहले ही अपने मसौदा दस्तावेज (डीआरएचपी) सेबी के पास दाखिल किए थे और हाल ही में नियामक से आवश्यक टिप्पणियां प्राप्त कीं, जिसे आईपीओ लाने की अनुमति माना जाता है। कोटेक हेल्थकेयर का आईपीओ 295 करोड़ रुपये तक के नए शेयर निर्गम के साथ-साथ 60 लाख शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का प्रस्ताव है। कंपनी इस पूंजी का उपयोग नई परियोजनाएं स्थापित करने, मौजूदा उत्पादन क्षमता बढ़ाने और नए उत्पाद बनाने में करेगी, जिसके लिए 226.25 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं। शेष राशि सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए खर्च होगी। वहीं दीपा ज्वेलर्स का आईपीओ 250 करोड़ रुपये के नए निर्गम और 1,18,48,340 शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। इस ओएफएस में प्रवर्तक अशोक अग्रवाल और सीमा अग्रवाल अपने शेयर बेचेंगे। यह मंजूरी इन कंपनियों को बाजार से पूंजी जुटाने और अपनी विस्तार योजनाओं को गति देने का अवसर प्रदान करेगी।

भारतीय शेयर बाजार में पूरे हफ्ते दिखा उतार-चढ़ाव का खेल

भारी बिकवाली के बीच भी दिखी खरीदारी की चमक, कुछ सेक्टरों ने दी संजीवनी

मुंबई ।

बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए अत्यधिक उतार-चढ़ाव और अप्रत्याशित झटकों से भरा रहा, जहां वैश्विक भू-राजनीतिक घटनाक्रमों और घरेलू आर्थिक संकेतकों ने बाजार की चाल तय की। निवेशकों को हर दिन बाजार की शुरुआती गिरावट और फिर दिन के अंत में शानदार रिकवरी या इसके विपरीत शुरुआती तेजी के बाद सुस्त समापन जैसे नाटकीय परिवर्तन देखने को मिले। पश्चिमी एशिया में तनाव, कच्चे तेल की कीमतें, डॉलर के मुकाबले रुपये की रिकॉर्ड गिरावट और विदेशी फंड के प्रवाह जैसे कारकों ने बाजार की दिशा को लगातार प्रभावित किया, जिससे यह सप्ताह वैश्विक संकेतों और घरेलू लचीलेपन के बीच झूलता रहा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज लाल निशान के साथ खुला, जहां सेंसेक्स 900 से अधिक अंक और निफ्टी 255 से अधिक अंक गिर गया। डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया अपने रिकॉर्ड निचले स्तर 96.33 पर पहुंच गया, जिसने निवेशकों की चिंता और बढ़ा दी। हालांकि, बाजार ने दिन के अंत तक जबरदस्त वापसी करते हुए निवेशकों को चौंका दिया। सेंसेक्स मामूली रूप से 77.05 अंकों की वृद्धि दर्ज कर हरे निशान पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी में भी 6.45 अंकों की बढ़त रही। मंगलवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान पर नियोजित सैन्य हमले रोकने और समझौते की संभावना जताने की खबर ने बाजार में एक नई उम्मीद जगाई। इस सकारात्मक खबर के दम पर भारतीय शेयर बाजार ने शुरुआती कारोबार में जोरदार तेजी दर्ज की। सेंसेक्स 366.71 अंक उछलकर 75,706.88 पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी में भी 107.45 अंकों की बढ़त दर्ज हुई। लेकिन यह तेजी भी दिन के अंत तक कायम नहीं रह पाई। शुरुआती बढ़त गंवाकर दोनों प्रमुख सूचकांक लाल निशान पर बंद हुए, सेंसेक्स 75,200.85 और निफ्टी 23,618.00 पर कारोबार समाप्त हुआ। बुधवार को भारतीय शेयर बाजार एक बार फिर भारी बिकवाली के दबाव में खुले। बाजार विशेषज्ञों ने कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें, कमजोर होती मुद्रा और महंगाई की चिंताओं को निवेशकों की धारणा पर भारी पड़ने वाला बताया।

निफ्टी 50 और बीएसई सेंसेक्स दोनों में शुरुआती कारोबार में बड़ी गिरावट दर्ज हुई। हालांकि, प्रमुख एशियाई बाजारों में छाई सुस्ती और कमजोरी के बावजूद, भारतीय बाजारों ने जबरदस्त लचीलापन दिखाया। तेल व गैस, ऑटो और वित्तीय क्षेत्र के शेयरों में हुई जोरदार खरीदारी के दम पर घरेलू सूचकांकों ने दिन के निचले स्तरों से शानदार रिकवरी की और अंततः हरे निशान में बंद होने में सफल रहा। सेंसेक्स 117.54 अंकों की बढ़त के साथ 75,318.39 और निफ्टी 41 अंकों की बढ़त के साथ 23,659 पर बंद हुआ। गुरुवार की स्थिरता और शुक्रवार का सकारात्मक समापन गुरुवार को पश्चिम एशिया संघर्ष के जल्द समाप्त होने की उम्मीदों के बीच तेल की कीमतों में नरमी और वैश्विक बाजारों में आई तेजी के कारण बेंचमार्क इक्विटी सूचकांकों में शुरुआती तेजी देखी गई। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ने अच्छी बढ़त के साथ कारोबार शुरू किया। हालांकि, दिन का अंत बेहद सुस्त माहौल में हुआ। पूरे दिन के उतार-चढ़ाव के बाद दोनों प्रमुख सूचकांक लगभग सपाट स्तर पर बंद हुए, सेंसेक्स 135.03 अंक टूटकर 75,183.36 पर और निफ्टी महज 4.30 अंकों की मामूली गिरावट के साथ 23,654.70 पर सेटल हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन शुक्रवार को ईरान तनाव में नरमी की उम्मीद और वैश्विक आशावाद के चलते भारतीय बाजारों में तेजी जारी रही। प्रमुख एशियाई सूचकांकों में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई।

पोस्ट ऑफिस की मंथली इनकम स्कीम पर बिना रिस्क हर महीने 10,000 पाएं

बाजार जोखिम से मुक्त, 7.4 फीसदी सालाना ब्याज दर के साथ

नई दिल्ली।

अगर आप भी एक गारंटीड और सुरक्षित निवेश की तलाश में हैं, जो नियमित मासिक आय दे सके, तो पोस्ट ऑफिस की मंथली इनकम स्कीम (पीओएमआईएस) आपके लिए एक बेहतरीन विकल्प हो सकती है। यह स्कीम विशेष रूप से रिटायर लोगों और बाजार के जोखिम से मुक्त आय चाहने वालों के लिए बेहद लोकप्रिय है। पोस्ट ऑफिस मंथली इनकम स्कीम उन निवेशकों के लिए एक सुरक्षित और भरोसेमंद विकल्प है जो अपने निवेश पर नियमित मासिक आय चाहते हैं। यह स्कीम बाजार के उतार-चढ़ाव से पूरी तरह अप्रभावित रहती है, जिससे आपका मूलधन सुरक्षित रहता है और आपको तय ब्याज दर पर आय मिलती है। वर्तमान में पीओएमआईएस पर 7.4 फीसदी वार्षिक ब्याज दर मिल रही है, जिसका भुगतान हर महीने सीधे आपके खाते में किया जाता है। इस योजना में निवेश की सीमा निर्धारित की गई है। आप एकल खाते में अधिकतम 9 लाख रुपये तक जमा कर सकते हैं, जबकि संयुक्त खाते में यह सीमा बढ़कर 15 लाख रुपये हो जाती है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि यदि आपके कई एमआईएस खाते हैं, तब भी सभी खातों में कुल जमा राशि निर्धारित सीमा से अधिक नहीं होनी चाहिए। यदि आप एक संयुक्त खाते के माध्यम से

अधिकतम 15 लाख रुपये का निवेश करते हैं, तो मौजूदा 7.4 फीसदी ब्याज दर के अनुसार आपको हर महीने लगभग 9,250 रुपये की नियमित आय प्राप्त होगी। इस तरह, 5 साल में आप ब्याज के रूप में कुल करीब 5,55,000 रुपये कमा सकते हैं, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनी रहेगी। यह स्कीम उन लोगों के लिए आदर्श है जो रिटायरमेंट के बाद या किसी अन्य कारण से अपनी आय का एक स्थायी स्रोत सुनिश्चित करना चाहते हैं।

चुनौतियों के बावजूद चमकेगा पूंजीगत वस्तु उद्योग क्रिसिल

नई दिल्ली।

रेटिंग फर्म क्रिसिल रेटिंग्स ने अनुमान लगाया है कि बाहरी चुनौतियों के बावजूद भारतीय पूंजीगत वस्तु उद्योग चालू वित्त वर्ष में 12-14 प्रतिशत की मजबूत दर से बढ़ेगा। फर्म के अनुसार सरकारी पूंजीगत व्यय और विभिन्न प्रमुख क्षेत्रों में बढ़ते विस्तार से इस वृद्धि को गति मिलेगी। क्रिसिल रेटिंग्स द्वारा हाल ही में जारी एक` रिपोर्ट में कहा गया है कि बिजली, खनन, तेल और गैस, धातु और वाहन जैसे क्षेत्रों में क्षमता का लगातार विस्तार पूंजीगत सामान की मांग को बढ़ाएगा। इसके अतिरिक्त, देश में डेटा सेंटरों के निर्माण और इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) के बुनियादी ढांचे के विकास जैसे उभरते क्षेत्र भी इस उद्योग के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। क्रिसिल ने पिछले वित्त वर्ष की तरह इस वर्ष भी पूंजीगत सामान उद्योग के लिए 12-14 प्रतिशत की राजस्व वृद्धि को पक्का बताया है, जो इसकी मजबूती का संकेत है।

एसबीआई की बैंकिंग सेवाएं 25-26 मई को सामान्य रहेंगी

नई दिल्ली ।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के कर्मचारियों की 25 और 26 मई को प्रस्तावित देशव्यापी हड़ताल को टाल दिया गया है। बैंक प्रबंधन और कर्मचारी संघों के प्रतिनिधियों के बीच हाल ही में हुई सकारात्मक बातचीत के बाद यह फैसला लिया गया। इससे एसबीआई के 52 करोड़ ग्राहकों को बड़ी राहत मिली है और अब बैंक की सभी शाखाएं सामान्य रूप से खुली रहेंगी। अखिल भारतीय एसबीआई कर्मचारी मासंघ (एआईएसबीआईएसएफ) ने पर्याप्त कर्मचारियों की भर्ती, आउटसोर्सिंग रोकने, करियर प्रगति और चिकित्सा प्रतिपूर्ति में सुधार सहित 16 सूत्री विभिन्न मांगों को लेकर यह हड़ताल बुलाई थी। महासंघ के महासचिव एल चंद्रशेखर ने बताया कि प्रबंधन के साथ मुंबई में हुई बैठक काफी सकारात्मक रही, जिसमें उनकी कई प्रमुख मांगों पर प्रगति हुई है। इस फैसले से करोड़ों ग्राहकों को बड़ी राहत मिली है, क्योंकि हड़ताल होने पर चौथा शनिवार, रविवार और ईद अल-अजहा की छुट्टी के कारण लगातार पांच दिनों तक बैंकिंग सेवाएं प्रभावित होतीं। बैंक ने पुष्टि की है कि 25 और 26 मई को सभी बैंकिंग सेवाएं सामान्य रूप से जारी रहेंगी।

आरबीआई ने सिटी यूनियन बैंक समेत 2 अन्य संस्थानों पर लगाया लाखों का जुर्माना

केंद्रीय बैंक ने कृषि ऋण शुल्क, केवाईसी अपलोडिंग और निदेशक नियुक्ति से संबंधित निर्देशों के पालन में कमी पाई

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नियामक निर्देशों का पालन न करने पर तीन वित्तीय संस्थाओं, सिटी यूनियन बैंक, मिंटिफी फिनसर्व और नेवा इन्वेस्टमेंट्स पर मौद्रिक जुर्माना लगाया है। यह कार्रवाई वित्तीय प्रणाली में अनुशासन और अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए केंद्रीय बैंक की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। आरबीआई के एक बयान के अनुसार, सिटी यूनियन बैंक पर 10.10 लाख रुपये का सबसे बड़ा जुर्माना लगाया गया है। बैंक ने 25,000 रुपये तक के कुछ कृषि ऋणों पर अनावश्यक रूप से ऋण-संबंधी शुल्क लगाए थे और स्वयं सहायता समूह के सदस्यों से जुड़े डेटा को क्रेडिट सूचना कंपनियों को प्रस्तुत नहीं किया था। मिंटिफी फिनसर्व पर 3.10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। कंपनी ने कुछ ग्राहकों के केवाईसी (अपने ग्राहक को जानें) रिकॉर्ड को निर्धारित समय सीमा के भीतर केंद्रीय केवाईसी रिकॉर्ड रजिस्ट्री पर अपलोड नहीं किया था। इसके अतिरिक्त नेवा इन्वेस्टमेंट्स को 2.70 लाख रुपये का मौद्रिक दंड दिया गया। कंपनी ने निदेशकों की नियुक्ति करते समय आरबीआई से पूर्व लिखित अनुमति नहीं ली थी, जिसके परिणामस्वरूप उसके प्रबंधन में महत्वपूर्ण बदलाव आया, जिसमें स्वतंत्र निदेशकों को छोड़कर 30 प्रतिशत से अधिक निदेशकों में परिवर्तन शामिल था। आरबीआई ने स्पष्ट किया कि ये जुर्माने केवल संबंधित नियमों के उल्लंघन के लिए लगाए गए हैं।

आरबीआई ने सरकार को 2.87 लाख करोड़ का रिकॉर्ड अधिशेष हस्तांतरित किया

यह पिछले साल के लाभांश से 7 फीसदी अधिक

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए केंद्र सरकार को 2.87 लाख करोड़ रुपए का रिकॉर्ड अधिशेष हस्तांतरित करने का फैसला किया है।

यह राशि पिछले साल के 2.69 लाख करोड़ रुपए के लाभांश से लगभग 7 प्रतिशत अधिक है।

केंद्रीय बैंक ने हालांकि आकस्मिक जोखिम बफर (सीआरबी) को बैलेंस शीट के 7.5 प्रतिशत से घटाकर 6.5 प्रतिशत तक करने का निर्णय लिया है, पर उच्च जोखिम प्रावधानों के कारण अर्थशास्त्रियों ने इस हस्तांतरण को बाजार की उम्मीदों से थोड़ा कम बताया है। आरबीआई के सेंट्रल बोर्ड ने अपनी 623वीं बैठक में यह निर्णय लिया। इस रिकॉर्ड हस्तांतरण का एक प्रमुख कारण विदेशी मुद्रा भंडार की बिक्री से आरबीआई की आय में वृद्धि है। वित्त वर्ष 2026 में आरबीआई की बैलेंस शीट 20.61 प्रतिशत बढ़कर 91.97 लाख करोड़ रुपए हो गई, जिससे सकल आय में 26.42 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। केंद्रीय बोर्ड ने वित्त वर्ष 2026 के लिए सीआरबी में 1.09 लाख करोड़ रुपए का बड़ा हस्तांतरण करने का भी निर्णय लिया, जो पिछले वित्त वर्ष के 44,861.70 करोड़ रुपए से काफी अधिक है।

संशोधित आर्थिक पूंजी ढांचा (ईसीएफ) सीआरबी को बैलेंस शीट के 4.5 प्रतिशत से 7.5 प्रतिशत के बीच बनाए रखने का लचीलापन प्रदान करता है। अर्थशास्त्रियों ने कहा कि सीआरबी अनुपात में कमी के बावजूद, उच्च प्रावधान आवश्यकताओं के कारण अधिशेष बाजार की उम्मीदों से थोड़ा कम रहा।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की एक अर्थशास्त्री ने कहा`` कि आरबीआई का अधिशेष हस्तांतरण बाजार अनुमान से इसलिए कम रहा क्योंकि प्रावधान उम्मीद से अधिक रहा।

विशेषज्ञों का मानना है कि उच्च सब्सिडी और कम कर संग्रह के कारण सरकार की राजकोषीय स्थिति पर दबाव बना रह सकता है।

उर्वरक और ईंधन सब्सिडी की उच्च आवश्यकता और कम कर संग्रह तथा तेल कंपनियों से कम लाभांश के कारण राजकोषीय दबाव बना रह सकता है।

हालांकि, इंडिया रेटिंग्स ऐंड रिसर्च के एक अर्थशास्त्री ने कहा कि यह उच्च हस्तांतरण भू-राजनीतिक स्थिति के कारण राजकोषीय घाटे पर कुछ दबाव कम करेगा।

आभूषण बिक्री पर दोहरी मार, राजस्व बढ़ेगा पर मांग घटेगी

चालू वित्त वर्ष में बिक्री मात्रा 13-15 फीसदी घटने का अनुमान

नई दिल्ली।

सोने की बढ़ती कीमतों और हालिया आयात शुल्क वृद्धि का असर देश के संगठित स्वर्ण आभूषण खुदरा क्षेत्र पर साफ दिख रहा है। एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार चालू वित्त वर्ष में आभूषणों की बिक्री मात्रा के लिहाज से 13 से 15 प्रतिशत तक घट सकती है। हालांकि, सोने की ऊंची कीमतों के चलते प्रति यूनिट अधिक मूल्य मिलने से इस क्षेत्र का कुल राजस्व 20 से 25 प्रतिशत तक बढ़ने की संभावना है।

इसके बावजूद, कंपनियों पर कार्यशील पूंजी और इन्वेंट्री लागत का दबाव बना रहेगा, हालांकि बेहतर नकदी प्रवाह से उनकी वित्तीय स्थिति अपेक्षाकृत स्थिर रहने की उम्मीद है। रिपोर्ट में बताया गया है कि पिछले वित्त वर्ष 24 में भी सोने के आभूषणों की बिक्री में लगभग 8 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई थी। भारत ने वित्त वर्ष 2024 में लगभग 720 टन सोने का आयात किया, जिससे लगभग 72 अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा देश से बाहर गई। व्यापार घाटा नियंत्रित करने और रुपए को सहारा देने के उद्देश्य से सरकार ने हाल ही में सोने पर सीमा शुल्क 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया है। क्रिसिल के अनुसार, पिछले वर्ष वैश्विक अनिश्चितताओं और रुपये में कमजोरी के कारण घरेलू बाजार में सोने की कीमतों में लगभग 55 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिसका सीधा असर उपभोक्ता मांग पर पड़ा है।

उपभोक्ता अब हल्के वजन और कम कैरेट वाले आभूषणों की ओर अधिक रुख कर रहे हैं। पिछले दो वर्षों में निवेश के रूप में सोने की मांग तेजी से बढ़ी है, जहां सोने की छड़ और सिक्कों की बिक्री 50 प्रतिशत से अधिक बढ़ी है, जबकि आभूषणों की मांग में करीब 25 प्रतिशत की गिरावट देखी गई है।

` रिपोर्ट में कहा गया है कि आयात शुल्क में वृद्धि सोने की मांग पर बड़ा दबाव डाल सकती है और चालू वित्त वर्ष में कुल आभूषण बिक्री घटकर 620 से 640 टन तक रह सकती है, जो पिछले एक दशक का निचला स्तर होगा।

रजत पाटीदार ने बनाया बड़ा रिकॉर्ड, क्रिस गेल को पीछे छोड़ आईपीएल में रचा इतिहास

नई दिल्ली।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान रजत पाटीदार ने इंडियन प्रीमियर लीग में एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेले गए मुकाबले में उन्होंने आईपीएल करियर के 100 छक्के पूरे किए और इस मामले में टी20 क्रिकेट के दिग्गज क्रिस गेल को पीछे छोड़ दिया। पाटीदार ने यह उपलब्धि सिर्फ 933 गेंदों में हासिल की, जो किसी भी भारतीय बल्लेबाज द्वारा सबसे तेज 100 छक्के लगाने का रिकॉर्ड है। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेले गए मुकाबले में रजत पाटीदार ने 56 रनों की तेजतर्रार पारी खेली। अपनी इस पारी में उन्होंने 6 चौके और एक लंबा छक्का लगाया। इसी छक्के के साथ उन्होंने आईपीएल में 100 सिक्स पूरे किए। इससे पहले क्रिस गेल ने इस मुकाम तक पहुंचने के लिए 943 गेंदों का सामना किया था। पाटीदार ने उनसे 10 गेंद कम लेकर यह रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। हालांकि आईपीएल में सबसे कम गेंदों पर 100 छक्के लगाने के मामले में पाटीदार अभी तीसरे स्थान पर हैं। इस सूची में वेस्टइंडीज के विस्फोटक ऑलराउंडर आंद्रे रसेल शीर्ष पर बने हुए हैं। रसेल ने सिर्फ 657 गेंदों में 100 छक्के पूरे कर दिए थे।

प्लेऑफ की उम्मीद बचाने उतरेगी केकेआर और दिल्ली, जीत के अलावा कोई विकल्प नहीं

नई दिल्ली ।

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के लीग चरण का आखिरी मुकाबला रविवार को कोलकाता नाइट राइडर्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच खेला जाएगा। दोनों टीमों के लिए यह मुकाबला करो या मरो जैसा रहने वाला है, क्योंकि प्लेऑफ की धुंधली उम्मीदों को जिंदा रखने के लिए हर हाल में जीत जरूरी है। हालांकि यह भी संभव है कि मैच शुरू होने से पहले ही दोनों में से किसी एक टीम की उम्मीद पूरी तरह खत्म हो जाए। अंक तालिका में फिलहाल कोलकाता नाइट राइडर्स छठे स्थान पर है, जबकि दिल्ली कैपिटल्स आठवें नंबर पर मौजूद है। दोनों टीमें अभी भी गणितीय रूप से प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुई हैं, लेकिन उनकी राह बेहद मुश्किल नजर आ रही है। प्लेऑफ की चौथी सीट के लिए सबसे मजबूत दावेदार पंजाब किंग्स मानी जा रही है, जिसका मुकाबला शनिवार को लखनऊ सुपर जायंट्स से होना है। यदि पंजाब यह मैच जीत जाती है तो उसके 15 अंक हो जाएंगे और दिल्ली की उम्मीदें वहीं खत्म हो जाएंगी, क्योंकि वह अधिकतम 14 अंक तक ही पहुंच सकती है। कोलकाता नाइट राइडर्स के पास अभी 13 अंक हैं और वह दिल्ली को हराकर 15 अंकों तक पहुंच सकती है। लेकिन सिर्फ जीत काफी नहीं होगी। पंजाब किंग्स का नेट रन रेट कोलकाता से काफी बेहतर है। ऐसे में अगर पंजाब लखनऊ को मामूली अंतर से भी हरा देती है, तो कोलकाता को दिल्ली के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करनी पड़ेगी। आंकड़ों के अनुसार पंजाब की एक रन की जीत की स्थिति में कोलकाता को दिल्ली को कम से कम 52 रन से हराना होगा। इसके साथ ही उसे राजस्थान रॉयल्स की हार की भी उम्मीद करनी होगी। राजस्थान के 14 अंक हैं और मुंबई इंडियंस के खिलाफ जीत उसे सीधे प्लेऑफ में पहुंचा सकती है। कोलकाता नाइट राइडर्स ने इस सीजन की खराब शुरुआत के बाद शानदार वापसी की है। टीम ने अपने पिछले सात मुकाबलों में से छह में जीत दर्ज कर खुद को प्लेऑफ की दौड़ में बनाए रखा। शुरुआती दौर में टीम को अपने प्रमुख तेज गेंदबाजों की अनुपस्थिति का खामियाजा भुगतना पड़ा था। मुस्तफिजुर रहमान, हर्षित राणा, आकाश दीप और मथीशा पथिराना अलग-अलग कारणों से कई मुकाबलों में नहीं खेल सके। वहीं चोट से वापसी कर रहे कैमरन ग्रीन भी

शुरुआती मैचों में गेंदबाजी नहीं कर पाए थे। हालांकि टीम को इस अहम मुकाबले में अपने सबसे सफल बल्लेबाज अंगकृष रघुवंशी की कमी खलेगी। उन्होंने इस सीजन में पांच अर्धशतकों की मदद से 422 रन बनाए हैं। इसके अलावा स्टार स्पिनर वरुण चक्रवर्ती भी चोट से जूझ रहे हैं और टीम प्रबंधन परिस्थितियों के अनुसार उनके खेलने पर फैसला करेगा। दूसरी ओर दिल्ली कैपिटल्स ने पूरे सीजन में कई अहम मौके गंवाए, जिसका असर उसकी स्थिति पर पड़ा। टीम की बल्लेबाजी काफी हद तक केएल राहुल पर निर्भर रही है।

शानदार प्रदर्शन के बावजूद टॉप-2 में नहीं पहुंच सकी सनराइजर्स, डेनियल विटोरी ने बताई टीम की सबसे बड़ी ताकत

नई दिल्ली ।

सनराइजर्स हैदराबाद के मुख्य कोच डेनियल विटोरी ने इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में टीम के शानदार प्रदर्शन का श्रेय शीर्ष क्रम के विस्फोटक बल्लेबाजों और अनुशासित गेंदबाजी आक्रमण को दिया है। हालांकि टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 55 रन की शानदार जीत के बावजूद नेट रन रेट के कारण अंक तालिका में शीर्ष दो में जगह नहीं बना सकी और तीसरे स्थान पर रही। अब सनराइजर्स को एलिमिनेटर मुकाबला खेलना होगा। मैच के बाद डेनियल विटोरी ने कहा कि टीम ने पूरे सीजन में बेहतरीन क्रिकेट खेली है और नौ जीत दर्ज करना अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि हर चीज हासिल करना संभव नहीं होता, लेकिन जिस तरह खिलाड़ियों ने प्रदर्शन किया, उससे टीम संतुष्ट है। विटोरी ने माना कि नेट रन रेट के कारण टीम थोड़ा पीछे रह गई, लेकिन इसके बावजूद खिलाड़ियों का प्रदर्शन शानदार रहा। सनराइजर्स हैदराबाद अब बुधवार को एलिमिनेटर मुकाबले में मैदान पर उतरेगी। प्लेऑफ से पहले विटोरी ने टीम के मध्यक्रम को लेकर चिंता भी जाहिर की। उन्होंने कहा कि शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों ने पूरे सीजन में इतनी शानदार बल्लेबाजी की कि मध्यक्रम को ज्यादा मौके ही नहीं मिले। ऐसे में बड़े मुकाबलों से पहले टीम इस पहलू पर ध्यान देगी ताकि जरूरत पड़ने पर मध्यक्रम भी दबाव संभाल सके। विटोरी ने टीम के तेज गेंदबाजों की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि ईशान मलिंगा, पैट कमिंस और साकिब हुसैन की तिकड़ी ने टूर्नामेंट के दूसरे चरण में बड़ा अंतर पैदा किया। उनके अनुसार गेंदबाजों ने बल्लेबाजों का शानदार साथ दिया और यही वजह रही कि टीम लगातार जीत दर्ज करने में सफल रही। विटोरी ने कहा कि उनकी रणनीति हमेशा पांचवें और छठे गेंदबाज के विकल्प पर आधारित रहती है और यह टीम संतुलन के लिए बेहद अहम होता है। उन्होंने बताया कि पिच की परिस्थितियों को देखते हुए टीम ने इस मुकाबले में हर्षल पटेल को मौका दिया था, लेकिन टीम के पास प्रफुल्ल हिंगे और हर्ष दुबे जैसे विकल्प भी मौजूद हैं। विटोरी ने कहा कि पिछले 12 मैचों में से आठ में जीत दर्ज करना टीम के सामूहिक प्रदर्शन को दर्शाता है ।

गली क्रिकेट में गांगुली ने लगाया शतक

नई दिल्ली।

भारतीय क्रिकेट के दिग्गज पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने एक बार फिर अपने पुराने अंदाज से क्रिकेट प्रेमियों का दिल जीत लिया है। 'प्रिंस ऑफ कोलकाता' और 'ऑफ साइड के भगवान' के नाम से मशहूर गांगुली ने करीब 14 साल बाद गली क्रिकेट में बल्ला थामा और धमाकेदार बल्लेबाजी करते हुए शानदार शतक जड़ दिया। सोशल मीडिया पर उनका यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसे फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। सौरव गांगुली ने साल 2008 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। हालांकि इसके बाद वह कुछ समय तक इंडियन प्रीमियर लीग में खेलते रहे, लेकिन 2012 के बाद उन्होंने पूरी तरह पेशेवर क्रिकेट से दूरी बना ली थी। क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद गांगुली लगातार प्रशासनिक भूमिकाओं में सक्रिय रहे और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के अध्यक्ष पद तक की जिम्मेदारी भी संभाली। लंबे समय बाद उन्हें बल्ले के साथ मैदान पर देखकर फैंस पुराने दिनों को याद करने लगे। हाल ही में खेले गए एक गली क्रिकेट मुकाबले में सौरव गांगुली ने अपनी क्लास और आक्रामकता दोनों का शानदार प्रदर्शन किया। वायरल वीडियो के मुताबिक उन्होंने सिर्फ 68 गेंदों में 132 रन की विस्फोटक पारी खेली। मैच के दौरान एक खास नियम बनाया गया था कि गांगुली को तीन बार आउट होने के बाद भी बल्लेबाजी जारी रखने की अनुमति होगी। लेकिन दादा ने अपने अंदाज में जवाब देते हुए कहा कि उनके लिए एक मौका ही काफी है। हालांकि मैदान पर मौजूद खिलाड़ियों के आग्रह पर वह दो बार बल्लेबाजी करने के लिए तैयार हो गए। इसके बाद गांगुली ने चौकों और छक्कों की झड़ी लगा दी और दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। सौरव गांगुली का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर बेहद शानदार रहा है।

जैकब बेथल को इंग्लैंड लौटने की सलाह, माइकल वॉन बोले- अब राष्ट्रीय टीम को दें प्राथमिकता

नई दिल्ली ।

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 इंग्लैंड के युवा ऑलराउंडर जैकब बेथल के लिए अब तक उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा है। शानदार घरेलू और अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन के बाद बड़े भरोसे के साथ आईपीएल में उतरे बेथल इस सीजन में प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे हैं। इसी बीच इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने उन्हें टूर्नामेंट छोड़कर तुरंत स्वदेश लौटने की सलाह दी है। वॉन का मानना है कि चोट और प्लेइंग इलेवन में अनिश्चितता को देखते हुए अब उन्हें इंग्लैंड की राष्ट्रीय टीम को प्राथमिकता देनी चाहिए। जैकब बेथल ने इस सीजन में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए नौ मुकाबले खेले, लेकिन वह केवल 163 रन ही बना सके। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज का प्रदर्शन पूरे टूर्नामेंट में संघर्षपूर्ण रहा। पंजाब किंग्स के खिलाफ 17 मई को खेले गए मुकाबले के बाद वह मैदान पर नजर नहीं आए। उंगली में लगी चोट के कारण वह सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 22 मई को खेले गए अहम लीग मुकाबले से भी बाहर रहे। बेथल की गैरमौजूदगी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को बल्लेबाजी क्रम में बदलाव करना पड़ा। टीम ने वेंकटेश अय्यर को विराट कोहली के साथ पारी की शुरुआत करने की जिम्मेदारी दी। वहीं टीम प्रबंधन प्लेऑफ मुकाबलों के लिए इंग्लैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज फिल साल्ट की वापसी का इंतजार कर रहा है। कप्तान रजत पाटीदार भी उंगली की चोट से उबरने के बाद टीम में लौट आए हैं, जिससे बेथल की अंतिम एकादश में वापसी और भी मुश्किल नजर आ

रही है। इसी बीच इंग्लैंड को 4 जून से न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलनी है। माइकल वॉन का कहना है कि यदि जैकब बेथल आईपीएल के नॉकआउट मुकाबलों में खेलने की स्थिति में नहीं हैं तो उन्हें तुरंत इंग्लैंड लौटकर अपनी फिटनेस पर ध्यान देना चाहिए। वॉन ने कहा कि इंग्लैंड टीम प्रबंधन को यह जानना जरूरी है कि बेथल पूरी तरह फिट हैं या नहीं, ताकि टेस्ट सीरीज के लिए सही फैसला लिया जा सके। एक बातचीत में वॉन ने कहा कि अगर बेथल चोटिल हैं तो उन्हें अगली फ्लाइट पकड़कर इंग्लैंड लौट जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि इंग्लैंड का ट्रेनिंग कैंप अगले सप्ताह शुरू होने वाला है और राष्ट्रीय टीम की तैयारियां ज्यादा महत्वपूर्ण हैं। हालांकि वॉन ने माना कि आईपीएल का अनुभव युवा खिलाड़ियों के लिए बेहद अहम होता है, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों में बेथल के लिए देश की जिम्मेदारी को प्राथमिकता देना ज्यादा उचित रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

सचिन तेंदुलकर ने साझा की बचपन की खास याद, बोले- ये बच्चे देश का भविष्य हैं

नई दिल्ली।

महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के लिए 'एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स फॉर ऑल' यानी ईएसए पहल सिर्फ इंडियन प्रीमियर लीग से जुड़ा एक सामाजिक अभियान नहीं, बल्कि एक बेहद भावनात्मक और व्यक्तिगत पहल है। मुंबई इंडियंस के वार्षिक ईएसए मैच से पहले सचिन ने अपने बचपन की एक खास याद साझा करते हुए बताया कि कैसे वानखेड़े स्टेडियम में बिताए गए कुछ पल आज भी उनके दिल में बसे हुए हैं। उनका मानना है कि इस बार मैच देखने आने वाले हजारों बच्चों के लिए भी यह अनुभव जीवनभर यादगार रहने वाला है। सचिन तेंदुलकर ने कहा कि वानखेड़े स्टेडियम में होने वाला ईएसए मैच हमेशा बेहद खास होता है। उन्होंने कहा कि इतने वर्षों तक बड़े-बड़े मुकाबले खेलने के बाद खिलाड़ी विशाल भीड़ के सामने खेलने के आदी हो जाते हैं, लेकिन जब हजारों बच्चे स्टैंड में बैठकर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते हैं, तो वह अनुभव बिल्कुल अलग होता है। सचिन के अनुसार खिलाड़ियों के लिए भी यह बेहद भावुक और प्रेरणादायक माहौल होता है। रविवार को जब मुंबई इंडियंस और राजस्थान रॉयल्स की टीमें आमने-सामने होंगी, तब वानखेड़े स्टेडियम सिर्फ क्रिकेट का मैदान नहीं रहेगा, बल्कि बच्चों के सपनों और खुशियों का केंद्र बन जाएगा। रिलायंस फाउंडेशन की ईएसए पहल के तहत मुंबई, महाराष्ट्र और गुजरात के पिछड़े इलाकों, आदिवासी क्षेत्रों, गांवों और विशेष जरूरतों वाले स्कूलों से 20 हजार से ज्यादा बच्चों को मैच देखने के लिए लाया जाएगा। इस पहल की शुरुआत नीता अंबानी ने की थी, जिसका उद्देश्य शिक्षा और खेल के जरिए बच्चों को प्रेरित करना है। इस बार पहली बार नेशनल एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड के 100 दृष्टिहीन बच्चे भी इस आयोजन का हिस्सा बनेंगे। वे अपने साथियों के साथ स्टेडियम में बैठकर मैच का अनुभव करेंगे। सचिन तेंदुलकर ने इस मौके पर 1983 की एक याद भी साझा की। उन्होंने बताया कि जब वेस्टइंडीज की दिग्गज टीम भारत दौरे पर आई थी, तब वह वानखेड़े स्टेडियम के नॉर्थ स्टैंड में बैठकर भारतीय टीम का समर्थन कर रहे थे। सचिन ने कहा कि वह अनुभव आज भी उनके दिल में ताजा है और उन्हें विश्वास है कि आज स्टेडियम में आने वाले बच्चों के साथ भी ऐसी ही यादें जीवनभर रहेंगी। सचिन तेंदुलकर ने कहा कि ये बच्चे देश का भविष्य हैं और आज यदि हम उनके लिए कुछ बेहतर कर सकते हैं, तो उसका सकारात्मक असर आने वाले समय में पूरे देश पर दिखाई देगा।

विराट कोहली और ट्रैविस हेड विवाद ने पकड़ा तूल, इंस्टाग्राम पोस्ट से बढ़ी चर्चा

नई दिल्ली ।

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में सनराइजर्स हैदराबाद और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच खेले गए मुकाबले के बाद विराट कोहली और ट्रैविस हेड के बीच हुए विवाद ने क्रिकेट जगत में नई बहस छेड़ दी है। मैच खत्म होने के बाद विराट कोहली द्वारा ट्रैविस हेड से हाथ नहीं मिलाने की घटना सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। इसी बीच ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ट्रैविस हेड की एक इंस्टाग्राम स्टोरी ने इस विवाद को और चर्चा में ला दिया है। ट्रैविस हेड ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर मैच के दौरान गेंदबाजी करते हुए अपनी एक तस्वीर साझा की। खास बात यह रही कि हेड आमतौर पर गेंदबाजी नहीं करते, लेकिन इस मुकाबले में उन्होंने गेंद हाथ में लिया और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान रजत पाटीदार का विकेट भी हासिल किया।

एक फेक न्यूज ने बदल दी आईपीएल खिलाड़ी की किस्मत, 6 साल बाद मिला इंसाफ

नई दिल्ली ।

इंडियन प्रीमियर लीग 2017 की नीलामी कई खिलाड़ियों के लिए सपनों को सच करने का मौका लेकर आई थी। उसी नीलामी में मध्यप्रदेश के बल्लेबाज हरप्रीत सिंह भाटिया भी शामिल थे, जिन पर कई फ्रेंचाइजी की नजर थी। घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के दम पर उनसे बड़ी उम्मीदें की जा रही थीं, लेकिन नीलामी से ठीक पहले आई एक गलत खबर ने उनका पूरा करियर झकझोर कर रख दिया। एक फेक न्यूज और पहचान की गलती के कारण हरप्रीत सिंह भाटिया को ऐसा नुकसान उठाना पड़ा, जिसकी भरपाई होने में छह साल लग गए। दरअसल आईपीएल 2017 की नीलामी से पहले मुंबई में एक विवादित घटना सामने आई थी। पूर्व अंडर-19 क्रिकेटर हरमीत सिंह को अंधेरी रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर कथित तौर पर कार चलाने के आरोप में हिरासत में लिया गया था। मामला गंभीर था और तेजी से चर्चा में आ गया। इसी दौरान एक बड़ी समाचार एजेंसी ने गलती से हरमीत सिंह की जगह हरप्रीत सिंह भाटिया का नाम और तस्वीर खबर में चला दी। यही गलती हरप्रीत के करियर पर भारी पड़ गई। उस समय हरप्रीत सिंह भाटिया शानदार फॉर्म में थे। उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में सबसे ज्यादा रन बनाए थे और कई आईपीएल टीमें उन्हें खरीदने की तैयारी कर रही थीं। लेकिन आपराधिक मामले से जुड़ी इस गलत खबर के सामने आने के बाद फ्रेंचाइजियां सतर्क हो गईं। किसी भी टीम ने विवादों में घिरे खिलाड़ी पर दांव लगाने का जोखिम नहीं उठाया। नतीजा यह हुआ कि हरप्रीत सिंह भाटिया नीलामी में अनसोल्ड रह गए। बाद में समाचार एजेंसी ने अपनी गलती सुधारते हुए स्पष्टीकरण जारी किया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। नीलामी समाप्त हो चुकी थी और हरप्रीत का पूरा सीजन बर्बाद हो गया। हालांकि इस बड़े झटके के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और घरेलू क्रिकेट में लगातार मेहनत करते रहे।

आखिरकार उनकी मेहनत रंग लाई और आईपीएल 2023 की नीलामी में पंजाब किंग्स ने उन्हें उनके बेस प्राइस पर टीम में शामिल किया। पंजाब किंग्स के लिए खेलते हुए हरप्रीत सिंह भाटिया ने खुद को साबित भी किया।

प्लेऑफ की जंग से पहले केकेआर को बड़ा झटका, अंगकृष रघुवंशी आईपीएल 2026 से बाहर

कोलकाता। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में शानदार वापसी कर प्लेऑफ की उम्मीदें जिंदा रखने वाली कोलकाता नाइट राइडर्स को बड़ा झटका लगा है। टीम के युवा विकेटकीपर बल्लेबाज अंगकृष रघुवंशी चोट के कारण पूरे सीजन से बाहर हो गए हैं। फ्रेंचाइजी ने इसकी आधिकारिक जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा की। टीम के अनुसार मुंबई इंडियंस के खिलाफ 20 मई को खेले गए मुकाबले के दौरान कैच पकड़ने की कोशिश में रघुवंशी को सिर में चोट लगी थी। इसके साथ ही उनके बाएं हाथ की उंगली में फ्रैक्चर भी पाया गया, जिसके चलते वह आईपीएल 2026 के बाकी मुकाबलों में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। कोलकाता नाइट राइडर्स ने अपने बयान में कहा कि टीम अंगकृष रघुवंशी के जल्द और पूरी तरह स्वस्थ होने की कामना करती है। 21 वर्षीय युवा बल्लेबाज इस सीजन में टीम के सबसे भरोसेमंद खिलाड़ियों में शामिल रहे हैं। विकेटकीपिंग के साथ-साथ उन्होंने बल्ले से भी लगातार शानदार प्रदर्शन किया और कई अहम पारियां खेलीं। अंगकृष रघुवंशी ने आईपीएल 2026 में 13 मैचों की 12 पारियों में 422 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका औसत 42.20 और स्ट्राइक रेट 146.52 का रहा। उन्होंने पूरे सीजन में पांच अर्धशतक लगाए, जबकि उनका सर्वोच्च स्कोर नाबाद 82 रन रहा। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी और लगातार रन बनाने की क्षमता ने केकेआर को मुश्किल परिस्थितियों में कई बार संभाला। अब रघुवंशी की गैरमौजूदगी टीम के लिए सबसे अहम मुकाबले से पहले बड़ी चिंता बन गई है। कोलकाता नाइट राइडर्स का लीग चरण का आखिरी मुकाबला 24 मई को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेला जाएगा। प्लेऑफ की उम्मीदों को जिंदा रखने के लिए केकेआर को यह मैच हर हाल में जीतना होगा। ऐसे में टीम के सबसे फॉर्म में चल रहे बल्लेबाज का बाहर होना बड़ा नुकसान माना जा रहा है। हालांकि कोलकाता नाइट राइडर्स ने इस सीजन में शानदार वापसी कर सभी को चौंकाया है। टीम ने शुरुआती छह मैचों में से पांच गंवा दिए थे और उसके खाते में सिर्फ एक अंक था। उस समय केकेआर

के प्लेऑफ में पहुंचने की संभावना बेहद कम मानी जा रही थी। लेकिन बाद के मुकाबलों में टीम ने दमदार प्रदर्शन किया और सात मैचों में लगातार जीत हासिल कर 12 अंक जुटाए। इस शानदार वापसी ने टीम को फिर से प्लेऑफ की दौड़ में ला खड़ा किया। अब कोलकाता को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ जीत दर्ज करने के साथ-साथ अन्य टीमों के नतीजों पर भी निर्भर रहना होगा।

सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ पाएंगे जो रूट? इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज ने तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली ।

टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के नाम दर्ज है। 15,921 रनों का यह ऐतिहासिक आंकड़ा लंबे समय तक अटूट माना जाता रहा, लेकिन अब इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट इस रिकॉर्ड के बेहद करीब पहुंचते दिखाई दे रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में लगातार शानदार प्रदर्शन के दम पर रूट ने क्रिकेट जगत में इस बहस को तेज कर दिया है कि क्या वह सचिन का यह महान रिकॉर्ड तोड़ पाएंगे। जो रूट इस समय टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर हैं। उनके नाम 13,943 रन दर्ज हैं और वह सचिन तेंदुलकर से सिर्फ 1,978 रन पीछे हैं। मौजूदा फॉर्म को देखते हुए माना जा रहा है कि अगर रूट फिट रहते हैं और अगले दो साल तक इसी निरंतरता के साथ खेलते हैं, तो वह इस रिकॉर्ड तक पहुंच सकते हैं।

एटीपी राउंडअप- हैम्बर्ग ओपन के फाइनल में पहुंचे टॉमी पॉल, लर्नर टिएन ने भी बनाई खिताबी मुकाबले में जगह

हैम्बर्ग,

23 मई (आईएएनएस)। टॉमी पॉल ने जर्मनी में शुक्रवार को हुए सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स डी मिनौर को 2-6, 6-3, 6-3 से हराकर हैम्बर्ग ओपन के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। छठी वरीयता प्राप्त अमेरिकी खिलाड़ी पहला सेट हारने और दूसरे में 3-0 से पिछड़ने के बाद सीधे सेटों में हारने की राह पर लग रहे थे। हालांकि, पॉल ने लगातार नौ गेम जीतकर मैच का रुख बदल दिया और आखिरी सेट पर कंट्रोल कर लिया। इस जीत के साथ ही 28 वर्षीय पॉल अपने 10वें एटीपी टूर-लेवल फाइनल और इस सीजन में क्ले कोर्ट पर दूसरे फाइनल में पहुंचे हैं। इससे पहले पिछले महीने ह्यूस्टन में उन्होंने खिताब जीता था। भले ही डी मिनौर ने 17 में से 13 ब्रेक पॉइंट बचाए, लेकिन उन्हें अपनी दूसरी सर्व में दिक्कत हुई, और वे उनमें से सिर्फ 44 प्रतिशत पॉइंट ही जीत पाए, क्योंकि पॉल ने बेसलाइन से उन्हें धीरे-धीरे थका दिया था। पॉल अब फाइनल में इग्नासियो बुसे से मुकाबला करेंगे। 22 साल के बुसे ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए लकी लूजर एलेक्जेंडर कोवासेविक को सिर्फ 64 मिनट में 6-1, 6-4 से हराया। बुसे 2007 में लुइस हॉर्ना के बाद एटीपी टूर-लेवल के फाइनल में पहुंचने वाले पेरू के पहले खिलाड़ी हैं। इस बीच, स्विट्जरलैंड में जिनेवा ओपन में अमेरिकी युवा लर्नर टिएन ने कजाकिस्तान के एलेक्जेंडर बुब्लिक को 6-1, 4-6, 7-6(5) से हराकर अपने करियर के

पहले क्ले-कोर्ट फाइनल में जगह बनाई। आखिरी सेट के टाईब्रेक में 6-1 की बढ़त बनाने के बाद टिएन आसान जीत की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन घबराहट में उन्होंने चार मैच पॉइंट गंवा दिए और आखिरकार अपने पांचवें मौके पर जीत हासिल की। 20 वर्षीय टिएन 1990 में सर्गी ब्रुगुएरा के बाद सबसे कम उम्र में जिनेवा ओपन के फाइनल में पहुंचने वाली खिलाड़ी बन गए हैं।

एआई आधारित क्रिकेट प्लेटफॉर्म काबुनी से जुड़े एबी डी विलियर्स

युवा खिलाड़ियों को मिलेगा विश्वस्तरीय मार्गदर्शन

नई दिल्ली ।

क्रिकेट ट्रेनिंग को नई दिशा देने वाले एआई आधारित स्पोर्ट्स टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म काबुनी ने दक्षिण अफ्रीका के पूर्व दिग्गज कप्तान एबी डी विलियर्स को अपना सुपर कोच नियुक्त किया है। एबी डी विलियर्स के जुड़ने को कंपनी ने अपने मिशन की बड़ी उपलब्धि बताया है। काबुनी का उद्देश्य आधुनिक तकनीक और विश्वस्तरीय क्रिकेट अनुभव को जोड़ते हुए हर स्तर के खिलाड़ियों तक बेहतरीन कोचिंग पहुंचाना है। एबी डी विलियर्स अब इस प्लेटफॉर्म पर पहले से जुड़े सौरव गांगुली और शेन वॉटसन जैसे दिग्गजों के साथ काम करेंगे। कंपनी का मानना है कि एबी डी विलियर्स के अनुभव और काबुनी की अत्याधुनिक तकनीक का मेल युवा खिलाड़ियों को क्रिकेट सीखने का बिल्कुल नया तरीका देगा। इस सहयोग के तहत भारत में 12 से 16 वर्ष आयु वर्ग के खिलाड़ियों के लिए जून से एक राष्ट्रीय क्रिकेट टूर्नामेंट भी शुरू किया जाएगा। इसमें हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों को एबी डी विलियर्स की टीम के लिए खेलने का अवसर मिल सकेगा। इस पूरी प्रक्रिया में काबुनी की एआई तकनीक का उपयोग किया जाएगा। काबुनी का प्लेटफॉर्म पारंपरिक क्रिकेट नेट प्रैक्टिस से अलग काम करता है। यह खिलाड़ी की मूवमेंट, शॉट चयन और गेंद की दिशा को रियल टाइम में ट्रैक करता है और फिर उसे आसान तथा उपयोगी फीडबैक में बदल देता है। कंपनी का ÷1 प्रतिशत इम्प्रूवमेंट÷ मॉडल खिलाड़ियों की छोटी-छोटी गलतियों को पहचानकर उन्हें तुरंत सुधारने पर केंद्रित है। इसका उद्देश्य समय के साथ खिलाड़ियों के प्रदर्शन में बड़ा और स्थायी सुधार लाना है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-6-8

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। शुभांक-1-3-5

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा

लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेगे। व्यायाधिक्य का अवसर आ सकता है। कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-3-6-7

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु तोड़-तोड़ करना पड़ेगा। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-6-8-9

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-2-5-7

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। यात्रा का योग हैं। शुभांक-2-5-7

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। शुभांक-2-5-6

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। समय का सदुपयोग करें। साधन और भोग-विलास के प्रचुर अवसर होंगे। शुभांक-2-6-8

धनु — ये यो मा मी मू धा फा ढा भे

परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जान-पहचान का दायरा बढ़ेगा। धन वृद्धि होगी। शुभांक-4-6-8

मकर — मे जा जी खी खू खे खो गा गी

जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-7-9

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। शुभांक-4-6-7

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

काकुरो पहेली - 3898

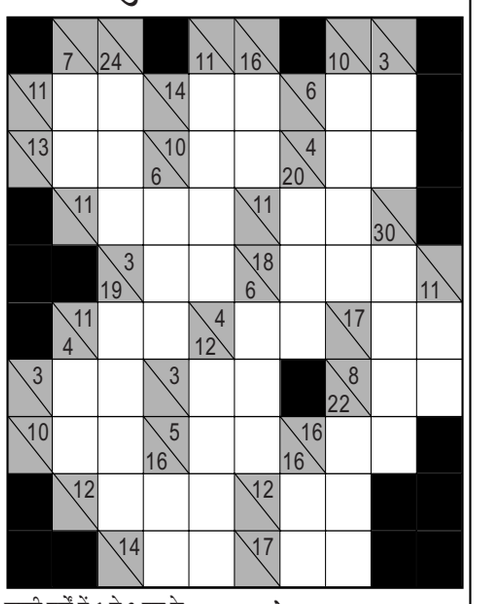

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

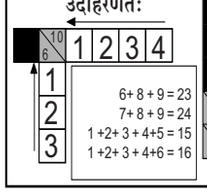

काकुरो - 3897 का हल

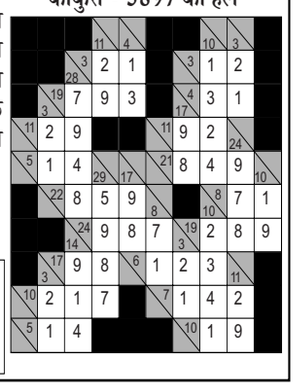

लॉफिंग ज़ोन

चिंकी (सोनू से)- तुम्हें पता है, मेरा भतीजा इतना खराब है कि दिन में कम से कम सात-आठ बार कपड़े बदल ही लेता है।

सोनू परेशान होकर- ऐसा क्यों? क्या उसे कपड़े बदलने की बीमारी हो है?

चिंकी- नहीं नहीं....! अरे पगली! अभी तो वह छः माह का ही है।

□ □ □

शादी की पच्चीसवीं सालगिरह पर पार्टी में आए मेहमानों ने जब नरेश से पूछा कि- बताओ नरेश! आपके हिसाब से सफल वैवाहिक जीवन का राज क्या है?

नरेश बोला- यह वैवाहिक जीवन तभी सफल साबित हो सकता है जब पत्नी बहरी और पति पूरी तरह अंधा बनकर जीवन बिताएँ।

□ □ □

पेशी के दौरान वकील महिला से बोला- जब तुम उस अपराधी से मिलने गई थी और उसने तुमसे जो कहा था, वो अदालत में जज साहब से कह दो।

महिला- नहीं...! मैं वो बात किसी भले आदमी के सामने नहीं कह सकती।

वकील बोला- तो ठीक है! जाकर जज साहब के कान में तो कह ही सकती हो।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 3898

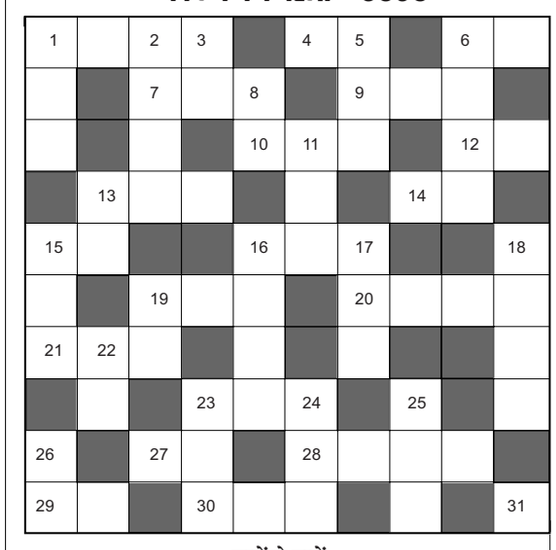

बायें से दायें:-

१. ऋषिकपूर, मनीषा की 'दिल की कही ना जाए' गीत वाली फिल्म-४
४. 'मैं नाचूँ बिन पायल' गीत वाली रितिक, करिश्मा, नेहा की फिल्म-२
६. कृतिका, सोनू की 'सुबह सुबह जब खिड़की' गीत वाली फिल्म-२
७. 'तेरी गलियों में ना' गीत वाली अनिल धवन, नीतूसिंह की फिल्म-३
९. फिल्म 'चोरी चोरी' में राजकपूर के साथ नायिका कौन थी-३
१०. फिल्म 'रणभूमि' में ऋषिकपूर के साथ नायिका कौन थी-३
१२. ऋषिकपूर, डिम्पल की 'मैं शायर तो नहीं' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'पिया तू अब तो आजा' गीत वाली फिल्म 'कारवाँ' का नायक-३
१४. प्रशांत, ऐश्वर्या की 'कोलंबस कोलंबस' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली मनोज वाजपेयी, तब्बू की फिल्म-२
१६. जैकी, जूही, अमृता की 'गोरिया रे गोरिया रे' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'दम भर जो उधर मुँह फेरे' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-३
२०. धर्मेन्द्र, हेमा की 'ए बी सी डी छोड़ो' गीत वाली फिल्म-२,२
२१. 'यादें' में रितिक की नायिका -३
२३. अमिताभ, मौसमी की 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'मेरी जाँ प्यार करो' गीत वाली मिथुन, पद्मिनी, रंजीता की फिल्म-२
२८. शत्रुघ्न, मिथुन, हेमा, अनिल राज की 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली फिल्म-४
२९. 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली देवआनंद, माला की फिल्म-२
३०. 'अगर जिंदगी हो तेरे संग हो' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'चंदा ने दी चाँदनी' गीत वाली जीतेंद्र, जयाप्रदा की फिल्म-१

ऊपर से नीचे:-

१. 'हँसदे हँसदे' गीत वाली कमल हासन, खीना, मनीषा की फिल्म-३
२. अमिताभ, शाहरूख, उदय चोपड़ा, ऐश्वर्या, किम शर्मा, प्रीति की फिल्म-४
३. 'आजा आजा गिव मी ए' गीत वाली सलमान, रेवती की फिल्म-२
५. 'दिल क्यों धड़कता है' गीतवाली फिल्म-३
६. 'सुनिये तो रूकिये तो' गीत वाली शाहरूख, जूही चावला की फिल्म-२,२
८. फिल्म 'सवेरे वाली गाड़ी' में नायक-२
११. मिथुन, आदित्य, रेखा की 'मेरा नाम बिल्लू' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'अभी साँस लेने की' गीत वाली सलमान, सनी, करिश्मा की फिल्म-२
१५. सनी, मीनाक्षी, ममता की 'कोई जाए तो ले' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मेरे सपनों की रानी' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-४
१७. मिथुन, अतुल, पूजाभट्ट की 'तेरे बिन मैं कुछ' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'जीवन के सफर में राही' गीत वाली देवआनंद, नूतन की फिल्म-४
१९. 'कभी हाँ कभी ना' में सुचित्रा कृष्णामूर्ति के चरित्र का नाम-२
२२. 'सनम तेरी कसम' में नायिका कौन-२
२३. सनी, अमृता की 'तेरी तसवीर मिल गई' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'प्यार कोई खेल नहीं' की नायिका-३
२५. 'रूके रूके से' गीत वाली फिल्म जिसमें संजीव, शर्मिला थे-३
२६. फिल्म 'संन्यासी' में नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली - 3897

घ	रौं	दा		जा	लि	म		आ	
र		मि	ल	न		न	सी	ह	त
	स	नी		व			मा		र
खे	ल			नू	र	ज	हाँ		मा	ला
	मा	धु	री		मी		आँ	सू	
शा	न			औ	र	त		म	स्त
गि		दि	ल			रा	खी		
र्द		ल्ल		आ	र	जू			आ
	स	गी	ना		वी		जा	गृ	ति
ह	त्या		ना		ना	गि	न		श

सूडोकु -3898

			2					4
			6					1
	5		8			2		3
		7					6	
	3					8		
1		6			3		7	
2					5			
8					4			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3897 का हल

6	5	4	3	1	9	7	2	8
7	2	3	5	8	4	9	6	1
8	9	1	7	2	6	3	4	5
1	7	2	8	3	2	5	9	4
4	3	8	9	6	5	1	7	6
5	6	9	4	7	1	8	3	2
2	8	7	1	4	3	6	5	9
9	1	6	2	5	7	4	8	3
3	4	5	6	9	8	2	1	7

शब्द पहेली - 3898

बाएँ से दाएँ

1.फिल्म 'बॉबी' के निर्माता-निर्देशक -2,3
4.आश्चर्य, विलक्षणता-4
7.जीत, फतेह-2
8.आकाश रेखा, छोर-3
9.तल, पैंदा-2
10.थाती, धरोहर-4
11.मोटा आटा-2
13.सलाह, मशवरा-4
14.अन्य, वो, तिन-2
16.घर,गृह-3
18.धावक (अंग्रेजी-3)
19.नाम रखना-2,3
21.परामर्शदाता-5
24.सुनसान, नीरव-3
26.वन, जंगल-3
28.मिट्टी, रेत-2
29.चेतनाहीन-4
30.पराग कण-2
32.भयभीत होना-4
33.छोटी सवारी गाड़ी-2
35.फूलों का हार जो बालों में लगाते हैं,वेणी-3
36.द्वार,किवाड़-2
37.जनता की राय-4
38.नाटक लिखने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.मत, सलाह-2
2.करतब-4
3.वह जंगल जो संरक्षित हो-3,2
4.अनश्वर, चिरयुवा-3
5.लीन, मग्न-2
6.जलाऊ लकड़ी-4
7.रनिवास 3,2
10.मूर्ख (उर्दू-4)
12.बांया-2
15.आनंदित होना-4
17.शत्रुघ्न सिन्हा व रीना राय की फिल्म-3
18.योद्धा-4
20.अमिताभ के तिहरे रोल वाली फिल्म-3
22.मुआवजा-4
23.चित्रपट, फिल्मी दुनिया-3,2
25.राज वंश-2,3
26.काम, कार्य-4
27.मादा का विलोम-2
29.उपद्रव फैलाने वाला-4
31.दुनिया, जहान-3
34.क्रिकेट में बनते हैं-2
36.पंख, पराया-2

शब्द पहेली - 3897 का हल

अ	रा	ज	क	ता			म	वा	ली		
स	म		ल		चा	ला	न		ख	त	
मा			प	ना	ह		न			म	
न	ज	रा	ना			म		क	या	स	
ता		व		ना	ला	य	क		प		
	प्रा	ण		म		खा		जा	न		
	रु		आ	ज	मा	ना		हि		म	
स	प	ना		द			ब	ल	वा	न	
र			स		ल	की	र			भा	
ल	व		न	सी	ब		सा		दा	व	
	घ	म	की			इ	त	मी	ना	न	

हैल्दी लाइफ के लिए...

हैल्दी लाइफ चाहिए, तो रोजाना एक सेब खाइए, यह बात आप भी अच्छी तरह जानते हैं, पर अमल नहीं करते, लेकिन ऐसी ही कुछ छोटी-छोटी बातों का अपनाकर जिंदगी से बड़ी-बड़ी बीमारियों को दूर रखा जा सकता है। जैसे छोटी-छोटी खुशियां जिंदगी को खुशनुमा बना देती हैं, वैसे ही हमारी थोड़ी-सी केयर हमें हैल्दी बना सकती है।

- अच्छी सेहत के लिए अच्छी डाइट का होना बहुत जरूरी है। दिन की शुरुआत अगर बैलेंस्ड डाइट से की जाए, तो दिन यकीनन बढ़िया बीतेगा। दिन में तीन मुख्य भोजन के अलावा दो बार स्नैक्स जरूर लें।
- डाइट ऐसी हो, जिसमें फाइबर अधिक और फैट कम हो। इससे आप खुद को फिट महसूस करेंगे। फल और सब्जियों को डाइट में जरूर शामिल करें।
- वजन कम हो या ज्यादा, दोनों ही सेहत को नुकसान पहुंचाते हैं। इसलिए वजन को मेनटेन रखना जरूरी है। यदि आपका वजन सही रहेगा, तो बीमारियां भी आपसे दूर रहेंगी और इसके लिए सबसे बढ़िया तरीका है एक्सरसाइज। रोजाना कम से कम 30 मिनट वर्क आउट करें। अगर जिम न जाना चाहते हों, तो डांसिंग, गार्डनिंग, स्वीमिंग, वॉक, जॉगिंग जैसी एक्टिविटिज को अपनाएं, दिल भी लगा रहेगा और सेहत भी बरकरार रहेगी।
- फिटनैस रूटीन बनाएं और उसका पालन भी करें। अनियमित दिनचर्या से न केवल ज़िंदगी अव्यवस्थित होती है, बल्कि बीमारियों को भी न्यौता मिलता है। आमतौर पर महिलाएं अपनी सेहत के प्रति लापरवाह होती हैं, यही कारण है कि वे गंभीर बीमारियों की शिकार ज्यादा होती हैं।
- आपकी उम्र कुछ भी हो, रैग्युलर हैल्थ चैकअप बहुत जरूरी है। आपको कौन-कौन से चैकअप की जरूरत है, यह आपकी उम्र, हैल्थ, फैमिली हिस्ट्री, लाइफ स्टाइल आदि पर निर्भर करता है। डॉक्टर की सलाह के अनुसार रैगुलर चैकअप करवाने से रोग का जल्दी पता चल जाता है और समय रहते उसका इलाज भी आसानी से हो जाता है।
- स्मोकिंग कई सेहत संबंधी समस्याओं के लिए जिम्मेदार है। अगर आपको वाकई अपनी सेहत की फिक्र है, तो स्मोकिंग से तौबा कीजिए।

ब्लड प्यूरीफायर ब्राह्मी

ब्राह्मी का इस्तेमाल नर्वस डिस्ऑर्डर, बुढ़ापा, उन्माद, मिर्गी और मैमोरी लॉस से संबंधित बीमारियों के इलाज में किया जाता है। इसके सेवन से बुद्धि में वृद्धि होती है। इससे इम्यून सिस्टम बेहतर काम करता है। ब्रह्मी उम्र से पहले बुढ़ापा आने से रोकती है। बालों को झड़ने से बचाती है, खासकर जब इसे तेल के रूप में बालों पर लगाया जाता है। ब्रह्मी एक बहुत बढ़िया ब्लड प्यूरीफायर भी है। यह स्किन व टिश्यूज को फायदा पहुंचाती है। अल्सर होने पर और जलने पर ब्रह्मी का इस्तेमाल लाभकारी है। क्रॉनिक स्किन डिसीज जैसे एग्जिमा में यह मददगार है। ब्रह्मी की प्रवृति ठंडी होती है, इसलिए डायरिया होने पर इसे बच्चों को दिया जाता है।

लाइकोपिन

लाइकोपिन ब्राइट रैड कैरोटिनॉयड पिगमेंट है, जो ह्यूमन सीरम और स्किन के अलावा लिवर, एड्रेनल ग्लैंड्स, लंग्स, प्रोस्टेट व कोलोन में होता है। विभिन्न लिपोप्रोटींस के जरिए यह खून में ट्रांसपोर्ट हो जाता है और लिवर, एड्रेनल ग्लैंड्स व टैस्टिस में इकट्ठा होता है। यह एक एंटी ऑक्सीडैंट भी है। यह फ्री रैडिकल्स को खत्म करता है। कई स्टडीज में पाया गया है कि लाइकोपिन का सेवन कई तरह के कैंसर से भी बचाव करता है। कैरोटेनॉयड विजन लॉस से बचाता है, इम्यून सिस्टम को इम्प्रूव करता है, कार्डियोवैस्कुलर डिसीज के खतरे को कम करता है।

सॉर्स: यह टमाटर और दूसरे लाल रंग के फलों व सब्जियों जैसे गाजर, तरबूज, गुलाबी अमरूद और पपीते में पाया जाता है (पर स्ट्रॉबेरीज या चैरीज में नहीं पाया जाता)।

RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/-
Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words
Maximum 60 Words

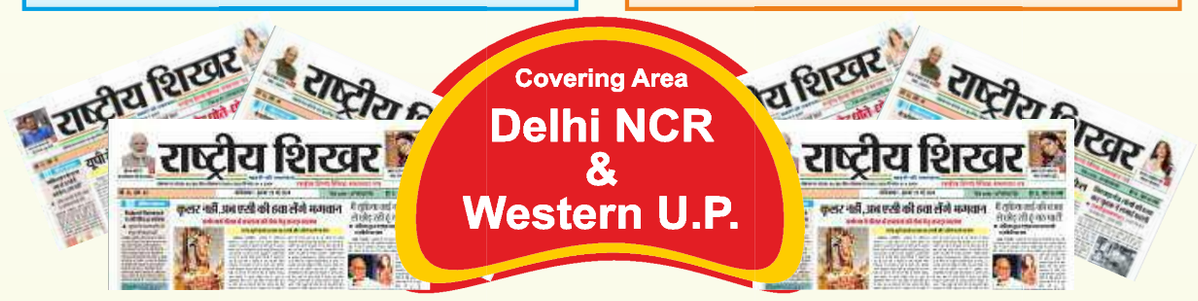

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	-	50%	Island Position	-	50%	Strip Advt.	-	15%
Front Page (Solus)	-	75%	Right Hand Page	-	10%	Political Advt.	-	50%
Back Page	-	25%	Top of AD Column	-	15%	Pull Outs	-	50%
Page Three	-	20%	Any Other Spl. Position	-	10%	Discount as per deal		

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

फिल्में सिर्फ समाज सुधार के लिए नहीं बनती

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा की अपकमिंग फिल्म 'सिस्टम' रिलीज के लिए तैयार है। इस बीच प्रमोशन में व्यस्त सोनाक्षी ने सिनेमा के उद्देश्य पर बात की। अपनी स्पष्ट राय रखते हुए उन्होंने बताया कि फिल्मों का एकमात्र मकसद समाज में बदलाव लाना नहीं है। फिल्में सिर्फ समाज सुधारने के लिए नहीं, मनोरंजन के लिए भी बनती हैं। अभिनत्री का मानना है कि फिल्में मुख्य रूप से मनोरंजन के लिए बनाई जाती हैं और नैतिक शिक्षा देना फिल्म मेकर्स का काम नहीं है। खास बातचीत में सोनाक्षी ने कहा, 'मैं इस बात से सहमत नहीं हूं कि फिल्मों को सिर्फ समाज को सही रास्ते पर लाने का जरिया माना जाए। फिल्में मनोरंजन के लिए भी बनाई जाती हैं। सही और गलत की शिक्षा हमें अपने माता-पिता और स्कूल से मिलनी चाहिए। यह एक्टर्स या फिल्म मेकर्स काम नहीं है।'
सोनाक्षी ने बताया, 'आज हम एक वकील की कहानी बनाएंगे, कल हम एक सीरियल किलर की कहानी बना सकते हैं। इसका यह मतलब नहीं है कि लोग जाकर दूसरों को मारना शुरू कर दें। नैतिक मूल्य और सिद्धांत घर पर सिखाए जाते हैं। यह सिखाना हमारा काम नहीं है।' अभिनेत्री ने स्पष्ट किया कि फिल्मों में 12, 16 या 18 साल के दर्शकों के लिए उम्र के हिसाब से रेटिंग्स होती हैं। दर्शक खुद सही और गलत के बीच फर्क समझने में सक्षम हैं। सोनाक्षी ने बताया, 'कई बार फिल्मों को लेकर बड़ी बहस छिड़ जाती है कि यह गलत है, इसे दिखाना नहीं चाहिए। माफ कीजिए, लेकिन फिल्म एक कहानी है। दर्शकों को फिल्म को मनोरंजन के तौर पर देखना चाहिए। आखिरकार यह सिर्फ एक कहानी होती है। उन्होंने यह भी कहा कि कला समाज का आईना होती है। फिल्में अक्सर असल जिंदगी की घटनाओं या सच्ची कहानियों पर आधारित होती हैं। अगर कोई फिल्म 'सिस्टम' की तरह दर्शकों को सोचने पर मजबूर कर दे तो यह अच्छी बात है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि हर फिल्म समाज सुधारने की जिम्मेदारी ले। फिल्म का निर्माण पम्मी बावेजा, हरमन बावेजा और स्मिता बालिगा ने किया है। अश्विनी अय्यर की फिल्म में सोनाक्षी के साथ अभिनेत्री ज्योतिका भी नजर आएंगी।

एक बार धोखेबाज का टैग लग गया तो हटता नहीं

सारा अली खान और आयुष्मान खुराना इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'पति पत्नी और वो दो' को लेकर चर्चाओं में हैं। फिल्म को क्रिटिक्स और दर्शकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया हासिल हुई है। फिल्म प्यार, शादी, शक और धोखे पर आधारित है। इस बीच सारा अली खान ने रिश्ते में चीट करने यानी धोखा देने को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने 'वन्स अ चीटर ऑलवेज अ चीटर' वाली कहावत पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी।

सारा बोलीं- एक बार धोखा देने वाला, धोखेबाज ही होता है
हाल ही में रेड एफएम के साथ एक बातचीत के दौरान जब सारा अली खान से 'वन्स अ चीटर ऑलवेज अ चीटर' वाली थ्योरी पर राय मांगी गई, तो एक्ट्रेस ने इससे सहमति जताई। सारा ने कहा, 'मैं मानती हूं कि एक बार धोखा देने वाला, हमेशा धोखेबाज होता है। क्योंकि उसने धोखा दिया है। धोखेबाज की परिभाषा क्या है? अगर किसी ने धोखा दिया है, तो वह धोखेबाज है।' हालांकि, फिल्म के साथी कलाकारों आयुष्मान खुराना और रकुल प्रीत सिंह ने सारा के मत से सहमति नहीं जताई।

आयुष्मान और रकुल ने सारा से जताई असहमति

आयुष्मान खुराना ने इस कहावत पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'एक बार धोखा देने वाले से एक बार धोखा देने वाले बनने तक का सफर होता है। कोई भी जन्म से धोखा देने वाला नहीं होता।' वहीं रकुल प्रीत सिंह ने भी आयुष्मान से सहमति जताते हुए कहा कि जरूरी नहीं कि वह व्यक्ति दोबारा धोखा दे। हालांकि, सारा इससे सहमत नहीं थीं और उन्होंने कहा, 'आपको धोखेबाज का लेबल लग जाता है और इसे बदला नहीं जा सकता। अगर वह धोखेबाज है, तो संभावना है कि वह दोबारा धोखा देगा, लेकिन शायद नहीं भी दे। एक बार धोखा देने के बाद आप यह कहने का अधिकार खो देते हैं कि यह मेरे बस की बात नहीं है, मैं इसे दोबारा कभी नहीं करूंगा। आप धोखेबाज हैं, लेकिन जरूरी नहीं कि आप दोबारा धोखा दें। यह एक अलग बात है। मैं यह नहीं कह रही हूं कि वह फिर से धोखा देगा, लेकिन एक बार जब आपको वह टैग मिल जाता है, तो उसे हटाया नहीं जा सकता।'

कई एक्टर्स के साथ जुड़ा सारा का नाम

इस दौरान आयुष्मान ने सारा के इस रुख को उनके पर्सनल लाइफ से जोड़ते हुए मजाक भी किया। आयुष्मान ने कहा, 'वह इसे जाने नहीं दे रही हैं। सारा उसे जाने दो, उसे भूल जाओ, उसे माफ कर दो। अगर वह दोबारा प्यार करे, तो शायद धोखा न दे।' सारा अली खान का नाम कई अभिनेताओं के साथ जुड़ चुका है। इनमें कार्तिक आर्यन से लेकर सुशांत सिंह राजपूत और वीर पहाड़िया के नाम शामिल हैं। वहीं पिछले साल सारा की अभिनेता-संगीतकार अर्जुन प्रताप बाजवा के साथ गुरुद्वारे जाते हुए तस्वीरें वायरल हुई थीं। इसके बाद दोनों के अफेयर की चर्चाओं ने जोर पकड़ा था।

फिल्म 'डीसी' से निर्देशक लोकेश कनगराज कर रहे हैं एक्टिंग डेब्यू

वामिका गब्बी मौजूदा वक्त में इंडस्ट्री की सबसे व्यस्त अभिनेत्रियों में से एक हैं। पिछले महीने 'भूत बंगला' की सफलता के बाद कल ही उनकी नई फिल्म 'पति पत्नी और वो दो' रिलीज हुई है। अब उनकी आगामी फिल्म 'डीसी' रिलीज को तैयार है। फिल्म का ट्रेलर 79वें कान फिल्म फेस्टिवल में जारी किया गया है। 'डीसी' से निर्देशक से एक्टर बने लोकेश कनगराज अपना एक्टिंग डेब्यू कर रहे हैं। 3 मिनट 13 सेकंड के इस ट्रेलर में लोकेश कनगराज को देवदास और वामिका को चंद्रा के रूप में दिखाया गया है। ट्रेलर में दिखाया जाता है कि चंद्रा के माता-पिता ने कोलकाता में उसे कई साल पहले अवैध रूप से देह व्यापार में बेच दिया था। अब उसके पास रहने की कोई जगह नहीं है। जल्द ही पता चलता है कि देवदास एक पुलिस वाले और डॉक्टर चंद्रा की हत्या के आरोप में वॉन्टेड है। इसके बाद ट्रेलर में जबरदस्त एक्शन, खूनखराबा, बम धमाके और गोलीबारी देखने को मिलती है। ट्रेलर में लोकेश के साथ-साथ वामिका भी कई मौकों पर एक्शन करती नजर आती हैं। ट्रेलर का अंत एक रोमांटिक अंदाज में होता है, जहां वामिका और लोकेश सूर्यास्त के समय एक पहाड़ी पर खड़े नजर आते हैं। ट्रेलर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर भी चर्चा में आ गया। हालांकि, अधिकांश यूजर्स ट्रेलर में सबसे ज्यादा प्रभावित अनिरुद्ध के म्यूजिक से हुए हैं। जबकि कई यूजर्स ने ट्रेलर में वामिका और लोकेश की भी जमकर तारीफ की है। फैंस को फिल्म का बेसब्री से इंतजार है।

भारत में एक्टर्स को अपने ही लोग बुरी तरह ट्रोल करते हैं

अभिनेत्री अमीषा पटेल एक्टिंग के साथ ही कई मुद्दों पर भी खुलकर अपनी राय रखती नजर आती हैं। इसी कड़ी में उन्होंने सोशल मीडिया पर लोगों के ट्रोलिंग कल्चर पर तीखा हमला बोला। अमीषा का कहना है कि भारत में एक्टर्स को अपने ही लोग हॉलीवुड सितारों से ज्यादा बुरी तरह ट्रोल करते हैं, जो बेहद दुखद और शर्मनाक है। अमीषा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि भारतीय मानसिकता अब दूसरों को नीचे गिराने वाली हो गई है। अमीषा ने बड़े इवेंट्स में सितारों के लुक और पहनावे को लेकर फैल रही नकारात्मकता पर भी नाराजगी जताई। उन्होंने इसे 'दुखद' और 'शर्मनाक' बताया। अमीषा ने लिखा, 'भारत में एक्टर्स को अपने ही लोग, हॉलीवुड सितारों की तुलना में उनके अपने देश में ज्यादा बुरी तरह ट्रोल करते हैं, जो बहुत दुख की बात है।' हालांकि, ये कोई पहली बार नहीं है, जब अमीषा पटेल खुलकर अपनी बात रखती नजर आईं। इससे पहले वह एक्टर्स के पीआर गेम को लेकर पहले भी सुर्खियों में रह चुकी हैं। उन्होंने हाल ही में अपने एक्स पोस्ट पर कहा कि वे अपने बयान पर पूरी तरह कायम हैं। दरअसल, मुंबई में पैपराजी से बात करते हुए अमीषा ने कहा था, 'सही तो कहा मैंने। आजकल सभी अपने आप को नंबर वन समझते हैं।' अमीषा ने एक्स पोस्ट पर यंग एक्टर्स पर तंज कसते हुए लिखा था कि जिन्होंने अभी तक कोई 200 करोड़ क्लब की फिल्म नहीं दी है, वे पीआर टीम को पैसे देकर खुद को नंबर 1 और नंबर 2 बता रही हैं। अमीषा ने साफ कहा, 'खुद को सुपरस्टार तभी कहो, जब तुमने कोई ऐसा काम किया हो जो इतिहास रच दे। पीआर के खेल खेलना बंद करो।

अपने पिता कमल हासन की हॉलीवुड फिल्म के लिए यह खास काम करेंगी श्रुति

अभिनेता और राजनेता कमल हासन तमिलनाडु चुनावों के बाद अब वापस फिल्मों में व्यस्त होने जा रहे हैं। चर्चा है कि वे पहली बार एक हॉलीवुड फिल्म में मुख्य भूमिका निभा सकते हैं। उनकी बेटी श्रुति हासन इस फिल्म के लिए एक खास काम करेंगी। एक खबर के अनुसार, कमल हासन एक हॉलीवुड फिल्म में नजर आ सकते हैं। इस फिल्म की कहानी कमल की बेटी श्रुति हासन लिख रही हैं। हालांकि, अभी तक दोनों की तरफ से इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। हाल ही में उनकी अमेरिका यात्रा को स्टंट डायरेक्टर जोड़ी 'अंबरीव' के साथ आने वाली फिल्म से जोड़कर देखा जा रहा था, लेकिन अब माना जा रहा है कि यह यात्रा उनकी हॉलीवुड फिल्म के सिलसिले में थी। कमल हासन इस समय कई बड़ी फिल्मों से जुड़े हुए हैं। कमल लगभग 40 साल बाद रजनीकांत के साथ निर्देशक नेल्सन की फिल्म में नजर आएंगे। साथ ही वह रजनीकांत की फिल्म 'थलाइवर 173' को भी सपोर्ट कर रहे हैं।

भोजपुरी इंडस्ट्री के कलाकारों की भी कद्र होने लगी है

फिल्म 'लापता लेडीज' की रिलीज के समय तक सांसद व ऐक्टर रवि किशन को लगता था कि उन्हें हिंदी सिनेमा में कम आंका जा रहा है। फिलहाल, अब उनके लिए रोल लिखे जा रहे हैं। यही नहीं, उनके साथ भोजपुरी इंडस्ट्री के और भी कलाकारों की कद्र होने लगी है। उनके मुताबिक, भगवान शिव को ऐक्टर ने धारण कर रखा है और उनका अनुसरण करके ही वो निस्वार्थ भाव से देश की सेवा के लिए समर्पित हैं। इन दिनों वह 'मामला लीगल है 2' को लेकर चर्चा में हैं।

लोगों की पीड़ाओं को महसूस कर सकता हूं

मैं हालात का मारा इंसान हूं, जो बड़ी जिल्लतों और रिजेक्शन से निकलकर आया है इसलिए मुझमें कभी नेता वाले विचार नहीं आते। हां, मैं सेवक जरूर हूं। मैंने भगवान शिव को धारण किया है कि कंठ में विष है, ना उसे पेट के अंदर लेते हैं और ना ही समाज में बाहर निकालते हैं। मैं अपनी सारी पीड़ाओं, यातनाओं को जेहन में रखकर सिर्फ नि:स्वार्थ भाव से सेवा करता हूं। इसके लिए मैं बहुत सेंसटिव रहता हूं। गोरखपुर (संसदीय क्षेत्र) में जो भी मेरे पास आता है, उसकी सुनवाई होनी ही है। मेरे कार्यालय को निर्देश है कि कोई भी फरियादी दोबारा ना आए। एक बार में ही उसका काम हो जाना चाहिए। मैं एक कलाकार हूं और मैंने गरीबी देखी है इसलिए मैं लोगों की पीड़ाओं को महसूस कर सकता हूं।

600 से 700 लोग मेरे शरीर में रहते हैं

मेरे अनगिनत रूप हैं इसलिए जो भी किरदार मिलता है, उसे करता चला जाता हूं। शायद, यही वजह है कि मुझे कभी सोचने का समय ही नहीं मिला कि मेरी पसंद क्या है। अभी मैं एक और फिल्म कर रहा हूं करण जौहर की, उसमें इच्छाधारी अजगर बनकर आऊंगा, जो अपना स्पा चलाता है। जितने लोग असल जिंदगी में मिले हैं, जिन्होंने मुझे प्रभावित किया है, वो सब मेरे शरीर के अंदर से चिल्लाते हैं कि हम कब बाहर आएंगे। ऐसे 600 से 700 लोग अभी भी मेरे शरीर में रहते हैं।

रेंगकर यहां तक पहुंचा हूं

फिल्म 'लापता लेडीज' के बाद अब हिंदी सिनेमा में मेरे लिए रोल लिखे जा रहे हैं। ऐसे में उन सभी लोगों से कहना चाहूंगा, जो सिर्फ सिनेमा में ही नहीं अपनी दुनिया में संघर्ष कर रहे हैं। शराब ना पीएं, ड्रग्स से दूर रहें और सुइसाइड ना करें। आपको घबराना नहीं हैं। जिन्हें डर लगता है, उनको मुझे देखना चाहिए। मैं एक ऐसा इंसान हूं, जो मिट्टी के घर से निकलकर आज यहां तक पहुंचा है। मैं तो रेंगकर ऊपर आया हूं। अपनी खुद की इंडस्ट्री बनाई और खुद को सुपरस्टार घोषित किया।

लोगों ने नया कबूतर पकड़ लिया है

फिल्म धुरंधर को सबको सपोर्ट करना चाहिए था। वह सिर्फ सिनेमा है, कोई प्रपोगेंडा नहीं है। एक शब्द निकला है प्रोपोगेंडा, यह लोगों ने एक नया कबूतर पकड़ लिया है। यह सिनेमा है, इसे 'शोले' की तरह देखें। फिल्म में जो हुआ है, उसे ही बताया गया है। इसके जरिए एक बार फिर सिनेमाघरों में रोनक लौट आई है। इंडस्ट्री की बहुत बुरी हालत थी, लोग हॉल नहीं जा रहे थे। फिल्में नहीं चलेंगी तो लोगों को काम नहीं मिलेगा। मुंबई बहुत महंगा शहर है। ऐसे में ऐक्टर्स का सर्वाइव करना मुश्किल हो जाएगा। मेरी भी ख्वाहिश है कि मैं आदित्य धर के निर्देशन में काम करूं।

पहली बार सुना चूहा गांजा खाता है

मेरे जीवन का सबसे मुश्किल फैसला कलाकार बनना था। पिताजी पुजारी थे, वो इसके सख्त खिलाफ थे। उनको लगता था कि मैं सिर्फ डांसर बनकर रह जाऊंगा। उन्होंने कई बार पिटाई भी की लेकिन मैं नहीं रुका। मुझे लगता है कि मेरी और जहां तक भगवान शिव की भी इच्छा थी कि मैं ऐक्टर बनूं। वेब सीरीज में जज का किरदार निभाकर मुझे उनके काम करने के नियम, कानून क्या-क्या हैं, वो पता चले। सीरीज की कहानी सत्य घटनाओं से प्रेरित है तो सेट पर चर्चाएं हुआ करती थीं। इस दौरान मुझे पता चला कि चूहा गांजा खाता है। हाल ही में गुजरात में ऐसा मामला चर्चा का विषय बना, जिसमें बताया गया कि बीते 12 वर्षों में पकड़े गए 3620 किलोग्राम मादक पदार्थों में से 35 प्रतिशत चूहे खा गए।

भोजपुरी स्टार्स के टैलंट की कद्र हो रही है

रवि किशन और दिनेश लाल यादव 'निरहुआ' दोनों कलाकार भोजपुरी इंडस्ट्री से ताल्लुक रखते हैं। अब हिंदी सिनेमा में साथ काम करने को लेकर वे कहते हैं कि मैं बेहद खुश हूं। मैं हमेशा से यही चाहता था कि मेरे सभी जूनियर्स ग्रो करें। आगे भी मेरी ख्वाहिश है कि वो हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में अपना नाम रोशन करते रहें। मुझे भी उन सबके साथ काम करके मजा आता है। खास बात है कि उनका टैलंट अब दुनिया के सामने आ रहा है और लोग उसकी कद्र कर रहे हैं। यही हर स्टार का सपना होता है कि उसका काम लोगों के दिल-ओ-दिमाग में बस जाए।

संक्षिप्त समाचार

संयुक्त राष्ट्र में हमास को निरस्त्र करने की मांग तेज

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र में गाजा युद्धविराम समझौते की निगरानी कर रहे अधिकारियों ने हमास को हथियार छोड़ने के लिए हरसंभव दबाव बनाने की अपील की है। अमेरिका समर्थित शांति बोर्ड के प्रतिनिधि निकोलाय म्लादेनोव ने कहा कि गाजा में हिंसा का हर नया दौर संघर्षविराम को कमजोर कर रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर समाधान नहीं निकला तो गाजा का मानवीय संकट और गहरा जाएगा। म्लादेनोव ने कहा कि हमास को चरणबद्ध तरीके से हथियार छोड़ने होंगे, जबकि इस्राइल को भी युद्धविराम की शर्तों का पालन करना चाहिए। हमास ने इस रिपोर्ट की आलोचना करते हुए कहा कि इसमें इस्राइल की कथित उल्लंघनों को नजरअंदाज किया गया है। गाजा में जारी मानवीय संकट, सीमित राहत सामग्री और लगातार सैन्य तनाव को लेकर अंतरराष्ट्रीय समुदाय की चिंता लगातार बढ़ती जा रही है।

कांगो में इबोला सेंटर को भीड़ ने जलाया, बढ़ा तनाव

किंशासा, एजेंसी। कांगो के पूर्वी हिस्से में इबोला संक्रमण को लेकर बढ़ते डर और गुस्से के बीच लोगों ने एक उपचार केंद्र में आग लगा दी। वांमपारा कस्बे में स्थानीय युवकों ने उस समय हिंसक प्रदर्शन किया जब प्रशासन ने इबोला से मृत संदिग्ध व्यक्ति का शव परिवार को सौंपने से रोक दिया। गुस्साई भीड़ ने इलाज केंद्र में तोड़फोड़ कर आग लगा दी, जिसके बाद स्वास्थ्यकर्मियों को वहां से भागना पड़ा। अधिकारियों के मुताबिक इबोला पीड़ितों के शव बेहद संक्रामक होते हैं, इसलिए विशेष प्रोटोकॉल के तहत अंतिम संस्कार कराया जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा है कि संक्रमण के मामले आधिकारिक आंकड़ों से कहीं ज्यादा हो सकते हैं। अब तक करीब 148 संदिग्ध मौतें और लगभग 600 संभावित मामले सामने आ चुके हैं। स्वास्थ्य एजेंसियों ने चेतावनी दी है कि हालात तेजी से बिगड़ सकते हैं।

डेमोक्रेटिक रिपोर्ट में कमला हैरिस की रणनीति पर सवाल

वाशिंगटन, एजेंसी। डेमोक्रेटिक की पोस्ट-इलेक्शन रिपोर्ट में पूर्व उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की चुनावी रणनीति की आलोचना की गई है। रिपोर्ट में कहा गया कि हैरिस ने ग्रामीण अमेरिका की उपेक्षा की और डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ पर्याप्त आक्रामक प्रचार नहीं किया। 192 पन्नों की इस रिपोर्ट में कहा गया कि डेमोक्रेटिक पार्टी आइडेंटिटी पॉलिटिक्स पर जरूरत से ज्यादा निर्भर रही और आम मतदाताओं की आर्थिक चिंताओं को पर्याप्त महत्व नहीं दे सकी। रिपोर्ट के मुताबिक पार्टी पुरुष मतदाताओं, खासकर रंगभेद झेलने वाले समुदायों के पुरुषों तक प्रभावी ढंग से नहीं पहुंच पाई। डेमोक्रेटिक रणनीतिकारों ने रिपोर्ट जारी करने में देरी और नेतृत्व की कार्यशैली पर भी नाराजगी जताई। इस रिपोर्ट ने पार्टी के भीतर 2024 चुनावी हार को लेकर नई बहस छेड़ दी है।

यूक्रेन ने रूस में तेल रिफाइनरी पर साधा निशाना

कीव, एजेंसी। यूक्रेन ने बुधवार रात ड्रोन हमले कर रूस के अंदरुनी इलाके में तेल रिफाइनरी को निशाना बनाया, जिससे उसमें आग लग गई और धुएं का गुबार देखा गया। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बृहस्पतिवार को यह दावा किया। यूक्रेन द्वारा रूस के महत्वपूर्ण तेल उद्योग पर लंबी दूरी तक मार करने वाले हथियारों से हमला करने की यह नई घटना है। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर हमले का एक कथित वीडियो साझा करते हुए कहा कि ड्रोन ने रूस में 800 किलोमीटर से अधिक दूर स्थित सिजरान तेल रिफाइनरी को निशाना बनाया।

सिंगापुर के पास अमेरिका के पकड़े गए 20 ईरानी नाविक लौटे स्वदेश

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर के तट के पास अमेरिका के जब्त किए गए एक जहाज पर सवार 20 ईरानी नाविक वापस ईरान लौट आए हैं। ईरानी आधिकारिक समाचार एजेंसी इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज एजेंसी (आईआरएनए) ने बृहस्पतिवार को बताया कि ईरानी विदेश मंत्री, उनके पाकिस्तानी और सिंगापुर के समकक्षों के कूटनीतिक प्रयासों के बाद इन नाविकों की घर वापसी मुमकिन हो पाई है।

बालेंद्र की संसद में अनुपस्थिति पर हंगामा

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह की संसद से निरंतर अनुपस्थिति को लेकर बृहस्पतिवार को विपक्षी दलों के सांसदों ने सदन में जमकर नारेबाजी और विरोध प्रदर्शन किया। इसके चलते सदन की कार्यवाही बाधित हुई और अंततः सदन को स्थगित करना पड़ा। गत सप्ताह सत्र शुरू होने के बाद से तीसरी बार विपक्ष ने बालेंद्र शाह की अनुपस्थिति के विरोध में प्रतिनिधि सभा की कार्यवाही को बाधित किया और बैठकों का बहिष्कार किया।

परमाणु हथियार से पश्चिम एशिया में हो सकता है बड़ा युद्ध, नहीं दे सकते इजाजत'; ट्रंप की ईरान को चेतावनी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने ईरान को लेकर एक बड़ा बयान जारी किया है। उन्होंने ईरान को कड़ी चेतावनी देने के साथ-साथ बातचीत से मसले सुलझाने की बात भी कही है। ट्रंप प्रशासन ने साफ कर दिया है कि वे तेहरान को किसी भी हाल में परमाणु हथियार बनाने या रखने की इजाजत नहीं दे सकते। यह बयान ऐसे समय में आया है जब खाड़ी क्षेत्र में तनाव काफी बढ़ गया है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से होने वाली तेल की सप्लाई को लेकर पूरी दुनिया में चिंता बनी हुई है और ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर चर्चा जारी है।

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने क्या कहा : इस बीच, विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भारत के दौरे पर निकलने से पहले मियामी एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बात की। उन्होंने ईरान को सख्त लहजे में चेतावनी दी। रुबियो ने कहा कि अगर ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों पर किसी भी तरह का टोल या शुल्क लगाने की कोशिश की, तो अमेरिका इसे कभी स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि समुद्र के इस रास्ते पर टोल सिस्टम बिल्कुल मंजूर नहीं है। अमेरिका इस मामले में बहरीन की ओर से लाए गए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव का पूरा समर्थन कर रहा है। इस प्रस्ताव को दुनिया के 100 से ज्यादा देशों का साथ मिला है, जो सुरक्षा परिषद के इतिहास में एक बड़ी बात है। रुबियो ने कहा कि दुनिया में कोई भी टोल सिस्टम के पक्ष में नहीं है। अगर ईरान इस दिशा में आगे बढ़ता है, तो किसी भी कूटनीतिक समझौते तक पहुंचना बहुत मुश्किल हो जाएगा।

क्या बोले ट्रंप : इसके बाद व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति ट्रंप ने भी अपनी बात रखी। ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिकी नौसेना की मौजूदगी की वजह से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर अमेरिका का पूरा नियंत्रण है। उन्होंने इसे 'स्टील की दीवार' जैसा मजबूत बताया। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका की मर्जी के बिना वहां से कोई भी जहाज नहीं गुजर सकता। उन्होंने यह भी दावा किया कि ईरान की सैन्य ताकत को भारी नुकसान पहुंचा है। ट्रंप के अनुसार, अमेरिका ने ईरान की नौसेना और वायुसेना को पूरी तरह खत्म कर दिया है। साथ ही ईरान की ज्यादातर मिसाइल क्षमता भी अब खत्म हो चुकी है। ट्रंप ने परमाणु हथियारों के मुद्दे को अपनी सरकार की सबसे बड़ी विदेश नीति प्राथमिकता बताया। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ईरान परमाणु हथियार हासिल कर लेता है, तो मध्य पूर्व में परमाणु युद्ध छिड़ सकता है। इस युद्ध की आग अमेरिका और यूरोप तक भी पहुंच सकती है। ट्रंप ने कहा कि वे बातचीत का रास्ता खुला रखे हुए हैं, लेकिन अगर जरूरत पड़ी तो सैन्य कार्रवाई का विकल्प भी मौजूद है। उन्होंने दो टूक कहा कि या तो वे यह सुनिश्चित करेंगे कि ईरान के पास परमाणु हथियार न हों, वरना अमेरिका को कोई बहुत बड़ा कदम उठाना पड़ेगा।

मार्को रुबियो ने भारत के साथ रिश्तों पर कही ये बात : मार्को रुबियो ने भारत के साथ रिश्तों पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि भारत एक बेहतरीन सहयोगी और साझेदार है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में तनाव के कारण भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों को लेकर चिंतित है। रुबियो ने भरोसा दिलाया कि अमेरिका भारत को उसकी जरूरत के मुताबिक ऊर्जा बेचने के लिए तैयार है। अपनी भारत यात्रा के दौरान वे ऊर्जा सहयोग और क्वाड समूह की बैठकों में हिस्सा लेंगे।

गाजा कार्यकर्ताओं को इस्राइल ने किया निर्वासित

गाजा , एजेंसी। इस्राइल ने गाजा की नौसैनिक नाकेबंदी तोड़ने की कोशिश करने वाले सैकड़ों फ्लोटिला कार्यकर्ताओं को हिरासत के बाद निर्वासित कर दिया। करीब 420 कार्यकर्ता विमानों के जरिए तुर्किये पहुंचे, जहां इस्तांबुल एयरपोर्ट पर उन्होंने फ्री फिलिस्तीन के नारे लगाए। कई देशों ने कार्यकर्ताओं के साथ कथित दुर्व्यवहार को लेकर इस्राइली दूतों को तलब किया। इस्राइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-गवीर की आलोचना करते हुए कहा कि प्रदर्शनकारियों के साथ किया गया व्यवहार इस्राइल के मूल्यों के अनुरूप नहीं था। कुछ कार्यकर्ताओं ने हिरासत के दौरान मारपीट और प्रताड़ना के आरोप लगाए हैं, हालांकि इस्राइली जेल अधिकारियों ने इन दावों को खारिज किया है। गाजा पर 2007 से लागू समुद्री नाकेबंदी को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहस और विरोध लगातार तेज होता जा रहा है।

अमेरिका-ईरान तनाव के बीच सऊदी अरब का बड़ा फैसला, कंसल्टिंग फर्मों के नए कॉन्ट्रैक्ट्स किए सस्पेंड

रियाद , एजेंसी। अमेरिका-ईरान संघर्ष और पश्चिम एशिया में फैले व्यापक संकट के चलते सऊदी अरब ने देश में कार्यरत पश्चिमी परामर्श कंपनियों के साथ नए अनुबंधों को निलंबित कर दिया है। साथ ही कुछ भुगतानों में भी देरी की गई है। बताया जा रहा है कि बढ़ते वित्तीय घाटे और तेल आय पर पड़े असर से निपटने के लिए रियाद यह कदम उठाने को मजबूर हुआ है। फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, लगभग तीन महीने तक चले अमेरिका-इजरायल-ईरान संघर्ष ने होर्मुज स्ट्रेट से होकर जाने वाले जहाजरानी मार्गों को बुरी तरह प्रभावित किया। इससे वैश्विक ऊर्जा कीमतों में उछाल आया, आपूर्ति श्रृंखलाएं बाधित हुईं और कई आवश्यक वस्तुओं की कमी पैदा हो गई। दरअसल, संघर्ष शुरू होते ही सऊदी सरकार ने नए अनुबंधों पर रोक लगा दी। फाइनेंशियल टाइम्स के अनुसार, मैकिन्से, बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) और बिग फोर अकाउंटिंग-एडवाइजरी कंपनियों समेत कई प्रमुख परामर्श फर्मों के अधिकारियों ने बताया कि रियाद ने औपचारिक घोषणा तो नहीं की, लेकिन सभी को साफ संकेत दे दिया गया है। एक अधिकारी ने कहा कि वे कह रहे हैं कि जुलाई तक भुगतान नहीं करेंगे। वहीं, दूसरे अधिकारी ने बताया कि नए समझौतों और बिलों के भुगतान संबंधी फैसले दूसरी

तिमाही के अंत तक टाल दिए गए हैं। बताया जा रहा है कि यह कदम क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की महत्वाकांक्षी 'विजन 2030' योजना के तहत सरकारी खर्च को नियंत्रित करने की दिशा में एक और प्रयास है। योजना का मकसद तेल पर निर्भरता घटाना, आर्थिक विविधीकरण करना और सऊदी अरब को वैश्विक अर्थव्यवस्था का प्रमुख खिलाड़ी बनाना है। वहीं, अधिकारियों का कहना है कि ईरान की होर्मुज स्ट्रेट को अवरुद्ध करने की क्षमता के कारण सऊदी अरब को अपने रक्षा खर्च और लाल सागर के बुनियादी ढांचे पर अतिरिक्त निवेश करना पड़ सकता है। इससे बजट पर और दबाव बढ़ेगा। सऊदी अरब के वित्त मंत्रालय ने रिपोर्ट के दावों को आंशिक रूप से खारिज करते हुए कहा कि सरकार सभी निवेशों और परामर्श सेवाओं से विजन 2030 के रणनीतिक उद्देश्यों के अनुरूप स्पष्ट प्रतिफल सुनिश्चित करती है। मंत्रालय ने दावा किया कि वर्ष 2026 में 99.5 प्रतिशत बिलों का भुगतान निर्धारित समयसीमा के अंदर ही किया गया था।

ट्रंप ने पोलैंड में पांच हजार अतिरिक्त अमेरिकी सैनिक भेजने का किया ऐलान

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उनकी सरकार पोलैंड में अतिरिक्त पांच हजार अमेरिकी सैनिक भेजेगी। ट्रंप ने सोशल मी?डि?या प्?लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा, 'पोलैंड के राष्ट्रपति कैरोल नवरोकी की सफल जीत और उनके साथ हमारे अच्छे रिश्तों को देखते हुए, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि अमेरिका पोलैंड में अतिरिक्त 5,000 सैनिक भेजेगा। मुझे राष्ट्रपति का समर्थन करने पर गर्व है।' समाचार एजेंसी सि?न्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, यह टिप्पणी पेंटागन की ओर से पोलैंड में 4,000 से अधिक यूएस-आधारित सैनिकों की नियोजित तैनाती को अचानक टालने के एक सप्ताह बाद आई है। पिछले साल पोलैंड में कैरोल नावरोकी राष्ट्रपति चुने गए थे। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस समय यूरोप में करीब 80,000 अमेरिकी सैनिक मौजूद हैं, जिनमें से लगभग 10,000 पोलैंड में तैनात हैं। इससे पहले पेंटागन ने यह भी घोषणा की थी कि अगले 6 से 12 महीनों में करीब 5,000 अमेरिकी सैनिकों को जर्मनी से वापस बुलाया जाएगा। उधर, जब पेंटागन ने पोलैंड में अमेरिकी सैनिकों की अस्थायी तैनाती की योजना रद्द की, तब अमेरिकी यूरोपीय कमांड के प्रमुख को 'सैनिकों की संख्या कम करने' के निर्देश दिए गए थे। यह जानकारी अमेरिकी सेना के कार्यवाहक चीफ ऑफ स्टाफ क्रिस्टोफर लानेव ने पिछले हफ्ते कांग्रेस की सुनवाई में दी।

लानेव ने 'दूसरी आर्म्ड ब्रिगेड कॉम्बैट टीम' का जि?क्र करते हुए कहा, 'मैंने उनके साथ मिलकर इस पर चर्चा की कि कौन-सी यूनिट कम की जाए, और यह फैसला लिया गया कि उस ब्रिगेड की तैनाती फिलहाल न की जाए।' जनरल ने बताया कि यूनिट के कुछ हिस्से पहले ही विदेश भेजे जा चुके थे और उसका सैन्य सामान रास्ते में था। उन्होंने यह भी कहा कि तैनाती रद्द करने का आदेश अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ के दफ्तर से आया था। हालांकि, इस बारे में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

डोनाल्ड ट्रंप के बाद अब शहबाज शरीफ जाने वाले हैं चीन

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ चीन की यात्रा करने वाले हैं। चीन के प्रधानमंत्री ली क्वियांग ने उन्हें बुलावा भेजा है। शरीफ की चीन यात्रा 23 से 26 मई के बीच होगी। इस दौरान वह चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और प्रधानमंत्री ली क्वियांग से मिलेंगे। बता दें कि हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चीन की यात्रा से लौटे हैं। चीन यात्रा के दौरान ट्रंप और जिनपिंग ने ईरान युद्ध और ताइवान समेत विभिन्न मुद्दों पर बात हुई। अब देखने वाली बात यह है कि शरीफ चीन पहुंचकर क्या खिचड़ी पकाते हैं। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता, गुओ जियाकुन ने कहाकि शरीफ का दौरा दोनों देशों के बीच काफी अहम होने वाला है। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों ने प्रमुख अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर करीबी संवाद और समन्वय बनाए रखा है। साथ ही अपने साझा

हितों की प्रभावी रूप से सुरक्षा की है। उन्होंने कहाकि इसके अलावा हमने क्षेत्रीय शांति, स्थिरता और विकास को बढ़ावा दिया है। चीन को उम्मीद है कि इस अवसर का इस्तेमाल करते हुए दोनों देश, परंपरागत दोस्ती, सभी स्तर के सहयोग और एकता का नया अध्याय लिखेंगे। गुओ ने कहाकि हमारी कोशिश है कि चीन-पाकिस्तान समुदाय नए समय में एक साझा भविष्य की नींव रखे।

जिनपिंग ने जरदारी से की थी बात : बता दें कि गुरुवार को चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अपने पाकिस्तानी समकक्ष आसिफ अली जरदारी को दोनों देशों के बीच कूटनीतिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ पर भी शुभकामनाएं दीं। सरकारी समाचार एजेंसी, शिन्हुआ मुताबिक, शी ने इस संदेश में कहाकि चीन और पाकिस्तान अच्छे दोस्त। साथ ही सभी मौसमों में सहयोगी रणनीतिक साझीदार हैं। हम पहाड़ों और नदियों से जुड़े हैं और सुख-दुःख साझा करते हैं। चीनी नेता ने कहाकि कूटनीतिक संबंध बनने के 75 साल के बाद से चीन और पाकिस्तान के बीच दोस्ती हमेशा से मजबूत और अटूट रही है।

चीनी राष्ट्रपति ने आगे कहाकि दोनों देशों ने लंबे समय से उच्च-स्तरीय आपसी राजनीतिक विश्वास, व्यावहारिक सहयोग, सुरक्षा सहयोग और अंतरराष्ट्रीय सहयोग बनाए रखा है। यह दोनों देशों के बीच संबंधों को आदर्श रूप में दिखाता है। जिनपिंग ने कहाकि वे चीन-पाकिस्तान संबंधों को महत्वपूर्ण मानते हैं। साथ ही जरदारी के साथ मिलकर इस वर्षगांठ को एक अवसर के रूप में इस्तेमाल करने को तैयार हैं ताकि संबंधों को और बेहतर बनाया जा सके। साथ ही जिनपिंग ने पारंपरिक दोस्ती को बढ़ाने, सभी पहलुओं के सहयोग को और बेहतर करने पर जोर दिया।

प्रवासियों पर अमेरिका सख्त: नए आदेश से बढ़ी मैक्सिको की चिंता, राष्ट्रपति शीनबॉम ने उठाया ये कदम

मैक्सिको सिटी, एजेंसी। मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबॉम ने कहा है कि उनकी सरकार अमेरिका के नए आदेश का असर का विश्लेषण कर रही है। यह आदेश उन प्रवासियों पर लागू हो सकता है जो बिना कानूनी दस्तावेजों के अमेरिका में रह रहे हैं। इसके तहत ऐसे लोगों के लिए अमेरिकी बैंकिंग और वित्तीय सेवाओं तक पहुंच मुश्किल हो सकती है।

न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति शीनबॉम से उनकी रोजाना प्रेस कॉन्फ्रेंस में पूछा गया कि क्या इस फैसले का असर अमेरिका से मैक्सिको भेजे जाने वाले पैसों पर पड़ेगा। ये वही पैसे हैं, जिन्हें वहां काम कर रहे मैक्सिकन नागरिक अपने परिवारों को भेजते हैं। उन्होंने बताया कि मैक्सिको का वित्त मंत्रालय और अमेरिका में नए मैक्सिकन राजदूत रॉबर्टो लाजेरी मिलकर इस मामले का अध्ययन कर रहे हैं। फिलहाल उनकी शुरुआती राय है कि इससे कोई बड़ा खतरा नजर नहीं आ रहा।

अमेरिका ने उठाया क्या कदम : अमेरिका का यह एग्जीक्यूटिव ऑर्डर सीमा-पार होने वाले पैसों के लेन-देन और बैंक खाते खोलने या अन्य बैंकिंग सेवाओं के लिए इस्तेमाल होने वाली पहचान-पत्रों की निगरानी को और सख्त बनाता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस नए कदम से अब बैंक और वित्तीय रिकॉर्ड भी इमिग्रेशन जांच के दायरे में आ सकते हैं। इससे कई प्रवासियों की गतिविधियों पर ज्यादा नजर रखी जा सकती है। व्हाइट हाउस के अनुसार, ट्रंप ने 19 मई को एक आदेश पर हस्ताक्षर किए थे। इसमें बैंकों और वित्तीय नियामक संस्थाओं को कहा गया है कि वे ग्राहकों की नागरिकता और इमिग्रेशन स्थिति से जुड़े संदिग्ध संकेतों पर नजर रखें। यह कदम अवैध प्रवासियों के खिलाफ चलाए जा रहे बड़े अभियान का हिस्सा माना जा रहा है।

प्रवासियों पर क्या बोले ट्रंप : डोनाल्ड ट्रंप ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, 'इनमें से कई कर्जदारों को देश से निकाले जाने का डर है। या फिर उनके नियोक्ताओं (मालिकों) द्वारा इमिग्रेशन कानूनों का पालन करने के कारण उन्हें अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ सकता है। कानूनी तौर पर काम करने की अनुमति न रखने वाले विदेशियों को कर्ज देना बैंकिंग व्यवस्था के लिए ठीक नहीं है। जिन लोगों पर कमाई बंद होने का बड़ा जोखिम हो, उन्हें ऋण देने से 'कर्ज चुकाने की क्षमता' का संकट पैदा होता है। यह स्थिति हमारी राष्ट्रीय बैंकिंग प्रणाली की सुरक्षा और स्थिरता को कमजोर करती है। इसी बीच, अमेरिकी कांग्रेस में विदेश भेजे जाने वाले पैसों यानी रेमिटेंस पर 5 प्रतिशत टैक्स लगाने के प्रस्ताव पर भी चर्चा चल रही है। अभी केवल नकद लेनदेन पर 1 प्रतिशत टैक्स लगता है। मैक्सिको के अधिकारियों का कहना है कि अगर ऐसा टैक्स लगाया गया तो यह 'दोहरी टैक्स वसूली' जैसा होगा।

अंधाधुंध गोलियों की तड़तड़ाहट से दहला होंडुरास, छह पुलिसकर्मियों समेत 25 लोगों की हत्या

तेगूसिगल्पा, एजेंसी। मध्य अमेरिकी देश होंडुरास से एक बेहद खौफनाक और दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। यहां हथियारबंद बदमाशों ने दो अलग-अलग जगहों पर अंधाधुंध गोलीबारी की है। इस भयानक हमले में कम से कम 25 लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी गई है। मरने वालों में पुलिस के छह जवान भी शामिल हैं। इस घटना के बाद से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है और भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

यह खूनी खेल गुरुवार को होंडुरास के तटीय इलाकों में खेला गया। अधिकारियों के मुताबिक, पहला हमला उत्तरी होंडुरास के ट्रूजिलो नगर पालिका क्षेत्र के एक बागान में हुआ। यहां काम कर रहे कम से कम 19 मजदूरों को गोलियों से भून दिया गया। इसके बाद दूसरा हमला ग्वाटेमाला सीमा के पास ओमोआ इलाके में हुआ, जहां बदमाशों ने पुलिस टीम पर घात लगाकर हमला कर दिया। इस हमले में एक वरिष्ठ अधिकारी समेत छह पुलिसकर्मियों की जान चली गई।

ट्रूजिलो के बागान में क्यों हुआ यह खूनी संघर्ष : ट्रूजिलो का इलाका प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर है और यहां दशकों से जमीन और खेती को लेकर खूनी संघर्ष चलता आ रहा है। यह इलाका पर्यावरण और भूमि अधिकारों की रक्षा करने वालों के लिए बहुत खतरनाक माना जाता है। गैर-सरकारी संगठन 'ग्लोबल विटनेस' के अनुसार, होंडुरास पर्यावरणविदों के लिए दुनिया के सबसे खतरनाक देशों में से एक है। साल 2024 में यहां पर्यावरण नेता जुआन लोपेज की हत्या कर दी गई थी। यहां जमीन और जंगल बचाने वाले कार्यकर्ताओं को अक्सर धमकियां मिलती हैं।

पुलिसकर्मियों पर बदमाशों ने क्यों किया जानलेवा हमला : ओमोआ में मारे गए छह पुलिसकर्मी एक विशेष 'एंटी-गैंग मिशन' (गैंगस्टर विरोधी अभियान) पर निकले थे। पुलिस के मुताबिक, यह टीम राजधानी टेगुसिगाल्पा से ओमोआ जा रही थी, तभी रास्ते में बदमाशों ने उन पर गोलियों की बौछार कर दी। होंडुरास लंबे समय से खतरनाक गैंग (गिरोह) और नशीले पदार्थों की तस्करी से जूझ रहा है। विश्व बैंक के अनुसार 2011 के बाद से यहां हत्या की दर में कमी आई थी।

इसरो ने फिर रचा इतिहास! अमेरिका की धरती पर चंद्रयान-3 मिला अंतरिक्ष का सबसे बड़ा सम्मान

वाशिंगटन, एजेंसी। भारत के ऐतिहासिक चंद्रयान-3 मिशन ने एक बार फिर पूरी दुनिया में देश का मान बढ़ाया है। चांद के दक्षिणी ध्रुव पर पहली बार सफल लैंडिंग कर इतिहास रचने वाले इस मिशन को अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ एयरोनॉटिक्स एंड एस्ट्रोनॉटिक्स (एआईएए) ने '2026 गोडार्ड एस्ट्रोनॉटिक्स अवार्ड' से नवाजा है। 21 मई को वाशिंगटन डीसी में आयोजित एक खास समारोह में इस मिशन को अंतरिक्ष विज्ञान के इस सबसे बड़े सम्मान से सम्मानित किया गया।

इसरो की ओर से राजदूत विनय क्वात्रा ने लिया अवार्ड : एआईएए एसेंड 2026 सम्मेलन के दौरान, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की तरफ से अमेरिका में भारत के राजदूत विनय क्वात्रा ने यह अवार्ड स्वीकार किया। इस गौरवशाली अवसर पर राजदूत क्वात्रा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'स्पेस विजन 2047' की रूपरेखा पेश की। उन्होंने डीप स्पेस एक्सप्लोरेशन (गहरे अंतरिक्ष अन्वेषण), मानव अंतरिक्ष मिशन और भारत के तेजी से उभरते कमर्शियल स्पेस सेक्टर की जानकारी दुनिया के सामने रखी। इसके साथ ही, उन्होंने अंतरिक्ष खोज के क्षेत्र में भारत और अमेरिका की सरकारों, उद्योगों और रिसर्च संस्थानों के बीच साझेदारी को और गहरा करने का आह्वान किया।

क्यों खास है चंद्रयान-3 की यह उपलब्धि : 23 अगस्त 2023 अंतरिक्ष जगत के लिए एक मील का पत्थर है। इसी दिन चंद्रयान-3 ने

चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास सॉफ्ट लैंडिंग की थी और ऐसा करने वाला यह दुनिया का पहला स्पेसक्राफ्ट बन गया था। चांद का यह हिस्सा वैज्ञानिक और रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण है, जहां इससे पहले कभी सतह पर जाकर खोज नहीं की गई थी। इस मिशन ने न सिर्फ भविष्य के मानव मिशनों के लिए महत्वपूर्ण डेटा भेजा, बल्कि चांद की मिट्टी में कई अहम रसायनों की मौजूदगी की भी पुष्टि की। इन स्थानीय संसाधनों से भविष्य में चांद की सतह पर मैन्युफैक्चरिंग ऑपरेशन्स चलाने की संभावनाएं भी खुल गई हैं।

क्या है 'गोडार्ड एस्ट्रोनॉटिक्स अवार्ड' : गोडार्ड एस्ट्रोनॉटिक्स अवार्ड एआईएए द्वारा अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में शानदार उपलब्धियों के लिए दिया जाने वाला सबसे बड़ा और प्रतिष्ठित सम्मान है। यह पुरस्कार किसी खास व्यक्ति या टीम को दिया जाता है।

इस पुरस्कार की शुरुआत श्रीमती गोडार्ड ने अपने पति रॉबर्ट एच. गोडार्ड की याद में की थी। रॉबर्ट गोडार्ड एक विजनरी, बेहतरीन इंजीनियर और लिक्विड रॉकेट इंजन के प्रणेता थे, जिनके शुरुआती प्रयोगों ने अंतरिक्ष विज्ञान की नींव रखी थी। साल 1975 में इंस्टीट्यूट ने इस पुरस्कार के चयन के दायरे को बढ़ाते हुए इसे इसका मौजूदा नाम और स्वरूप दिया था।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)